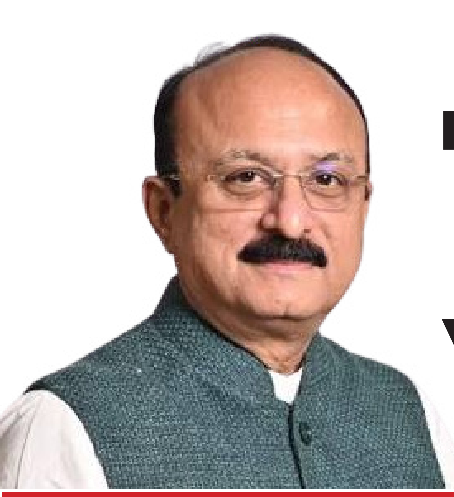

राष्ट्रीय दैनिक

प्रात: किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 दिल्ली मास्टर प्लान 2047 सिर्फ एक डॉक्यूमेंट नहीं, बल्कि....

रवींद्र जडेजा ने याद किया टीम इंडिया के साथ.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 119 | नई दिल्ली, शनिवार, 22 अगस्त , 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 39.0°C

न्यूनतम तापमान 28.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	60%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,54,256
चांदी	2,44,858
सेंसेक्स	76,654.23
निफ्टी	24,848.54

वायु प्रदूषण पर अंकुश के लिए दिल्ली में 10 दिसंबर से 20 जनवरी तक निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध

प्रात : किरण, एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि सर्दियों में वायु प्रदूषण की रोकथाम के उपायों के तहत 10 दिसंबर से 20 जनवरी तक दिल्ली में निर्माण गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। गुप्ता ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में, नागरिकों से इस प्रतिबंध के उल्लंघन की जानकारी देने का आग्रह करते हुए कहा कि 500 वर्ग मीटर से अधिक के निर्माण स्थलों की निगरानी दिल्ली सरकार के ह्यडस्ट पोर्टलह्ल और एआई से लैस कैमरों के माध्यम से की जाएगी। उन्होंने कहा, ह्य10 दिसंबर से 20 जनवरी तक निर्माण पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। अगर आपको इसका कोई उल्लंघन दिखे तो एमसीडी, अपने विधायक या सीधे मुझे सूचित करें। गुप्ता ने कहा कि पिछली सर्दियों के दौरान, चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना(जीआरएपी) के लागू रहने के बावजूद कुछ स्थलों पर निर्माण गतिविधियां जारी रहीं। उन्होंने कहा कि इस साल ऐसे स्थलों की ह्यडस्ट पोर्टलह्ल और एआई से लैस कैमरों के माध्यम से वास्तविक समय में निगरानी की जाएगी। इससे नियम का उल्लंघन होने पर सरकार के नियंत्रण और कमान केंद्र को अलर्ट मिलेगा। गुप्ता ने लोगों से गुजारिश की कि नियमों के उल्लंघन को लेकर उन्हें सूचित किया जाए, सोशल मीडिया पर टैग किया जाए और शिकायत की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद नोटिस जारी किए जाएंगे, चेतावनियां दी जाएंगी और जुमार्ना लगाया जाएगा। दिल्ली सरकार ने निर्माण और ध्वस्तीकरण स्थलों की निगरानी को मजबूत करने और धूल प्रदूषण नियंत्रण उपायों के कार्यान्वयन में सुधार के लिए जुलाई में एआई-संचालित डस्ट पोर्टल 2.0 शुरू किया था। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा विकसित इस पोर्टल में 500 वर्ग गज या उससे बड़े निर्माण स्थलों पर नियमों के पालन की निगरानी के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित मानचित्रण, लाइव 360-डिग्री पैन-टिल्ट-जूम (पीटीजेड) कैमरे, पीएम10 और पीएम 2.5 को मापने वाले सेंसर तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित विश्लेषण प्रणाली को एकीकृत किया गया है।

सीमा सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास के बिना भारत या पश्चिम बंगाल सुरक्षित नहीं : अमित शाह

प्रात : किरण, एजेंसी

सिलीगुड़ी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सिलीगुड़ी दौरे के दौरान देश की सीमा सुरक्षा और विशेष रूप से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा से जुड़ी जो भी आवश्यकताएं सामने आई हैं, उन्हें पूरा करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अमित शाह ने सिलीगुड़ी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की कई विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने एसएसबी के जवानों से मुलाकात की और उनसे बातचीत भी की। कार्यक्रम में बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि यह पहला मौका था जब उन्हें एसएसबी के किसी कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला। उन्होंने एसएसबी को देश की संप्रभुता और सुरक्षा का अटूट प्रहरी बताया। कार्यक्रम के दौरान गृह मंत्री ने सीमा सुरक्षा से जुड़े कार्यों के लिए जमीन उपलब्ध कराने में देरी को लेकर पूर्ववर्ती राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार वर्ष 2024 से 1,129 एकड़ जमीन की मांग कर रही थी, लेकिन बार-बार अनुरोध के बावजूद जमीन उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री को आमंत्रित किए जाने के बावजूद उन्होंने कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया। इसके विपरीत अमित शाह ने वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के कार्यकाल में प्रशासनिक स्तर पर सहयोग मिलने का दावा किया। उन्होंने कहा कि अब ऐसी व्यवस्था बनाई गई है, जिसमें प्रशासनिक मंजूरी पहले मिलती है और पत्र बाद में आता है। कार्यक्रम में उन्होंने सिलीगुड़ी में करीब 80 एकड़ जमीन पर नए प्रशासनिक भवन के निर्माण की भी घोषणा की। गृह मंत्री ने कहा कि देश की सीमा सुरक्षा के साथ बुनियादी ढांचे को मजबूत करना भी केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लाल किले पर आयोजित भव्य वंदे मातरम् समारोह का जिक्र करते हुए कहा कि देश की समग्र सुरक्षा, आधारभूत संरचना और सीमाओं को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार हर आवश्यक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय के माध्यम से आने वाले दिनों में देश की सुरक्षा को और मजबूत किया जाएगा।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा के लिए विशेष त्रिकोणीय सुरक्षा ग्रिड तैयार : अमित शाह

सिलीगुड़ी। तीन दिवसीय पश्चिम बंगाल दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर यानी ह्यचिकन नेकह्ल की सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की विशेष बैठक में उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले इस संवेदनशील भौगोलिक क्षेत्र की सुरक्षा केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। अमित शाह ने बताया कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए विशेष ह्यत्रिकोणीय सुरक्षा ग्रिडह्ल तैयार किया गया है। इसके तहत चोपड़ा, किशनगंज और धुबरी स्थित तीन प्रमुख बेस से पूरे कॉरिडोर क्षेत्र की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में बाड़ लगाने के लिए पर्याप्त जमीन उपलब्ध नहीं होने की पुरानी समस्या का भी उल्लेख किया। हालांकि, वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में इस दिशा में सहयोग मिलने पर उन्होंने संतोष जताया। अमित शाह ने क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2027 के बजट में दिल्ली-सिलीगुड़ी रेल कॉरिडोर बनाने की योजना का उल्लेख किया गया है। इससे उत्तर बंगाल और सिलीगुड़ी कॉरिडोर की कनेक्टिविटी को और मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय गृह मंत्री के बयान को सिलीगुड़ी कॉरिडोर की रणनीतिक स्थिति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बढ़ती अहमियत के रूप में देखा जा रहा है।

जापान के रक्षा मंत्री मिले मोदी से, संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की जापान ने जताई प्रतिबद्धता

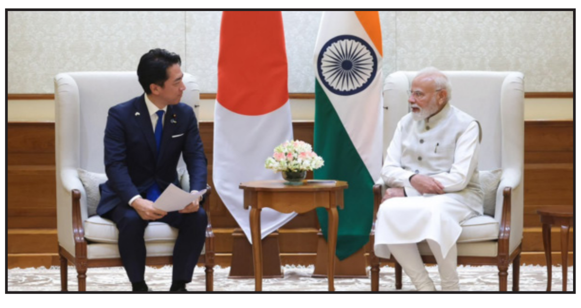

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की आधिकारिक यात्रा पर आये जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने गुरुवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की तथा भारत के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ करने के प्रति जापान सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने जुलाई में 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ अपनी विस्तृत चचाओं को याद किया और भारत तथा जापान के बीच रक्षा सहयोग में निरंतर गति की सराहना की। प्रधानमंत्री ने भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र और उससे आगे शांति, स्थिरता और समृद्धि को आगे बढ़ाने में भारत-जापान रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में, विशेष रूप से ह्यमेक इन इंडियाह्ल के तत्वावधान में सह-विकास तथा सह-उत्पादन के लिए, जापान के वास्ते भारतीय कंपनियों और स्टार्ट-अप्स के साथ साझेदारी करने के अवसरों को रेखांकित किया। जापानी रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री को द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में प्रगति के बारे में जानकारी दी और भारत के साथ संबंधों को और गहरा करने के प्रति जापान सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

संक्षिप्त खबरें

युवाओं की ऊर्जा का देशहित में उपयोग करेगा संघ

हैदराबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय समन्वय बैठक 19 अगस्त से 21 अगस्त तक विशाखापत्तनम के गुडीलोवा स्थित विज्ञान विहार स्कूल में आयोजित की गई। संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के नेतृत्व में हुई इस बैठक में राष्ट्रीय मुद्दों, आपसी समन्वय और सामाजिक सुधारों पर चर्चा करने के लिए संघ से प्रेरित 32 संगठनों के 306 प्रतिनिधि शामिल हुए। आज शाम बैठक का विधिवत समापन होगा। समापन से पूर्व पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने तीन दिवसीय बैठक में आए विषयों पर हुई चर्चा के बारे में बताया। संघ की समन्वय बैठक में जेएन जी आंदोलन से लेकर जनसंख्यिकी असंतुलन और युवाओं में बढ़ती नशा की प्रवृत्ति पर विस्तार से मंथन हुआ। साथ ही एआई और कुटुंब प्रबोधन जैसे ज्वलंत सवालों पर भी संघ विचार से प्रेरित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने आपस में गहनता से विचार किया। बैठक में विचार आया कि युवा शक्ति में काफी ऊर्जा है, उसे देश की प्रगति में कैसे सकारात्मक उपयोग हो, इस हेतु संघ से जुड़े युवाओं के संगठन, विद्यार्थी परिषद और बजरंग दल को विशेष कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। देश के कुछ हिस्सों में जनसंख्या असंतुलन से उत्पन्न समस्याओं पर भी मंथन हुआ। यह पाया गया कि कुछ क्षेत्रों में समुदाय विशेष की जनसंख्या में हो रही अप्रत्याशित वृद्धि से सामाजिक सद्भाव बिगड़ रहा है। सरकार और स्वयंसेवी संस्थाओं को इस दिशा में आगे आकर पहल करनी चाहिए। संघ ने संत रविदास की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा की और सामाजिक समरसता की दृष्टि से इसे अत्यन्त अहम बताते हुए आगे भी जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। संघ शताब्दी वर्ष पर आयोजित पंच परिवर्तन अभियान की समीक्षा की गई और कुटुम्ब प्रबोधन के कार्य को और गति देने पर सहमति बनी। संघ के अनुषांगिक संगठनों के प्रमुख, संगठन महामंत्री आदि भी बैठक में शामिल हुए, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, विश्व हिन्दू परिषद के आलोक कुमार सहित अन्य प्रतिनिधि प्रमुख थे।

जयपुर में सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने गई सीजेपी टीम पर हमला, मारपीट का लगाया आरोप

प्रात : किरण, एजेंसी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के रामपुरा-कंवरपुरा इलाके में एक सरकारी स्कूल के निरीक्षण के दौरान हुई मारपीट ने सियासी हंगामा खड़ा कर दिया है। सीजेपी की टीम पर हमले का आरोप लगा है। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर कई पोस्ट सामने आए हैं। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके ने ह्यएक्सह्ल पर लिखा, ह्लराजस्थान में आखिर हो क्या रहा है? भाजपा के लोगों ने आशुतोष रांका और सीजेपी के वॉलंटियर्स पर हमले किए हैं। राजस्थान पुलिस इस तरह के हमले की इजाजत कैसे दे सकती है?ह्व एक अन्य पोस्ट में अभिजीत दिपके ने कहा कि आशु पर राजस्थान में भाजपा के गुंडों ने हमला किया है। आशु और सीजेपी के अन्य वॉलंटियर्स को पीटा गया है और वे घायल हुए हैं। सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका ने ह्यएक्सह्ल पर पूरी घटना का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, ह्लआज घिनौनेपन की सारी हदें पार हो गईं।ह्व रामपुरा, कंवरपुरा में पिछले कई सालों से स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहा है। जब उनकी टीम निरीक्षण करने पहुंची तो उन पर सरेआम मारपीट और पत्थरबाजी की गई। कारों के शीशे तोड़ दिए गए, टीम पर पत्थर बरसाए गए, कपड़े फाड़ दिए गए। टीम के कार्यकर्ता को पीटा गया। आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि यह सब शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के कहने पर हुआ है। उन्होंने लिखा, ह्लमदन दिलावर को बच्चे भैंसों के तबेले में पढ़ते रहें, यह मंजूर है लेकिन स्कूल ठीक हो जाए यह मंजूर नहीं। आपने आज गुंडे भेजकर पूरे देश में राजस्थान को शर्मसार कर दिया लेकिन हम इस गुंडागर्दी से डरने वाले लोग नहीं हैं। स्कूल तो ठीक कराने ही होंगे। इस मामले पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी बयान दिया। उन्होंने कहा, ह्लयह भाजपा की गलती है। किसी को भी विरोध करने से नहीं रोकना चाहिए और ऐसी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

घायल छात्र के पक्ष में राहुल गांधी डीसीपी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे, एफआईआर दर्ज करन की मांग

प्रात : किरण, एजेंसी

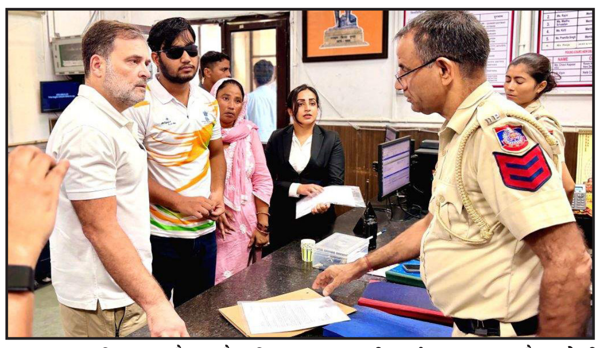

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्र आंदोलन के दौरान गंभीर रूप से घायल छात्र साहिल लोचव और उसकी मां के साथ एफआईआर दर्ज कराने शुक्रवार को संसद थाना पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कार्यालय पहुंचे। बाद में वे अपनी मांग के पक्ष में कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए एक्स पर लिखा, आज मैं संसद मार्ग स्थित डीसीपी कार्यालय गया ताकि साहिल लोचव के साथ हुई पुलिस बर्बरता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा सकूं। 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर ह्यसंसद चलोह्ल मार्च के दौरान शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे साहिल पर पुलिस ने पैलेट गन से हमला किया। इसमें साहिल जैसे कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पैलेट गन लगने से घायल साहिल की एक आँख की रोशनी अब खतरे में है। साहिल की मां एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने के चक्कर लगा रही हैं। लेकिन उन्हें इसकी भी इजाजत नहीं दी गई। इस तरह संविधान और संवैधानिक अधिकारों को कुचला जा रहा है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के खिलाफ ऐसी बर्बरता न केवल गैर-कानूनी है बल्कि एक गंभीर अपराध भी है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह 19 दिनों तक संसद नहीं आए। देश को यह नहीं बताया गया कि छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया और हमारे युवाओं के साथ इतनी बर्बरता की जरूरत क्यों पड़ी। आप न्याय से इतने डरे हुए क्यों हैं यह डर दिखाता है कि आप अपना अपराध स्वीकार कर रहे हैं। छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ आंसू गैस छोड़ी गई पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया। कई युवा गंभीर रूप से घायल हुए। हमारी बेटियों के साथ छेड़छाड़ की गई उन्हें लाठियों और डंडों से पीटा गया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज तक एक शब्द भी नहीं कहा और गृह मंत्री जवाबदेही से बचते रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि साहिल जैसे घायल छात्र अकेले नहीं है। कांग्रेस पार्टी हर पीड़ित युवा के साथ खड़ी है। उनकी आवाज को दबाया नहीं जाएगा और उन्हें न्याय दिलाने की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ी जाएगी।

चंपत राय ने नौ पेज की चिट्ठी में 33 बिन्दु उठाए, कहा-मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के फैसले रहे हावी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने गुरुवार को बयान के रूप में नौ पन्नों की चिट्ठी जारी की।इसमें उन्होंने 33 बिन्दुओं पर चर्चा की। उन्होंने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र को लेकर कई अहम दावे किए । राय ने कहा है कि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंदिर निर्माण से जुड़े कई अहम फैसले लिए। यही नहीं फैसले लेते समय उन्होंने किसी अन्य के फैसले को महत्व नहीं दिया। चंपत राय ने दावा किया कि मंदिर निर्माण के फैसलों में नृपेंद्र मिश्र के फैसले प्रमुख रहे । उन्होंने चिट्ठी में कहा है कि उच्चतम न्यायालय ने राम मंदिर निर्माण के लिए जो ट्रस्ट बनाया, उसमें 15 ट्रस्टी लिखे गए। इसके अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र बनाए गए। राय ने कहा कि उन्हीं के सुझावों के आधार पर एल एंड टी को मंदिर निर्माण के लिए चुना गया। उन्होंने बताया कि भवनों ने निर्माण के लिए नोएडा की फर्म डिजाईन एसोसिएट (फर्म प्रमुख जय काकतीकर) को नृपेन्द्र मिश्रा ने ही चुना। उन्होंने चिट्ठी मे लिखा कि यह भी सत्य है कि नृपेन्द्र मिश्र के कारण पत्थरों से बना इतना विशाल मंदिर जून 2020 में कोरोना काल से प्रारम्भ होकर जून 2026 तक पूर्ण रूप से समाज को समर्पित हो गया। यह केवल नृपेन्द्र मिश्र के प्रयत्नों का परिणाम है। जब कभी कोई बाधा आई तत्काल संबंधित विषय के देश के योग्यतम व्यक्तियों को उन्होंने निवेदन करके अयोध्या बुला लिया और उनके परामर्श के आधार पर वह बाधा दूर हो गई। यह भी सत्य है कि अधिकांश विद्वानों ने यहां सेवाभाव से सुझाव दिए अर्थात कोई पारिश्रमिक श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र से नहीं लिया। राय ने कहा कि अनूप मित्तल जो कभी एनबीसीसी के चेयरमेन रहे, वे मंदिर निर्माण समिति के सदस्य भी हैं। वह सिविल इंजीनियर हैं। सदैव इंजीनियरिंग विषय पर नृपेन्द्र मिश्र के सलाहकार रहे। नृपेन्द्र के सभी लिखित कार्य अनूप ही करते थे। उदाहरण के लिए निर्माण समिति बैठकों के विवरण तैयार करना, संबंधित व्यक्तियों को भेजना आदि, अनूप के साथ एक युवा सिविल इंजीनियर यश मित्तल सदैव आये, वे तत्काल अपने लैपटॉप पर हर विषय को टाइप करते थे। उसी के आधार पर सब कार्य होते थे।

उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर

भारत और सिंगापुर ने रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और सिंगापुर के बीच चौथी मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक गुरुवार को सिंगापुर में हुई जिसमें दोनों पक्षों के मंत्रियों ने उन्नत विनिर्माण, कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, कौशल विकास और स्थिरता जैसे क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि मंत्रियों ने हरित अर्थव्यवस्था, औद्योगिक पार्क, खाद्य सुरक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी और फिनटेक, सेमीकंडक्टर तथा हरित शिपिंग में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने यूपीआई ह्य पे नाउ लेनदेन में वृद्धि, सिंगापुर में भारतीय जेनेरिक दवाओं के पंजीकरण के पायलट प्रोजेक्ट, भारतीय लीची, आम, चेरी और बेर के निर्यात, प्रसंस्कृत पोल्ट्री उत्पादों के निर्यात के लिए मंजूरी, चेन्नई में राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्र के विकास, चौथे सिंगापुर-भारत हैकाथॉन, सेमीकंडक्टर के लिए आगामी ग्रीन लेन पहल, हरित हाइड्रोजन आपूर्ति श्रृंखला और बेंगलुरु में सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के कार्यालय के खुलने सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति का उल्लेख किया। दोनों पक्षों ने खाद्य सुरक्षा सहयोग, समुद्री विरासत सहयोग तथा दूरसंचार और प्रसारण क्षेत्र में नियामकीय सूचना के आदान-प्रदान से संबंधित दो समझौता ज्ञापनों और एक आशय पत्र का आदान-प्रदान किया। दोनों पक्षों ने भारतीय राज्यों और सिंगापुर के बीच संबंधों को और मजबूत करने पर भी सहमति जताई, जिसमें भारत के मुख्यमंत्रियों की सिंगापुर की नियमित यात्राएं शामिल हैं। भारतीय मंत्रियों ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिवहन मंत्री और वित्त राज्य मंत्री जेफ्री सिओ से मुलाकात की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सिंगापुर के मंत्रियों के. षणमुगम और विवियन बालाकृष्णन के साथ बैठकें कीं और श्री बालाकृष्णन के साथ सिंगापुर में भारतीय उच्चायोग के नए चांसरी-सह-आवासीय भवन परिसर की आधारशिला रखी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-सिंगापुर बिजनेस फोरम को संबोधित किया और संभावित निवेशकों तथा उद्योग भागीदारों के साथ बैठकें कीं, जबकि राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के हितधारकों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर सेमीकंडक्टर उद्योग गोलमेज बैठक भी आयोजित की गई। मंत्रियों ने चौथी भारत-सिंगापुर बिजनेस राउंडटेबल की रिपोर्ट भी साझा की। गोलमेज बैठक तंत्र भारत-सिंगापुर संबंधों की बहुआयामी और भविष्य उन्मुख प्रकृति को दशार्ता है। सितंबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था और सितंबर 2025 में प्रधानमंत्री वोंग की भारत यात्रा के दौरान इसके रोडमैप को अपनाया गया था।

राहुल गांधी के धरने पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा का जोरदार हमला कांग्रेस नेता को बताया कैमराजीवी

प्रात : किरण, एजेंसी

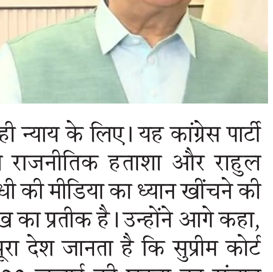

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दिल्ली के संसद मार्ग थाने में धरना-प्रदर्शन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को कैमराजीवी बताते हुए धरना-प्रदर्शन को ध्यान भटकाने की कोशिश करार दिया। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को दिल्ली के संसद मार्ग थाने पहुंचे। इस दौरान वह पैलेट गन पीड़ित के समर्थन में थाने में ही धरने पर बैठ गए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, ह्लपूरा देश एक बार फिर उस सस्ती और सस्ती लोकप्रियता पाने वाली राजनीति को देख रहा है, जिसका प्रदर्शन राहुल गांधी ने संसद मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर किया। राहुल गांधी का आज का धरना न तो छात्रों के लिए है और न ही न्याय के लिए। यह कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक हताशा और राहुल गांधी की मीडिया का ध्यान खींचने की भूख का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा, ह्लपूरा देश जानता है कि सुप्रीम कोर्ट ने 20 जुलाई की घटना का संज्ञान ले लिया है और एक पूर्व जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। जब देश की सर्वोच्च अदालत इस मामले की जांच कर रही है, तो राहुल गांधी पुलिस स्टेशन के बाहर कैमरों के सामने बैठकर क्या साबित करना चाहते हैं? क्या विपक्ष के नेता को देश की न्यायपालिका पर भरोसा नहीं है? सच तो यह है कि राहुल गांधी यह ह्यकैमरा-केंद्रितह्ल ड्रामा सिर्फ खुद को सुर्खियों में बनाए रखने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी संसद मार्ग डीसीपी कार्यालय पहुंचे तो उन्हें स्पष्ट रूप से बताया गया कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच पहले ही 20 जुलाई के सभी मामलों में सघन जांच कर रही है। डीसीपी ने यह भी बताया और आश्वासन दिया कि आपने जो कहा है, वह क्राइम ब्रांच को भेज दिया गया है। इसकी जांच क्राइम ब्रांच कर रही है। प्रशासन के स्पष्टीकरण के बावजूद धरने पर बैठ जाना राहुल गांधी के हठ और हताशा को दशार्ता है। इससे साफ हो जाता है कि उनका मकसद किसी को न्याय दिलाना या जांच कराना नहीं है। बल्कि सिर्फ हंगामा करके कानून व्यवस्था को चुनौती देना है।

डॉक्टरों की एक्स्ट्रा इनकम, मरीजों को राहत, सरकारी हॉस्पिटलों में बदले बदलाव की तैयारी

देहरादूनः डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे उत्तराखंड के सरकारी हॉस्पिटलों की हालात को सुधारने के लिए सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है. सरकार के इस कदम से न सिर्फ मरीजों की बड़ी राहत मिलेगी, बल्कि डॉक्टरों के भी एक्स्ट्रा इनकम का रास्ता खुलेगा. हालांकि अभी ये प्रस्ताव कैबिनेट में पास होना है.झ्र दरअसल, सरकार की योजना है कि उत्तराखंड में सरकारी अस्पतालों शाम को भी ओपीडी (आउट पेशेंट डिपार्टमेंट) चले. इसके लिए सरकार अपने ही डॉक्टरों को सरकारी हॉस्पिटलों में निजी प्रैक्टिस की सशर्त छूट देने पर विचार कर रही हैं. सरकार का तर्क है कि इस व्यवस्था से उन मरीजों को राहत मिलेगी, जो दिन के समय अस्पताल नहीं पहुंच पाते हैं या विशेषज्ञ डॉक्टरों से शाम के समय इलाज कराना चाहते हैं. खास बात यह है कि डॉक्टरों को अस्पताल के बाहर निजी क्लीनिक चलाने की अनुमति नहीं होगी. प्रस्तावित व्यवस्था के तहत निजी प्रैक्टिस सरकारी अस्पताल की चारदीवारी के भीतर और निर्धारित शर्तों के साथ ही की जा सकेगी. सरकारी डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर पहले से है रोकः उत्तराखंड में सरकारी सेवा में तैनात डॉक्टरों को निजी प्रैक्टिस करने की अनुमति नहीं है. सरकार की ओर से डॉक्टरों को इसके एवज में नियमित वेतन के साथ नॉन प्रैक्टिस अलाउंस यानी एनपीए भी दिया जाता है. इसके बावजूद कई सरकारी डॉक्टरों के निजी तौर पर मरीज देखने की शिकायतें सामने आती रही हैं. कुछ डॉक्टर अपने आवास या निजी क्लीनिक में मरीजों का उपचार करते हैं. सरकार अब इस पूरी व्यवस्था को नियंत्रित और व्यवस्थित करने के विकल्प पर विचार कर रही है, ताकि डॉक्टरों की विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ सीधे सरकारी अस्पताल आने वाले मरीजों को मिल सके. इस व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह होगी कि डॉक्टर अस्पताल के बाहर निजी प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे. उन्हें मरीज देखने के लिए सरकारी अस्पताल में ही उपलब्ध रहना होगा. यानी निजी प्रैक्टिस को डॉक्टर के निजी क्लीनिक या आवास से जोड़ने के बजाय सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था के भीतर लाने की तैयारी है. न्यूनतम फीस लेनी होगीः नई व्यवस्था में दूसरी बड़ी शर्त मरीजों से ली जाने वाली फीस को लेकर होगी. डॉक्टरों को मरीज देखने के लिए मनमानी फीस लेने की अनुमति नहीं होगी. प्रस्तावित मॉडल में परामर्श शुल्क न्यूनतम रखने की बात कही गई है. सरकार की कोशिश है कि शाम के समय सरकारी अस्पताल में डॉक्टर उपलब्ध होने का फायदा आम मरीज को मिले. यदि फीस निजी अस्पतालों के मुकाबले काफी कम रहती है तो आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय परिवारों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श के लिए निजी अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा. ऑपरेशन और आगे का इलाज भी सरकारी अस्पताल में ही होगाः नई व्यवस्था केवल डॉक्टर से परामर्श तक सीमित नहीं रहेगी. यदि किसी मरीज को ऑपरेशन अथवा किसी अन्य उपचार की जरूरत पड़ती है तो प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार उसका इलाज सरकारी अस्पताल में ही किया जाएगा. डॉक्टर मरीज को ऑपरेशन के लिए अपने निजी अस्पताल या किसी अन्य निजी संस्थान में भेज नहीं सकेंगे. यह शर्त इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि निजी प्रैक्टिस को सरकारी अस्पताल में अनुमति देने का उद्देश्य डॉक्टरों को अतिरिक्त कमाई का अवसर देना भर नहीं बल्कि सरकारी स्वास्थ्य ढांचे का अधिकतम उपयोग करना बताया जा रहा है. ऑपरेशन और उपचार सरकारी अस्पताल में होने से मरीज को सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा.

बाहर की दवाएं लिखने पर भी रहेगी रोकः प्रस्तावित व्यवस्था में दवाओं को लेकर भी स्पष्ट पाबंदी रखे जाने की तैयारी है. डॉक्टर मरीजों को बाहर से दवाएं खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे. सरकारी अस्पताल में उपलब्ध दवाओं और निर्धारित उपचार व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाएगी. सरकार का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि शाम के समय अस्पताल में शुरू होने वाली इस सुविधा का फायदा मरीजों को वास्तविक रूप से मिले और इलाज के नाम पर उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े. दवा जांच और उपचार को लेकर भी व्यवस्था को पारदर्शी रखने की कोशिश की जाएगी. पहाड़ों में खाली पड़े अस्पतालों का हो सकेगा बेहतर इस्तेमालः सरकार का ये प्रस्ताव लाने का एक मकसद ये भी है की पर्वतीय क्षेत्रों से भी जुड़ा है.

उत्तराखंड के कई पहाड़ी इलाकों में सरकारी अस्पतालों की ओपीडी निर्धारित समय के बाद बंद हो जाती है. दोपहर बाद अस्पतालों में मरीजों की आवाजाही कम होने के साथ चिकित्सा ढांचा भी सीमित रूप से उपयोग में रहता है. दूसरी ओर विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता पहाड़ों में पहले से ही बड़ी चुनौती है. सरकार का मानना है कि यदि डॉक्टर शाम के समय भी उसी अस्पताल में मरीज देख सकें तो उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है. अस्पताल की इमारत जांच सुविधाएं और अन्य चिकित्सा संसाधन केवल कुछ घंटों तक सीमित रहने के बजाय अधिक समय तक मरीजों के काम आ सकेंगे.

गंगनहर में बहकर बैराज में फंसा बुजुर्ग, ठंड से सिकुड़ गया शरीर, एसडीआरएफ ने जान पर खेलकर बचाई जिंदगी

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एसडीआरएफ) की टीम ने गंगनहर के तेज बहाव में बह रहे एक बुजुर्ग की जान बचाई. बहादराबाद पुलिस चौकी से सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया. बुजुर्ग को गंगनहर से बाहर निकाला गया और मौके पर फर्स्ट एड देकर उसकी स्थिति को सामान्य कर एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा. बुजुर्ग की उम्र करीब 70 वर्ष के आसपास बताई जा रही है. फिलहाल बुजुर्ग की पहचान नहीं हो पाई है. एसडीआरएफ के अनुसार, रविवार सुबह बहादराबाद पुलिस द्वारा सूचना मिली कि एक व्यक्ति गंगनहर के तेज बहाव में बह गया है. सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और टीम के मौके पर पहुंचने तक तेज बहाव में व्यक्ति काफी दूर तक बहकर पथरी पावर हाउस क्षेत्र तक पहुंच चुका था और बैराज में फंस गया. सूचना मिलते ही जवानों ने बिना समय गंवाए रेस्क्यू की रणनीति तैयार की. गंगनहर में तेज बहाव और पानी की गहराई के बीच जवानों ने सावधानी के साथ बुजुर्ग व्यक्ति तक पहुंच बनाई. चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद टीम ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अभियान चलाया. काफी मशक्कत के बाद जवानों ने उसे गंगनहर के बहाव से बाहर निकाल लिया. रेस्क्यू के दौरान सामने आया कि व्यक्ति काफी देर तक ठंडे पानी और तेज बहाव के बीच फंसा रहा था. लंबे समय तक पानी में रहने के कारण उसका शरीर ठंड से अकड़ गया था और उसकी नाजुक हालत थी.

कांग्रेस हाईकमान ने की पांच मीडिया कोऑर्डिनेटरों की नियुक्ति, विधानसभा चुनाव से जुड़ा कनेक्शन, जानिये कैसे

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में होने जा रहे विधानसभा चुनाव 2027 से पहले कांग्रेस ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं. कांग्रेस ने मीडिया से जुड़े कामों को और अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पांच कोऑर्डिनेटर बनाए हैं. जिसमें पंखुड़ी पाठक को नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है. प्रकाश मीणा, अरुण अग्रवाल, रितु चौधरी और आदित्य गर्ग को कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी गई है. ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सभी पदाधिकारी उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ भविष्य में समन्वय स्थापित करेंगे. साथ ही मीडिया और संचार से संबंधित गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करेंगे. कांग्रेस के मुताबिक आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों ,जनहित से जुड़े मुद्दों और संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से जनता और मीडिया तक पहुंचाने के लिए यह कोऑर्डिनेटर बनाए गए हैं. कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर प्रतिमा सिंह कहना है कि चुनाव के दौरान मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है. कांग्रेस के अनुसार, नियुक्त कोऑर्डिनेटर्स का मुख्य काम प्रदेश की मीडिया कमेटी के साथ समन्वय स्थापित करना और ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के कम्युनिकेशन विभाग से मिलने वाले दिशा-निर्देशों को लागू कराना होगा. इसके तहत जनहित के मुद्दों और भाजपा की कथित जनविरोधी नीतियों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस सहित विभिन्न मीडिया गतिविधियां आयोजित की जाएंगी. इसके साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में मीडिया कोऑर्डिनेशन की व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा. जिला स्तर पर नियुक्त कोऑर्डिनेटर्स स्थानीय मीडिया के साथ समन्वय स्थापित करेंगे और चुनाव से जुड़े कार्यक्रमों एवं पार्टी के मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने का काम करेंगे. कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, प्रदेश की नई मीडिया कमेटी का गठन भी जल्द किया जाएगा. प्रदेश के सभी प्रवक्ता और मीडिया टीम के सदस्य उनका पालन करते हुए पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को जनता के बीच रखेंगे.

ग्रामोत्थान परियोजना से बदली ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी, बेकरी उद्यम से कर रहीं आर्थिकी मजबूत

टिहरी गढ़वाल, एजेंसी। विकासखंड थौलधार के ग्राम भैंस कोटि की महिलाओं ने मेहनत, समूह की एकजुटता और सरकारी सहयोग के दम पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है. कभी घर-गृहस्थी, खेती और पशुपालन तक सीमित रहने वाली सात महिलाएं आज बेकरी उद्यम चला रही हैं और हर महीने हजारों रुपए की आमदनी कर रही हैं. ग्रामोत्थान परियोजना के सहयोग से शुरू हुआ यह उद्यम अब न सिर्फ इन महिलाओं के परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रहा है, बल्कि गांव की दूसरी महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रहा है. यह कहानी है टिहरी गढ़वाल के थौलधार विकासखंड के ग्राम भैंस कोटि की. यहां राजेश्वरी सकलानी, गीता भट्ट, आशा देवी, रजनी, अनीता, विशिला देवी और शकुंतला देवी ने मिलकर अपने लिए रोजगार का नया रास्ता तैयार किया है. ये सभी महिलाएं दिव्य ग्राम संगठन से जुड़ी हैं, जिसके अंतर्गत शिवालय स्वयं सहायता समूह, संतोषी समूह और लक्ष्मी समूह संचालित किए जा रहे हैं. जनवरी 2026 में इन महिलाओं ने ग्रामोत्थान परियोजना के सहयोग से बेकरी उद्यम की शुरुआत की. उद्यम सर्वेक्षण के दौरान दिव्य ग्राम संगठन का चयन किया गया. इसके बाद परियोजना टीम ने भौतिक सत्यापन किया और महिलाओं को बेकरी व्यवसाय स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई. इस पूरे उद्यम को खड़ा करने में कुल 10 लाख रुपए की लागत आई. इसमें ग्रामोत्थान परियोजना की ओर से 6 लाख रुपए की सहायता राशि दी गई, जबकि 3 लाख रुपए का बैंक ऋण लिया गया और 1 लाख रुपए महिलाओं ने अपने स्तर से अंशदान के रूप में जुटाए. इसी आर्थिक सहयोग से बेकरी की मशीनें, उपकरण और अन्य जरूरी संसाधन खरीदे गए. बेकरी शुरू होने के बाद महिलाओं ने सिर्फ पारंपरिक उत्पादों तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि स्थानीय पसंद और पहाड़ी उत्पादों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग तरह के खाद्य उत्पाद तैयार करने शुरू किए. इनमें मंडुवा बिस्किट, आटा बिस्किट, मशरूम बिस्किट, फैन, बन, ब्रेड और केक प्रमुख हैं. इन उत्पादों की मांग अब भैंसकोटी गांव तक सीमित नहीं है. थौलधार, कमांद, कांडीखाल और टिहरी के बाजारों में भी मांग के अनुसार, इन उत्पादों की बिक्री की जा रही है.

स्थानीय बाजार में तैयार होने वाले इन उत्पादों को ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है, जिससे महिलाओं का उत्साह भी बढ़ा है. सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इस छोटे से ग्रामीण उद्यम से महिलाओं को हर महीने करीब 50 से 60 हजार रुपए की आय हो रही है. इसमें लगभग 30 से 40 हजार रुपए तक का शुद्ध लाभ बताया गया है. यानी जिस काम को कभी केवल घरेलू जिम्मेदारी समझा जाता था, उसी क्षेत्र की महिलाएं अब व्यवसाय चलाकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं.

सात खाद्य कंपनियों को नोटिस, पानी बेकरी उत्पादों में मिलीं अनियमितताएं

हरिद्वार, एजेंसी। कांवड़ मेला संपन्न होने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और पैकेजिंग को लेकर कार्रवाई तेज कर दी है। कांवड़ मेला क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के दौरान पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर, बेकरी उत्पाद और जीरा मसाला सोडा के लेबल में अनियमितताएं मिलने पर सात निर्माता कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग ने संबंधित कंपनियों से सात दिन के भीतर जवाब और जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी ने बताया कि वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन ने बहादराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग और चंडीघाट कांवड़ क्षेत्र में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया था। पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर के पांच, बेकरी उत्पाद के एक और जीरा मसाला सोडा का एक नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा।जांच के दौरान पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर की निर्माता कंपनियों अनंता एसेंसियल हरिद्वार, विनायक उद्योग हरिद्वार, सिल्वर मिस्ट बेवरेज अंबाला कैंट, जया इंटरप्राइजेज सहारनपुर और नगीना बेवरेज नगीना को नोटिस जारी किया। वहीं, बेकरी उत्पाद के लेबल में खामियां मिलने पर यूकेटो बेकर्स हरिद्वार और जीरा मसाला सोडा की बोतल पर एक्सपायरी तिथि अंकित नहीं होने पर एसओ एंड एसओ बेवरेज हरिद्वार को नोटिस दिया गया।अनंता एसेंसियल के पानी की बोतल पर निर्माता कंपनी का नाम और पता अंकित नहीं था। साथ ही टेस्ट ऑफ नेचर जैसे दावे किए गए थे। विनायक उद्योग के उत्पाद पर पहाड़ी झरने के समान शुद्ध पानी, जबकि सिल्वर मिस्ट बेवरेज के उत्पाद पर ट्रीटेड बाई वर्ल्ड क्लास टेक्नोलॉजी का दावा किया गया था। जया इंटरप्राइजेज के उत्पाद पर चैंपियंस ड्रिंक्स और नगीना बेवरेज के उत्पाद पर न्यूट्रीशनल क्लेम पाए गए। इसी तरह यूकेटो बेकर्स के बेकरी उत्पाद के लेबल पर बैच नंबर, निर्माण तिथि और एक्सपायरी तिथि अंकित नहीं थी। एसओ एंड एसओ बेवरेज की जीरा मसाला सोडा की बोतलों पर भी एक्सपायरी तिथि दर्ज नहीं मिली।

शादी के महज 3 महीने में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, ससुराल पक्ष पर लगाया गंभीर आरोप

रुड़की, एजेंसी। हरिद्वार जनपद में भगवानपुर थाना क्षेत्र के सिरचंदी गांव में शादी के महज तीन महीने बाद नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. नवविवाहिता की मौत को लेकर मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर कथित हत्या का आरोप लगाया. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा. पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर कहासुनी हुई.

भगवानपुर थाना क्षेत्र के सिरचंदी गांव निवासी एक व्यक्ति की बेटी की शादी भगवानपुर थाना क्षेत्र के ही सिसौना गांव में करीब तीन महीने पहले एक युवक के साथ हुई थी. दोनों की शादी उनकी पसंद और परिवारों की सहमति से रीति-रिवाज के साथ हुई थी. लेकिन शादी के करीब तीन महीने बाद ही विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक मौत हो गई. विवाहिता की मौत की खबर जैसे ही मायके पक्ष के लोगों को लगी तो वह दंग रह गए. जिसके बाद मायके पक्ष के लोग उसके ससुराल पहुंचे और ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई गई. इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामें की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए रुड़की के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया. वहीं, पोस्टमार्टम होने के बाद जब शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने की बात आई तो मायके पक्ष और ससुराल पक्ष के बीच विवाद खड़ा हो गया. मायके और ससुराल पक्ष दोनों ही शव का अंतिम संस्कार अपने यहां करने की बात पर अड़ गए. देखते ही देखते दोनों पक्षों में मोर्चरी के बाहर ही तीखी नोकझोंक और आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए, जिसके बाद मायके पक्ष के लोग शव लेकर चले गए और अंतिम संस्कार किया गया. हालांकि नवविवाहिता की मौत को लेकर पुलिस सभी पहलुओं पर जांच पड़ताल में जुटी हुई है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही मौत की असली वजह सामने आने की उम्मीद है.

भागवत कथाओं में चेन काटने वाले 4 आरोपी अरेस्ट, पंजाब से जुड़ा कनेक्शन

देहरादून, एजेंसी। भागवत कथा और धार्मिक आयोजनों में महिलाओं को निशाना बनाकर चेन और मंगलसूत्र चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का कोतवाली पटेल नगर पुलिस ने खुलासा किया है. पुलिस ने पंजाब के पटियाला के समाना गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है. इनमें दो महिलाएं शामिल हैं. आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन पीली धातु की चेन,10 हजार रुपये नकद, चेन काटने वाला कटर और वारदात में इस्तेमाल होंडा सिटी कार बरामद हुई है. गिरफ्तार आरोपी भागवत कथाओं में शामिल होकर महिलाओं को निशाना बनाते थे. वे सोशल मीडिया के माध्यम से भागवत कथा स्थलों की जानकारी प्राप्त करते थे. भजन-कीर्तन के बहाने मौका देखकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे. बता दें 10 अगस्त को पटेल नगर क्षेत्र के जीएमएस रोड स्थित एक होटल में भागवत कथा का आयोजन चल रहा था. इसी दौरान चार महिलाओं के गले से चेन और मंगलसूत्र चोरी कर लिए गए. पीड़ित महिलाओं की शिकायत पर पटेल नगर कोतवाली में चोरी के तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए. एक ही आयोजन में चोरी की कई घटनाएं होने के बाद एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई. टीमों ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और पीड़ित महिलाओं समेत वहां मौजूद लोगों से पूछताछ कर संदिग्धों के हुलिए जुटाए.

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि वारदात में पंजाब के पटियाला का चर्चित चेन चोर गिरोह शामिल हो सकता है. इसके बाद पुलिस ने गिरोह के बारे में जानकारी जुटाने के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया. 19 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली कि गिरोह के कुछ सदस्य दोबारा देहरादून पहुंचे हैं. किसी अन्य वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं. सूचना के आधार पर पुलिस ने हरिद्वार बायपास रोड पर घेराबंदी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया वे सोशल मीडिया और यूट्यूब के जरिए अलग-अलग शहरों में होने वाली भागवत कथाओं और धार्मिक आयोजनों की जानकारी जुटाते थे. इसके बाद गैंग के सदस्य, जिनमें ज्यादातर महिलाएं होती थीं. श्रद्धालुओं के रूप में आयोजन स्थल पर पहुंचते थे.झ्र गिरोह की महिलाएं भजन-कीर्तन में शामिल होने के बहाने भीड़ में घुल-मिल जाती थीं. मौका मिलते ही महिलाओं के गले से चेन काटकर चोरी कर लेती थीं. वहीं, गिरोह के अन्य सदस्य आयोजन स्थल के बाहर वाहन में उनका इंतजार करते थे. वारदात के बाद सभी आरोपी कार से मौके से फरार हो जाते थे. कोतवाली पटेल नगर प्रभारी विनोद गुसाई ने बताया है कि पुलिस ने अजय सिंह, गुरुप्रीत सिंह,हरजिन्दर कौर उर्फ रानी और पूजा कौर उर्फ लाडी (48) को गिरफ्तार किया है.चारों आरोपी पंजाब के पटियाला और आसपास के क्षेत्रों के रहने वाले हैं.

देहरादून डोईवाला में भीषण सड़क हादसा, एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत, 6 गंभीर घायल

डोईवाला, एजेंसी। देहरादून के प्रसिद्ध मणिमाई मंदिर के निकट बुधवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है. हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है. वहीं पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं पुलिस घटना की पड़ताल में जुट गई है. आगे जा रही पिकअप वाहन का अचानक पिछला पहिया निकल गया. इससे अनियंत्रित होकर पिकअप वाहन डिवाइडर पर चढ़ गया, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही इको कार सीधे पिकअप में जा घुसी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इको के परखच्चे उड़ गए. हादसे में इको वाहन में आगे बैठे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की पहचान की जा रही है. इको में सवार अन्य 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें पुलिस ने 108 की मदद से अस्पताल भेजा, जहां घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है. हादसे के बाद हरिद्वार-देहरादून हाईवे पर टोल के निकट भीषण जाम लग गया. करीब 1 घंटे तक यातायात बाधित रहा. सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों को हटवाकर जाम खुलवाया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार है. पुलिस ने मामला में मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी है. एसआई कोतवाली नारायण व्यास ने घटना की पुष्टि करते हुए जानकारी दी कि इको वाहन में 7 लोग सवार थे, जिनमें से तीन गंभीर घायलों को सीएससी डोईवाला में भर्ती किया गया, जिनमें से एक की मौत हो गई है. जबकि दो लोगों को हिमालयन हॉस्पिटल किया गया है. वहीं चार लोगों को देहरादून के कैलाश हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है.

सिलिंडरों से गैस निकाल रहे दो लोगों को पकड़ा, हंगामा

देहरादून, एजेंसी। गांव सौड़ा सरौली के लोगों ने जंगल में सिलिंडरों से गैस निकालते हुए ओर्डीनेंस गैस एजेंसी के दो कर्मियों को पकड़ लिया। इस पर लोगों ने जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने मामले में कार्रवाई करते हुए गैस एजेंसी और आरोपित जयप्रकाश निवासी कासगंज और रत्नेश कुमार निवासी अलीगढ़ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। गांव सौड़ा सरौली निवासी पूर्व सूरज राणा के अनुसार गांव के बाहर एक खाली मकान के पीछे यह गाड़ी खड़ी थी और वह री-फिलर के माध्यम से गैस निकाल रहे थे।

इसी दौरान आस-पास के लोगों ने उनको देख लिया और इस पूरे मामले की वीडियो बना ली। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और इसकी सूचना क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एसके भट्ट को दी गई। दोपहर करीब एक बजे के टीम मौके पर पहुंची और गाड़ी सहित सभी 26 गैस सिलिंडर जब्त कर लिए गए। अधिकारियों के अनुसार चार सिलिंडरों में गैस कम पाई गई। बताया जाता है सभी में 6.5 किलो तक गैस कम पाई गई। इस पूरे प्रकरण में पूर्ति विभाग की ओर से रायपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। 26 सिलिंडरों को सहकारी गैस सर्विस एजेंसी की सुपुर्दगी में दिया गया है।

डीएसओ ने कहा कि हर गैस गाड़ी चालक के पास कांटा होता है। उन्होंने कहा कि गैस उपभोक्ता को यदि शक है तो वह तत्काल अपने सिलिंडर का वजन कराने के लिए बोल सकता है। गाड़ी चालक को इसका वजन करना होगा और यदि गैस कम है तो इसकी सूचना तत्काल आपूर्ति विभाग को करनी चाहिए।

चमोली पीपलकोटी टनल हादसा, मजिस्ट्रियल जांच के आदेश, 15 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

देहरादन, एजेंसी। जनपद चमोली के हाट (पीपलकोटी) क्षेत्र में टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में 13 अगस्त 2026 को हुई दुर्घटना के संबंध में जिलाधिकारी चमोली ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी किए हैं. 13 अगस्त की शाम लगभग 7 बजे निर्माणाधीन टनल में कार्य के दौरान अचानक भारी जल प्रवाह एवं मलबा आने से टनल क्षतिग्रस्त हो गई.घटना के समय टनल के अंदर 22 श्रमिक कार्य कर रहे थे. जिलाधिकारी ने परगना मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी चमोली को जांच अधिकारी नामित किया है. जांच अधिकारी को दुर्घटना के कारणों, घटना के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों एवं संभावित लापरवाही आदि की

विस्तृत जांच करते हुए अपनी रिपोर्ट 15 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं. जांच के दौरान दुर्घटना से संबंधित सभी पहलुओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं, टनल में कार्य के दौरान अपनाए जा रहे सुरक्षा मानकों तथा दुर्घटना के कारणों का परीक्षण किया जाएगा. साथ ही भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के संबंध में आवश्यक सुझाव भी जांच रिपोर्ट में शामिल किए जाएंगे. जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जांच में आवश्यक सहयोग एवं अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं. तमक नाले में अतिवृष्टि से हुए हादसे की भी मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिये गये हैं. तहसीलदार ज्योतिर्मठ की रिपोर्ट के अनुसार, अतिवृष्टि के कारण तमक नाले में अत्यधिक पानी एवं मलबा आने से नाले पर स्थित पुल/मार्ग प्रभावित हुआ तथा आवागमन बाधित हुआ. मौके के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि तमक नाले में आए मलबे एवं पानी के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-107 पर नाले के बहाव में तीन वाहन प्रभावित हुए. इनमें सीमा सड़क संगठन की 123 इकाई के दो वाहन शामिल हैं, जबकि एक पिकअप/लोडर वाहन नाले के तेज बहाव में बह गया. जिलाधिकारी ने परगना मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी ज्योतिर्मठ को जांच अधिकारी नियुक्त किया है.

दिल्ली मास्टर प्लान 2047 सिर्फ एक डॉक्यूमेंट नहीं, बल्कि विकसित भारत की राजधानी बनाने का रोडमैप : आशीष सूद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली मास्टर प्लान 2047, यमुना की सफाई और राजधानी में प्रदूषण की समस्या पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि यह मास्टर प्लान दिल्ली के भविष्य की तस्वीर बदल देगा। मंत्री आशीष सूद ने कहा, दिल्ली मास्टर प्लान 2047 से यह साफ हो गया है कि भले ही दिल्ली में जमीन सीमित है, लेकिन शहर का विजन सीमित नहीं रहेगा। दिल्ली अब ऊपर की ओर (वर्टिकली) बढ़ेगी। इसमें रिवर कनेक्टर्स, अरावली में ग्रीन स्पेस, पार्क कनेक्टर्स और साइकिलिंग ट्रैक होंगे। अगर इसकी मुख्य विशेषताओं को देखें, तो मास्टर प्लान ने दिल्ली को एक विकसित राज्य बनाने का रास्ता खोल दिया है। उन्होंने कहा कि प्लान्ड इलाकों में मास्टर प्लान ने 3,000 वर्ग मीटर के इलाकों के रीडेवलपमेंट का रास्ता साफ किया है। इसमें 1.5 के फ्लोर एरिया रेश्यो (एफएआर) के साथ 3,000 वर्ग मीटर में बने डीडीए फ्लैट्स का रीडेवलपमेंट शामिल है, जिससे ज्यादा और बड़े घर मिल सकेंगे। जिन लोगों ने पुराने फ्लैट खरीदे थे, उन्हें अब वे छोटे लगने लगे हैं क्योंकि उनके परिवार बड़े हो गए हैं। चूंकि दिल्ली में नई जमीन नहीं बनाई जा सकती, इसलिए यह प्लान इन प्रॉपर्टीज के रीडेवलपमेंट का मौका देता है। इसी तरह, अनधिकृत कॉलोनियों में 2,000 वर्ग मीटर के इलाकों को सामूहिक रूप से विकसित किया जाएगा। ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि इसके जरिए प्रदूषण और ट्रांसपोर्ट से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। मेट्रो लाइनों के 500 मीटर के दायरे में किफायती घर बनाए जाएंगे, ताकि लोग आसानी से घर से निकलकर मेट्रो से काम पर जा सकें और वापस सीधे मेट्रो से घर पहुंच सकें। इस दूरदर्शी सोच के साथ, दिल्ली को एक विकसित भारत की राजधानी बनाने का संकल्प लिया गया है। मंत्री आशीष सूद ने बताया कि इस बार मास्टर प्लान की सबसे अहम बात इसमें कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान को शामिल किया जाना है, जो जमीन के इस्तेमाल को ट्रांसपोर्ट सिस्टम से जोड़ता है। इसका मकसद मेट्रो, सड़कों और ट्रांसपोर्ट सिस्टम को एक साथ लाना और एक इंटीग्रेटेड अप्रोच के जरिए नई पेरिफेरल सड़कों के निर्माण और जमीन के इस्तेमाल पर लगी पाबंदियों से जुड़े मुद्दों को हल करना है। यमुना को दिल्ली से जोड़ने की योजना पर उन्होंने कहा, इस बार, मास्टर प्लान में शहर को यमुना के किनारे वाले इलाकों से जोड़ने के लिए नदी को जोड़ने वाले रास्तों का प्रावधान है। इसमें अरावली में खुली और हरी-भरी जगहें बनाने के साथ-साथ 50 किलोमीटर के साइकिल ट्रैक और 200 किलोमीटर से ज्यादा पार्क कनेक्टर्स बनाने का प्रस्ताव भी है। उन्होंने कहा कि साहिबी नदी के आस-पास के इलाके आम तौर पर खाली छोड़ दिए जाते हैं और अक्सर कचरा फेंकने की जगह बन जाते हैं। अब इन इलाकों को पार्क के तौर पर विकसित किया जा रहा है और आस-पास की हरी-भरी जगहों से जोड़ा जा रहा है। यह दिल्ली को एक बहुत दूर की सोच के साथ विकसित करने की कोशिश है। यमुना की सफाई पर बोलते हुए मंत्री ने कहा, सालों तक यमुना में गिरने वाले नालों पर कोई काम नहीं हुआ। अब, रिवर कनेक्टर्स के डेवलपमेंट से, यमुना इन कॉरिडोर के जरिए बाकी दिल्ली से जुड़ जाएगी।

भाजपा के गुजरात में शराबबंदी है और यहीं पर नकली शराब लोगों की जान ले रही : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली/गुजरात। भाजपा शासित गुजरात में जहरीली शराब के सेवन से कई लोगों की जान जाने पर आम आदमी पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, प्रदेश प्रभारी गोपाल राय समेत पार्टी की गुजरात इकाई ने इस घटना को बेहद शर्मनाक बताया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में शराबबंदी है और यहीं पर नकली शराब लोगों की जान ले रही है। पिछले 30 साल में भाजपा ने पूरे गुजरात को अवैध शराब के धंधे का केंद्र बना दिया है। अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के भावनगर में नकली शराब पीने से कई लोगों की मौत होने और कई लोगों की हालत गंभीर होने की घटना पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने गुजरात ‖आप‖ इकाई की तरफ से सोशल मीडिया एक्स पर साझा कुछ तस्वीरों को टैग करते हुए कहा कि पूरे गुजरात में शराबबंदी है और यहीं पर नकली शराब से लोगों की जान जा रही है। सोचिए, पिछले 30 साल से भारतीय जनता पार्टी यहां सरकार चला रही है। इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। इन्होंने गुजरात को अवैध शराब के धंधे का केंद्र बना दिया है। उधर, आप गुजरात के प्रभारी गोपाल राय ने नकली शराब के सेवन से हुई कई लोगों की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि भाजपा शासित गुजरात में शराबबंदी केवल एक छलावा है। भावनगर में नकली शराब कांड में 5 मासूमों की जान चली गई और 20 लोग जिंदगी-मौत से जूझ रहे हैं। गोपाल राय ने कहा कि गुजरात में अवैध शराब का सिंडिकेट किसकी शह पर चल रहा है? हर बार जांच और बैठकों का नाटक होता है, लेकिन जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार का खेल जारी रहता है। गुजरात की जनता अब इस भ्रष्ट और नकारा व्यवस्था को सहन नहीं करेगी।

संक्षिप्त खबरें

सलमान खान ब्रांड के फ्रेंचाइजी जिम में लगी आग, सभी सुरक्षित

नई दिल्ली। ग्रेटर कैलाश-1 के एम ब्लॉक मार्केट स्थित अभिनेता सलमान खान ब्रांड के फ्रेंचाइजी जिम में गुरुवार देर रात आग लग गई। वहां मौजूद लोगों ने तुरंत आग की सूचना स्थानीय पुलिस और दमकल को दी। इससे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि, रात 12 बजे तक दमकल की टीम ने मौके पर कूलिंग का काम किया। हादसे में किसी के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं है। जीके पार्ट-1 थाना पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि रात 10:15 बजे जिम की पहली मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली थी।

खान मार्केट एसोसिएशन की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने कहा कि क्षेत्राधिकार का इस्तेमाल कर अदालत किसी वैधानिक प्राधिकरण को संपत्तियों का मूल्यांकन करने या संपत्ति कर निर्धारित करने के लिए कोई खास पद्धति अपनाने का निर्देश नहीं दे सकती। ऐसी पद्धति तय करना संबंधित वैधानिक और प्रशासनिक प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आता है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति शैल जैन की खंडपीठ ने खान मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। एसोसिएशन ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को संपत्तियों के मूल्यांकन योग्य मूल्य तय करने के लिए एक समान पद्धति तैयार करने व उसे लागू करने का निर्देश देने की मांग की थी।

568 चोरी और गुमशुदा मोबाइल मालिकों को सौंपे

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के तहत 568 चोरी और गुमशुदा मोबाइल फोन ट्रैक कर बरामद किए हैं। इन्हें औपचारिक रूप से उनके मूल मालिकों को सौंप दिया गया। डीसीपी राहुल अलवाल के मुताबिक, यह अभियान एक जुलाई से 15 अगस्त के बीच जिले की दक्ष टीम द्वारा चलाया गया। टीम ने स्थानीय थानों के साथ मिलकर इन मोबाइल फोन को बरामद किया। बरामद फोनों में सबसे पुराना मोबाइल फोन दिसंबर 2021 में चोरी हुआ था, जबकि सबसे नया मामला मई 2026 का था। डीसीपी ने कहा कि सीईआईआर तकनीक से आईएमईआई नंबर ब्लॉक होने के कारण फोन का दुरुपयोग रुकता है और उसे ट्रेस करना आसान हो जाता है।

बहन का शव छिपाने में दोस्तों की ली थी मदद

नई दिल्ली। प्रेम संबंध से नाराज होकर बहन की हत्या करने वाले युवक ने शव को छिपाने के लिए दोस्तों की भी मदद ली थी। बुराड़ी पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ है। फिलहाल आरोपी अविनाश न्यायिक हिरासत में है। पुलिस इस मामले में जल्द ही साक्ष्य छिपाने की धारा में और गिरफ्तारी कर सकती है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को बुराड़ी के अजित विहार इलाके में रात को ब्रीफकेस में किशोरी का शव मिला था। पुलिस ने जांच के आधार पर मृतका की पहचान कर आरोपी चचेरे भाई अविनाश को गिरफ्तार कर लिया। पहले पुलिस को जांच में लग रहा था कि अविनाश ने अकेले ही हत्या के बाद लाश छिपाने का काम किया था, लेकिन फुटेज और सीडीआर से अन्य लोगों के शामिल होने के सुबूत मिले हैं। पुलिस को मिले फुटेज में आरोपी दोस्त के साथ ब्रीफकेस खरीदने जा रहा था। इसके अलावा उसने बचपन के दोस्त के दुकान पर बहन की हत्या की थी।

आप विधायक संजीव झा ने भाजपा सरकार के साइकिल घोटाले की एसीबी में की शिकायत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक दल के चीफ व्हिप संजीव झा ने शुक्रवार को एंटी करप्शन ब्यूरो में भाजपा की दिल्ली सरकार में हुए साइकिल घोटाले के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि यह मामला सीधे दिल्ली की जनता के पैसे से जुड़ा है। इसलिए हमारी मांग है कि एसीबी इस पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच करे तथा जो भी दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। भाजपा की दिल्ली सरकार को याद रखना चाहिए कि जनता के पैसे का एक-एक रुपए का हिसाब देना होगा। बुराड़ी विधायक संजीव झा ने बताया कि आज हमने एंटी करप्शन ब्यूरो में साइकिल घोटाले को लेकर कंप्लेंट की है। 90 करोड़ रुपए की साइकिल खरीद में लगभग 37 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। हमने इस घोटाले के सारे तथ्य और जानकारी एसीबी को सौंप दी है। हमें उम्मीद है कि एसीबी ईमानदारी से इसकी जांच करेगी, मामले की तह तक जाएगी और जो भी दोषी है, उसे बख्शा नहीं जाएगा। संजीव झा ने कहा कि एक तरफ सत्येंद्र जैन को अरेस्ट कर लिया जाता है, जिनका केस से कोई लेना-देना नहीं है। वहीं दूसरी तरफ, इतने सारे घोटाले और कंप्लेंट होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। हमने सारे तथ्य एसीबी को दे दिए हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि एसीबी इस मामले में कार्रवाई करने में अब कोई देरी नहीं करेगी।

दिल्ली में नौवीं की परीक्षा-पदोन्नति व्यवस्था बदली

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 की परीक्षा और पदोन्नति व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। शिक्षा निदेशालय की संशोधित व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा और व्यावसायिक शिक्षा अनिवार्य होगी। इसके साथ ही गणित और विज्ञान में उन्नत स्तर की परीक्षा देने का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाएगा। नई व्यवस्था में कक्षा 9 के 6 मुख्य विषयों के आधार पर विद्यार्थियों की पदोन्नति तय होगी। इनमें भाषा-1, भाषा-2, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और व्यावसायिक शिक्षा शामिल हैं। विद्यार्थियों को कुल 3 भाषाएं पढ़नी होंगी। हालांकि, तीसरी भाषा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जाएगा और उसका परिणाम अंकतालिका में उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण के रूप में दर्ज होगा। तीसरी भाषा में असफल होने पर भी दसवीं में प्रवेश नई व्यवस्था में तीसरी भाषा में असफल होने पर विद्यार्थी को केवल इसी आधार पर कक्षा 9 में रोकने का प्रावधान नहीं है। यदि विद्यार्थी 6 मुख्य विषयों में पदोन्नति के लिए निर्धारित शर्तें पूरी करता है तो उसे कक्षा 10 में प्रवेश दिया जाएगा। हालांकि, ऐसे विद्यार्थी को कक्षा 10 में रहते हुए तीसरी भाषा की कक्षा 9 की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में शामिल होने से पहले तीसरी भाषा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा। गणित और विज्ञान में उन्नत परीक्षा का विकल्प कक्षा 9 में गणित और विज्ञान की सामान्य परीक्षा 80 अंकों की होगी और इसके लिए 3 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इच्छुक विद्यार्थियों को गणित उन्नत और विज्ञान उन्नत स्तर की अतिरिक्त परीक्षा देने का विकल्प मिलेगा। उन्नत स्तर की प्रत्येक परीक्षा 25 अंकों की होगी और इसके लिए 1 घंटे का समय मिलेगा। विद्यार्थी इनमें से किसी एक विषय या दोनों विषयों में उन्नत स्तर की परीक्षा का विकल्प चुन सकेंगे। इन अतिरिक्त परीक्षाओं के अंक पदोन्नति या कुल परीक्षा परिणाम में शामिल नहीं किए जाएंगे।

सॉफ्टवेयर से चल रहा था सट्टा नेटवर्क, 31 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बाहरी उत्तर जिला पुलिस ने संगठित और तकनीक आधारित सट्टा-जुआ नेटवर्क का खुलासा करते हुए 31 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में मास्टरमाइंड, जुआ अड्डे का संचालक व मकान मालिक, जंत्री सट्टा सॉफ्टवेयर डेवलपर, डेटा ऑपरेटर, फंड हैंडलर, सॉफ्टवेयर बनाने वाला और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोग शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 8.92 लाख रुपये नकद, सात लैपटॉप, 38 मोबाइल फोन और जंत्री सट्टा सॉफ्टवेयर समेत कई सामान बरामद किए हैं। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि 9 अगस्त को एंटी-नारकोटिक्स सेल को मुकुंदपुर इलाके में एक मकान से संगठित तरीके से सट्टा-जुआ अड्डा चलाए जाने की जानकारी मिली। सूचना पर निरीक्षक गौरव चौधरी के नेतृत्व में टीम ने छापा मारकर मौके से 22 जुआरियों को पकड़ा। उनके पास से 6.29 लाख रुपये बरामद हुए और गिरोह के बारे में पता चला। नेटवर्क में अलग-अलग लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई थी। कोई डेटा एंट्री करता था तो कोई पैसों का हिसाब और लेन-देन संभालता था। कुछ आरोपी सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराने, कलेक्शन और व्हाट्सएप के जरिए सट्टे की जानकारी आगे पहुंचाने का काम करते थे। पुलिस ने 12 अगस्त को मुख्य संचालक रंजीत और परिसर मुहैया कराने वाले रमेश कुमार को गिरफ्तार किया। इसके बाद 18 अगस्त को चार अन्य आरोपियों डेटा एंट्री ऑपरेटर प्रमोद कुमार, फंड हैंडलर विपिन कुमार जैन, सॉफ्टवेयर डिप्लॉयर खेमचंद उर्फ मोनू और जंत्री सट्टा सॉफ्टवेयर बनाने वाला राहुल दिलवालिया को गिरफ्तार किया।

हाइटेक सट्टा नेटवर्क का भंडाफोड़, 31 गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने मुकुंदपुर में चल रहे बड़े हाइटेक सट्टा एवं जुआ नेटवर्क का भंडाफोड़ कर 31 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें कथित सरगना, जुआ अड्डे का मालिक, जन्तरी सट्टा सॉफ्टवेयर डेवलपर, डाटा ऑपरेटर, फंड हैंडलर और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोग शामिल हैं। पुलिस ने 8.92 लाख रुपये नकद, सात लैपटॉप, 38 स्मार्टफोन, कस्टमाइज्ड जन्तरी सॉफ्टवेयर, एक स्कूटी, 41 ताश की गड्डियां, जन्तरी किताबें, डायरियां और रजिस्टर बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 9 अगस्त को छापेमारी में मौके से 22 जुआरी पकड़े गए थे और 6.29 लाख रुपये की दांव की रकम बरामद हुई थी जांच में सामने आया कि यह कोई सामान्य जुआ अड्डा नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर के जरिये संचालित संगठित सट्टा नेटवर्क था। पुलिस ने 12 अगस्त को रंजीत को कथित मुख्य संचालक और रमेश कुमार को परिसर मालिक के रूप में गिरफ्तार किया। इसके बाद राहुल दिलवालिया समेत चार लोगों को पकड़ा गया, जिनमें सट्टे के लिए विशेष जन्तरी सॉफ्टवेयर तैयार करने वाला डेवलपर, डाटा ऑपरेटर, फंड हैंडलर और सॉफ्टवेयर तैनात करने वाला व्यक्ति शामिल था। 20 अगस्त को तीन और आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। इनके माध्यम से पुलिस को गली-दिसावर, फरीदाबाद, गाजियाबाद और दिल्ली बाजार से जुड़े सट्टा नेटवर्क की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक गिरोह में डाटा एंट्री, रकम संग्रह, व्हाट्सऐप के जरिये सट्टा जानकारी भेजने और ऊपरी स्तर पर नेटवर्क संचालित करने के लिए अलग-अलग लोग तैनात थे। नानक साहू के ठिकाने से 2.62 लाख रुपये, लैपटॉप और तीन स्मार्टफोन बरामद हुए हैं। पुलिस अब जब्त मोबाइल फोन, लैपटॉप और सॉफ्टवेयर की जांच कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों, बैंकिंग लेन-देन और रकम के लाभार्थियों का पता लगाने में जुटी है। कार्रवाई डीसीपी बाहरी उत्तर शोहित डी. सक्सेना के निर्देशन में की गई।

परवेश वर्मा की कथित टिप्पणी के विरोध में वाल्मीकि समाज का प्रदर्शन, पुतला फूंका

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। कुलदीप कुमार को लेकर परवेश वर्मा की कथित टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को शाहदरा नॉर्थ-ईस्ट जोन एमसीडी कार्यालय के बाहर वाल्मीकि समाज के लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने परवेश वर्मा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनका पुतला फूंककर कथित टिप्पणी पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि समाज के सम्मान और स्वाभिमान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली सरकार के पूर्व सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन संजय गहलोत ने किया। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन कांग्रेस की ओर से नहीं, बल्कि वाल्मीकि समाज की ओर से किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वाल्मीकि समाज भारतीय जनता पार्टी या दिल्ली सरकार का विरोध नहीं करता है, लेकिन समाज के किसी भी नेता के अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के साथ समाज के लोगों के अपने विचार और मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब बात समाज के सम्मान की आती है तो पूरा समाज एकजुट होकर अपनी आवाज उठाएगा। संजय गहलोत ने कहा कि वाल्मीकि समाज की एकता, सम्मान और स्वाभिमान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि समाज ने हमेशा लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखी है और आगे भी समाज के सम्मान से जुड़े मुद्दों पर मजबूती के साथ आवाज उठाता रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी भी नेता या व्यक्ति की कथित टिप्पणी से यदि समाज की भावनाएं आहत होती हैं तो उसका विरोध करना समाज का अधिकार है। प्रदर्शन के दौरान मौजूद वाल्मीकि समाज के लोगों ने कहा कि समाज किसी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं है। उनका विरोध केवल कथित टिप्पणी को लेकर है। उन्होंने कहा कि समाज के सम्मान और स्वाभिमान के मुद्दे पर सभी लोग एकजुट हैं और किसी भी प्रकार की अपमानजनक टिप्पणी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान काफी देर तक नारेबाजी होती रही और बाद में प्रदर्शनकारियों ने पुतला फूंककर अपना विरोध दर्ज कराया।

सीडीआर चौक और मंदिर वाली रोड पर जाम से निपटने की कवायद
ऑटो-ई-रिक्शा चालकों को एक कतार में खड़े होने के निर्देश

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। महरौली ट्रैफिक सर्किल के सीडीआर चौक (एमजी रोड) और मंदिर वाली रोड पर लगातार बढ़ रहे यातायात दबाव और पैदल यात्रियों की परेशानी को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने व्यवस्था सुधारने की कवायद शुरू की है। दक्षिणी रेंज के पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) ने शुक्रवार को दोनों स्थानों का निरीक्षण कर ऑटो, ई-रिक्शा और ग्रामीण सेवा वाहनों के चालकों से बातचीत की तथा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने में सहयोग की अपील की। सीडीआर चौक के आसपास बड़ी संख्या में लोग छतरपुर मेट्रो स्टेशन आने-जाने के लिए बस, ऑटो, ई-रिक्शा और ग्रामीण सेवा वाहनों पर निर्भर हैं। घनी आबादी और दिनभर भारी पैदल आवाजाही के कारण खासकर व्यस्त समय में यहां यातायात का दबाव काफी बढ़ जाता है। पुलिस के निरीक्षण में अनियमित पार्किंग और सड़क पर बेतरतीब ढंग से वाहनों के रुकने को जाम का प्रमुख कारण पाया गया। यातायात पुलिस के अनुसार, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाई गई है, जो चालकों के बीच बेहतर समन्वय बनाएगी। समिति को निर्देश दिया गया है कि सभी ऑटो और ई-रिक्शा सड़क किनारे एक ही कतार में खड़े किए जाएं, ताकि सड़क का रास्ता और पैदल यात्रियों की आवाजाही बाधित न हो। महरौली के ट्रैफिक निरीक्षक और मौके पर तैनात कर्मचारियों को व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों और यात्रियों से निर्धारित स्थानों पर ही वाहन रोकने और पार्क करने की अपील की है, ताकि उपलब्ध सड़क स्थान का बेहतर इस्तेमाल हो सके और लोगों को जाम से राहत मिल सके।

निजता के उल्लंघन का आरोप, 2.01 लाख रुपये हजार्ने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचे सौरभ दास

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरभ दास ने अपने किराये के आवास का पता और व्यक्तिगत जानकारियां सार्वजनिक किए जाने का आरोप लगाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दास ने सोशल मीडिया टिप्पणीकार अभिजीत अय्यर मित्रा, पैम्फलेट, लॉ बीट सहित कुछ समाचार मंचों और सामाजिक माध्यम खातों के खिलाफ याचिका दायर की है। उन्होंने निजता के कथित उल्लंघन के लिए 2.01 लाख रुपये के हजार्ने की मांग की है। याचिका में सौरभ दास ने अदालत से मांग की है कि संबंधित पक्षों को उनके आवासीय पते और निजी जानकारियां आगे सार्वजनिक करने से रोका जाए। इसके साथ ही पहले प्रकाशित या प्रसारित किए जा चुके ऐसे वीडियो और अन्य सामग्री को हटाने का निर्देश देने की मांग भी की गई है। उन्होंने गूगल और एक्स को भी ऐसी सामग्री हटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया है, जिसमें उनका पता या निजी जानकारी सार्वजनिक की गई है। किराये के घर का वीडियो सार्वजनिक करने का आरोप सौरभ दास के अनुसार, वह 2025 की शुरूआत से ग्रेटर कैलाश-कमें एक मकान के भूतल पर किराये का कमरा लेकर रह रहे हैं। उनका आरोप है कि पैम्फलेट से जुड़े लोग उस परिसर में दाखिल हुए, जहां अन्य लोग भी किराये पर रहते हैं। याचिका के मुताबिक, परिसर के भीतर तक की तस्वीरें और वीडियो बनाए गए तथा 5 अगस्त को इनमें से एक वीडियो सामाजिक माध्यम पर प्रसारित किया गया। दास का दावा है कि जिस वीडियो में उनके आवासीय पते से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक हुई, उसे बड़ी संख्या में लोगों ने देखा। उनके अनुसार, वीडियो को करीब 2.1 मिलियन यानी 21 लाख बार देखा गया। उन्होंने अदालत में कहा है कि निजी आवासीय जानकारी सार्वजनिक होने से उनकी निजता और सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न हुई है। किराये को लेकर भी सवाल उठाने का दावा मामले की पृष्ठभूमि में सामने आए कुछ वीडियो में यह सवाल उठाया गया था कि सौरभ दास लाखों रुपये का मासिक किराया कैसे वहन करते हैं। दास ने याचिका में आरोप लगाया है कि अभिजीत अय्यर मित्रा ने लॉ बीट के एक कार्यक्रम के दौरान भी उनके आवासीय पते का उल्लेख किया और उनके मकान के किराये को 7 लाख रुपये प्रतिमाह बताया। दास का कहना है कि यह दावा गलत है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि अभिजीत अय्यर मित्रा ने अलग-अलग अवसरों पर सौरभ दास से संबंधित निजी जानकारियां सार्वजनिक की हैं।

शाहदरा में छह बदमाश गिरफ्तार, चोरी और झपटमारी की कई वारदातें सुलझीं

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस ने वाहन चोरी, सेंधमारी और झपटमारी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तीन अलग-अलग कार्रवाइयों में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पांच चोरी के दोपहिया वाहन, चार झपटे गए मोबाइल फोन, 11,050 रुपये नकद तथा चोरी का अन्य सामान बरामद किया है। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा, आईपीएस ने शुक्रवार को इन कार्रवाइयों की जानकारी दी। विशेष स्टाफ की टीम ने 23 वर्षीय अमान उर्फ लंबू को गिरफ्तार कर पांच चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए। आरोपी के खिलाफ पहले से चोरी और शस्त्र अधिनियम समेत आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में उसने चोरी के वाहन खरीदकर मुनाफे में बेचने की बात कबूल की है। वहीं एएटीएस शाहदरा की टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर दो सेंधमारों आस मोहम्मद उर्फ आशु और नूर अहमद उर्फ अहमद उर्फ नूरी को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 11,050 रुपये नकद, वनप्लस मोबाइल, इंडक्शन कुकटॉप, हेयर रोलर-ब्रश, हेयर ड्रायर, चार ट्रिमर और दो जोड़ी कैंची बरामद हुई हैं। पुलिस के अनुसार कार्रवाई से आनंद विहार थाने के दो तथा साउथ कैंपस थाने का एक मामला सुलझा है। आस मोहम्मद के खिलाफ पहले से चोरी, सेंधमारी और झपटमारी के 34 मामले दर्ज हैं। इसी क्रम में एमएस पार्क थाना पुलिस की क्रैक टीम ने मोबाइल झपटमारी की वारदात के महज 15 घंटे के भीतर साहिल उर्फ सोनू और मोहम्मद अब्बास उर्फ शोएब को गिरफ्तार कर चार झपटे गए मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस ने 80 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपियों तक पहुंच बनाई। पूछताछ में आरोपियों ने नशे की जरूरत पूरी करने के लिए मोबाइल झपटमारी करने की बात बताई। इस कार्रवाई से चार झपटमारी और दो चोरी के मामले सुलझाए गए हैं। शाहदरा पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर उनके अन्य आपराधिक मामलों और साथियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस फरार आरोपियों और चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त से जुड़े लोगों की तलाश में भी दबिश दे रही है। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कहा कि जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार गश्त, सीसीटीवी निगरानी, सूचना तंत्र को मजबूत करने और सक्रिय अपराधियों के खिलाफ लक्षित कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध बोरवेल पर कार्रवाई की जिम्मेदारी डीजेबी और राजस्व विभाग की : सीजीडब्ल्यूए

नई दिल्ली। दिल्ली में अवैध बोरवेल और भूजल के गलत इस्तेमाल पर कार्रवाई को लेकर केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) ने स्थिति साफ की है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में दाखिल जवाब में सीजीडब्ल्यूए ने बताया कि दिल्ली में अवैध बोरवेल पर कार्रवाई की जिम्मेदारी दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) और राजस्व विभाग की है। सीजीडब्ल्यूए ने अपने जवाब में बताया कि 12 जुलाई 2010 को दिल्ली के उपराज्यपाल की ओर से जारी अधिसूचना के बाद राजधानी में भूजल के इस्तेमाल और उसके नियमन की जिम्मेदारी सीजीडब्ल्यूए से हटाकर स्थानीय विभागों को दे दी गई थी। यह मामला अनिल कुमार की ओर से एनजीटी में दायर याचिका से जुड़ा है। याचिका में दिल्ली में अवैध तरीके से भूजल निकालने की शिकायत की गई थी। इस पर अधिकरण ने सीजीडब्ल्यूए से जवाब मांगा था। नियमों के अनुसार, दिल्ली में घरेलू, व्यावसायिक या औद्योगिक काम के लिए बोरवेल या ट्यूबवेल लगाने और भूजल निकालने से पहले डीजेबी या एनडीएमसी से अनुमति लेना जरूरी है। सीजीडब्ल्यूए के अनुसार, संबंधित जिले के राजस्व उपायुक्त को अधिकृत अधिकारी बनाया है। उनके पास अवैध बोरवेल के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है। वे अवैध बोरवेल सील करने, बिजली कनेक्शन कटवाने, ड्रिलिंग मशीन जब्त करने और जरूरत पड़ने पर मामला दर्ज कराने की कार्रवाई कर सकते हैं। अवैध तरीके से भूजल निकालने वालों पर पर्यावरण मुआवजा लगाने और उसकी वसूली की जिम्मेदारी दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की है। सीजीडब्ल्यूए ने एनजीटी को बताया कि याचिकाकर्ता की शिकायत सीधे दिल्ली के स्थानीय विभागों से जुड़ी है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 22 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

हत्या के दोषी 105 साल के बुजुर्ग को सुप्रीम कोर्ट ने किया आजाद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने भाई की हत्या के जुर्म में दोषी 105 साल के बुजुर्ग रसिक चंद्र मंडल को बाकी बची जिंदगी आजादी से जीने की अनुमति दे दी। शीर्ष अदालत ने महत्वपूर्ण फैसले में मंडल के खिलाफ केस बंद करने के साथ ही उनकी उम्र को ध्यान में रखते हुए उम्रकैद की बची हुई सजा को भी माफ कर दिया। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में 1920 में जन्मे रसिक चंद्र मंडल पर 1988 में संपत्ति को लेकर हुए विवाद में अपने ही भाई सुरेश मंडल की हत्या करने के जुर्म में 1994 में दोषी ठहराया गया था। अदालत ने दोषी ठहराकर जब मंडल को उम्रकैद की सजा सुनाई थी, तब उनकी उम्र 68 साल की थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ह्यअपीलकर्ता दोषी की उम्र को ध्यान में रखते हुए वह केस बंद कर रहे हैं और इस मामले में बची हुई सजा, अगर कोई हो, माफ कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने 2024 में मंडल को अंतरिम जमानत देने के अपने आदेश को पूरी तरह से लागू और आखिरी घोषित करते हुए कहा कि ह्यदि दोषी की उम्रकैद की सजा खत्म नहीं भी हुई है, तो भी उन्हें वापस जेल में नहीं भेजा जाएगा।

तीन फुटओवर ब्रिज से मिलेगी सुरक्षित सड़क पार करने की सुविधा

नईदिल्ली। राजधानी में बादली-बवाना रोड और पंखा रोड पर तीन नए फुटओवर ब्रिज का निर्माण होगा। पैदल यात्रियों की सहूलियत के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इनको मंजूरी प्रदान की है। साथ ही इनके निर्माण के लिए 11.56 करोड़ रुपये राशि का प्रावधान किया है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के मुताबिक, अगले वर्ष फरवरी तक इनके निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इनके बनने से हजारों लोगों को फायदा होगा। वे सुरक्षित सड़क पार कर सकेंगे। पीडब्ल्यूडी के मुताबिक, बादली-बवाना रोड पर शाहबाद डेयरी, पंखा रोड पर ए-2 ब्लॉक जीवन पार्क बस स्टैंड के पास मेजर दीपक त्यागी रेड लाइट और इसी रोड पर माता चानन देवी अस्पताल के निकट सी-1 रेड लाइट पर फुटओवर ब्रिज बनाना प्रस्तावित किया गया है। इन फुटओवर ब्रिजों पर सीढ़ियां और रैंप बनाने के साथ लिफ्ट भी लगाई जाएगी। जिससे बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के साथ बाकी लोगों को चढ़ने व उतरने में सहूलियत रही। इसके अलावा पुल पर एलईडी लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे रात में भी लोग सुरक्षित तरीके से आवाजाही कर सकें।

जीटी रोड पर अप्सरा बॉर्डर मार्ग पर यातायात रहेगा धीमा

नई दिल्ली। जीटी रोड पर शाहदरा फ्लाईओवर पर अप्सरा बॉर्डर की ओर जाने वाले मार्ग पर चल रहे नवीनीकरण एवं मरम्मत कार्य के कारण यातायात की रफ्तार धीमी रह सकती है। दिल्ली यातायात पुलिस के अनुसार यह मरम्मत कार्य 31 अगस्त तक जारी रहेगा, जिसके चलते इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने इस रास्ते से जाने वालों को अपील की है कि वे कहीं जाते के लिए अतिरिक्त समय लेकर घर से निकले। क्योंकि सामान्य दिनों की तुलना में यात्रा में अधिक समय लग सकता है। संभव हो तो मेट्रो ट्रेन सेवा का उपयोग करें।

विदेश में बैठे साइबर ठगों को बैंक अकाउंट देने में चार गिरफ्तार

नईदिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला साइबर थाना पुलिस ने सेवानिवृत कर्नल और उनकी पत्नी को डिजिटल अरेस्ट कर 15.50 लाख रुपये की ठगी करने वाले साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध करवाने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पंजाब और राजस्थान से गिरफ्तार आरोपियों में सरबजीत, सूरज, संदीप और नरेश उर्फ लकी के कब्जे से चार मोबाइल फोन और छह सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। आरोपियों के गिरोह के सरगना कंबोडिया और दुबई में बैठकर भारत में ठगी की वारदातों को अंजाम देते हैं। आरोपियों के पास मिले एक खाता एनसीआरपी पर दर्ज 17 शिकायतों से जुड़ा मिला। इन शिकायतों में 9 करोड़ रुपये के फर्जी लेनदेन सामने आए हैं। मुनिरका एन्क्लेव में रहने वाले सेवानिवृत्त कर्नल और उनकी पत्नी को डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर साइबर ठगों ने 15.50 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार, 15 अप्रैल को कर्नल को फोन कर दावा किया गया कि महाराष्ट्र पुलिस के आदेश पर उनका नंबर बंद किया जा रहा है। बाद में ठगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उनके नाम पर मुंबई में मनी लॉन्ड्रिंग, निवेश धोखाधड़ी और आतंकी फंडिंग में इस्तेमाल बैंक खाता होने की बात कही।

पैलेट गन मामले में दिल्ली पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी राहुल गांधी के धरने के बाद अज्ञात के खिलाफ कार्रवाई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के कथित इस्तेमाल के मामले में दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई साहिल लोचब की शिकायत के आधार पर की गई। मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को संसद मार्ग थाने पहुंचे थे और पुलिस पर कार्रवाई में देरी का आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ गए थे। राहुल गांधी का आरोप था कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान कुछ पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया, जिसमें कई युवक घायल हुए। उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने तत्काल किसी पुलिसकर्मी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बजाय मामले की जांच किए जाने की बात कही थी। डीसीपी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे राहुल गांधी राहुल गांधी शुक्रवार को साहिल लोचब के साथ संसद मार्ग थाने के पुलिस उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और पैलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधिकारियों से बातचीत के दौरान उन्हें बताया गया कि दिल्ली पुलिस और अपराध शाखा की टीमें मामले की जांच कर रही हैं और जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। राहुल गांधी ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। जब उनकी मांग पर तत्काल मामला दर्ज नहीं किया गया तो वह पुलिस उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि जब तक पैलेट गन मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं होगी, तब तक वह वहीं बैठे रहेंगे। धरने में कांग्रेस के कई कार्यकर्ता और नेता भी शामिल हुए। बाद में प्रियंका गांधी भी मौके पर पहुंचीं। प्रदर्शनकारियों की संख्या बढ़ने पर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी और बैरिकेडिंग कर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की। साहिल लोचब की शिकायत पर दर्ज हुई प्राथमिकी राहुल गांधी के धरने और कार्रवाई की मांग के बीच दिल्ली पुलिस ने साहिल लोचब की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। अब पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच करेगी और यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन का कथित इस्तेमाल किसने और किन परिस्थितियों में किया। पुलिस जांच में घटनास्थल के उपलब्ध साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों और अन्य सामग्री की पड़ताल की जाएगी। प्राथमिकी में किन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच के दौरान किन लोगों की भूमिका सामने आती है, यह आगे की कार्रवाई में महत्वपूर्ण होगा।

स्वास्थ्य, साइकिल और चावल घोटाले पर चर्चा के लिए मिलने का समय दें एलजी: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एलजी से रेखा गुप्ता सरकार में हुए स्वास्थ्य, साइकिल और चावल खरीद घोटाले पर चर्चा करने के लिए मिलने का समय मांगा है। उन्होंने कहा कि पहले भी जनता से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर मिल कर चर्चा करने के लिए एलजी को कई पत्र लिखे हैं लेकिन उन्होंने मेरे किसी पत्र का जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जब जनता के पैसे से एलजी को सारी सुविधाएं मिलती हैं तो वे विपक्ष के नेताओं से मिलने से बच नहीं सकते। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर एलजी से कहा कि हमने आपकी सरकार के अधीन हुए तीन बड़े घोटालों, स्वास्थ्य घोटाला, साइकिल घोटाला और चावल घोटाला पर चर्चा करने के लिए आपसे समय मांगा है। हमने पहले भी बेहद संवेदनशील मुद्दों पर मिलने के लिए कई पत्र लिखे हैं, लेकिन आपने उन अनुरोधों का जवाब देना तक जरूरी नहीं समझा। सिर्फ अपनी पसंद के लोगों से मिलना आपके गैर-पेशेवर रवैये को दर्शाता है। सौरभ भारद्वाज ने एलजी को याद दिलाया कि उनका वेतन और राजभवन की सभी सुविधाओं का खर्च करदाताओं के पैसे से चलता है। ऐसे में, वह अपनी व्यक्तिगत पसंद का हवाला देकर विपक्षी नेताओं से मिलने से बच नहीं सकते। विपक्षी नेताओं को मिलने का समय देना उनका पेशेवर दायित्व है।

करोल बाग में कार का शीशा तोड़कर 2 करोड़ की ज्वेलरी चोरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के करोल बाग इलाके में चोरों ने एक ज्वेलरी कारोबारी की कार का पिछला शीशा तोड़कर करीब 2 करोड़ रुपये की सोने और हीरे की ज्वेलरी चोरी कर ली। वारदात 19 अगस्त की शाम आर्य समाज रोड पर हुई। कारोबारी अपने बेटे और कर्मचारी के साथ कार में सामान छोड़कर पास के एक रेस्टोरेंट में गए थे। इसी दौरान बदमाशों ने कार का शीशा तोड़ा और उसमें रखे 3 बैग तथा 1 सूटकेस लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, पीड़ित कारोबारी की पहचान जयपुर निवासी कन्हैया लाल के रूप में हुई है। वह एसकेजी कुंदन क्राफ्ट्स के मालिक हैं और विपणन से जुड़े काम के सिलसिले में दिल्ली आए थे। शिकायत के मुताबिक, कन्हैया लाल 18 अगस्त को अपने बेटे ध्रुव सोनी और एक कर्मचारी के साथ दिल्ली पहुंचे थे। उनके साथ 3 बैग और 1 सूटकेस था। कार में रखा था करोड़ों का सामान पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, 3 बैग में सोने और हीरे की ज्वेलरी के अलावा एक लैपटॉप और आधार कार्ड रखा हुआ था। वहीं, सूटकेस में कपड़े थे। कारोबारी 19 अगस्त को ग्रेटर कैलाश के एम ब्लॉक बाजार में कई आभूषण कारोबारियों से मुलाकात करने के बाद शाम करीब 4 बजे करोल बाग पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, शाम करीब 5:30 बजे उन्होंने आर्य समाज रोड पर केनरा बैंक की एक शाखा के सामने अपनी कार खड़ी की। इसके बाद कन्हैया लाल, उनका बेटा और कर्मचारी कार में सामान छोड़कर पास स्थित बीकानेरवाला रेस्टोरेंट चले गए। लौटे तो टूटा मिला कार का शीशा करीब 7:15 बजे तीनों रेस्टोरेंट से वापस लौटे तो कार का पिछला शीशा टूटा हुआ मिला। कार के अंदर रखे 3 बैग और 1 सूटकेस गायब थे। इसके बाद कारोबारी ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही करोल बाग थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरों और घटनाक्रम से जुड़े दृश्य खंगालने शुरू किए। हेलमेट पहने 2 संदिग्ध बाइक सवार दिखे जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में हेलमेट पहने 2 संदिग्ध बाइक सवार दिखाई दिए।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर रिटायर्ड कर्नल और उनकी पत्नी से 15.50 लाख की ठगी, 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के साउथ-वेस्ट जिले के साइबर पुलिस स्टेशन ने डिजिटल अरेस्ट स्कैम करने वाले एक अंतर्राज्यीय साइबर-फ्रॉड नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में पंजाब और राजस्थान से चार आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया है। यह कार्रवाई नई दिल्ली के मुनिरका एन्क्लेव में रहने वाले भारतीय सेना के एक रिटायर्ड कर्नल की शिकायत पर की गई। उनसे पुलिस और सरकारी अधिकारी बनकर ठगों ने 15.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ़्तार आरोपी साइबर-फ्रॉड सिंडिकेट के लिए ह्यम्यूलह्ण और करंट बैंक अकाउंट का इंतजाम और सप्लाई करते थे, जिनका इस्तेमाल साइबर अपराध से मिली रकम को इधर-उधर करने के लिए किया जाता था। जांच में इस नेटवर्क के कंबोडिया और यूएई (दुबई सहित) में मौजूद साइबर-फ्रॉड ऑपरेटरों से भी संबंध होने का पता चला है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में इस्तेमाल किए गए बैंक अकाउंट का संबंध कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग

पोर्टल पर दर्ज 17 शिकायतों से था। इन शिकायतों में कई करोड़ रुपये के फजी ट्रांजैक्शन शामिल हैं। पीड़ित को 15 अप्रैल को एक कॉल आया, जिसमें कॉलर ने झूठा दावा किया कि महाराष्ट्र पुलिस के आदेश पर उनका टेलीफोन कनेक्शन काट दिया जाएगा। इसके बाद उन्हें एक दूसरे नंबर पर संपर्क करने के लिए कहा गया। दूसरी तरफ, पुलिस अधिकारी बनकर बात कर रहे एक ठग ने रिटायर्ड कर्नल को बताया कि मुंबई में एक अवैध बैंक अकाउंट खोलने के लिए उनकी निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल किया गया है। कॉलर ने यह भी दावा किया कि यह अकाउंट मनी लॉन्ड्रिंग, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और टेररिस्ट फाइनेंसिंग से जुड़ा था। आरोपों को सच साबित करने के लिए, ठगों ने पीड़ित को कई फजी दस्तावेज भेजे। इनमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का फर्जी अरेस्ट वारंट, कथित कोर्ट पेपर, अग्रिम जमानत का दस्तावेज और बॉम्बे हाई कोर्ट व रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआईक) द्वारा जारी किए गए बताए जाने वाले फजी कम्युनिकेशन शामिल थे। इसके बाद पीड़ित और उनकी पत्नी को ह्यडिजिटल अरेस्टह्ण में रखा गया। ठगों ने उन पर लगातार मानसिक दबाव बनाए रखा और उनकी बातचीत पर नजर रखी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित से उनकी संपत्ति की जानकारी ली गई और फिर ठगों द्वारा बताए गए कथित आरबीआई निदेशों के आधार पर उनसे 15.50 लाख रुपये ट्रांसफर करवाए गए। शिकायत के बाद, दक्षिण-पश्चिम ज़िले के साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज की गई। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई।

नियमों का उल्लंघन करने वाली 106 औद्योगिक इकाइयों पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार का प्रदूषण पर कड़ा प्रहार, जनवरी से जुलाई 2026 के बीच 2,011 औद्योगिक इकाइयों का हुआ गहन निरीक्षणनई दिल्ली प्रमुख संवाददाता दिल्लीवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ हवा उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रही है। सरकार ने इस वर्ष बीते जुलाई माह तक कुल 2,011 औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया और इनमें से 106 के खिलाफ उल्लंघन करने के चलते कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि निरीक्षण के दौरान 106 इकाइयां निर्धारित पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं करती हुई मिली जबकि 78 इकाइयां दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) से वैध संचालन की सहमति के बिना संचालित हो रही थी। सरकार ने इन निरीक्षणों के बाद नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई की है। 44 मामलों में पर्यावरण मुआवजा लगाया गया है, जबकि 33 गैर-अनुपालन वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ क्लोजर ऑर्डर जारी किए गए हैं। अन्य मामलों में भी संबंधित पर्यावरणीय कानूनों और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ हवा देना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। सरकार के अभियान का मुख्य ध्यान केवल औद्योगिक प्रदूषण तक सीमित नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण के अन्य प्रमुख स्रोतों, जैसे सड़क की धूल, वाहनों से होने वाला प्रदूषण, निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियां, कचरा जलाने और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियों पर भी कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही औद्योगिक उत्सर्जन की नियमित और जमीनी स्तर पर निगरानी बढ़ाई गई है ताकि प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की समय पर पहचान कर कार्रवाई की जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं औद्योगिक प्रदूषण, खुले में कचरा या अन्य सामग्री जलाने, धूल प्रदूषण, अवैध रूप से कचरा डालने या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली कोई गतिविधि दिखाई देती है, तो उसकी सूचना सरकार तक पहुंचाएं। नागरिक ऐसी गतिविधियों की शिकायत ग्रीन दिल्ली ऐप या एमसीडी 311 ऐप के माध्यम से कर सकते हैं।

महापौर ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से मॉस्किटो टर्मिनेटर ट्रेन-2026 को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से मॉस्किटो टर्मिनेटर ट्रेन-2026 (एमटीटी) ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इस अभियान की शुरूआत की। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि मॉस्किटो टर्मिनेटर ट्रेन-2026 दिल्ली नगर निगम और उत्तर रेलवे की संयुक्त एवं सुनियोजित वेक्टर नियंत्रण मुहिम है। इस अभियान से पहले दिल्ली नगर निगम द्वारा रेलवे ट्रैक एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई की गई तथा संभावित मच्छर प्रजनन स्थलों की पहचान की गई। अब इसी अभियान के अगले चरण में चिन्हित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में एंटी-लार्वल दवाइयों का व्यापक छिड़काव किया जा रहा है। महापौर ने बताया कि मॉस्किटो टर्मिनेटर ट्रेन-2026 के पहले चरण में लगभग 75 किलोमीटर रेलवे ट्रैक एवं उससे सटे क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। रेलवे पटरियों के दोनों ओर स्थित निचले क्षेत्रों, जलभराव वाले स्थानों और संभावित मच्छर प्रजनन स्थलों पर विशेष रूप से एंटी-लार्वल दवाइयों का छिड़काव किया जाएगा। इसके लिए पावर स्प्रे टैंकरों को ट्रेन के साथ संचालित किया जाएगा, ताकि उन स्थानों तक भी प्रभावी ढंग से दवा पहुंचाई जा सके जहां सामान्य रूप से मैन्युअल रूप से पहुंचना कठिन होता है। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान रेलवे ट्रैक के आसपास और निचले क्षेत्रों में पानी जमा होने से मच्छरों के प्रजनन की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में मच्छरों के प्रजनन चक्र को शुरूआती स्तर पर ही तोड़ना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इस विशेष अभियान के माध्यम से डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ दिल्ली नगर निगम की रोकथाम एवं नियंत्रण गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। महापौर ने कहा कि अभियान को केवल एक निर्धारित रूट तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि चरणबद्ध तरीके से दिल्ली के विभिन्न महत्वपूर्ण रेलवे मार्गों को कवर किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नई दिल्ली से राठधाना, आदर्श नगर-बादली, दिल्ली जंक्शन, दिल्ली शाहदरा, हजरत निजामुद्दीन, लाजपत नगर, सराय रोहिल्ला, पटेल नगर, सफदरजंग, किशनगंज, सदर बाजार, दिल्ली कैंट, पालम-गुड़गांव, फरीदाबाद, ओखला-तुगलकाबाद सहित विभिन्न रेलवे रूटों पर एंटी-लार्वल गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

48 घंटे का अल्टीमेटम, स्कूल विवाद पर कॉकरोच जनता पार्टी का जयपुर में धरने का ऐलान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजस्थान के जयपुर स्थित रामपुरा-कंवरपुरा के सरकारी प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी और स्थानीय ग्रामीणों के बीच हुआ विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। विवाद के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने राजस्थान सरकार को 48 घंटे का समय देते हुए स्कूल की स्थिति सुधारने और कथित मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने मांगें पूरी नहीं होने पर स्वयं जयपुर पहुंचकर विद्यालय के सामने धरना देने और जंतर-मंतर की तर्ज पर आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। अभिजीत दीपके के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी की टीम शुक्रवार को रामपुरा-कंवरपुरा स्थित सरकारी प्राथमिक विद्यालय का जायजा लेने पहुंची थी। टीम का कहना है कि उसका उद्देश्य विद्यालय भवन की स्थिति देखने के साथ विद्यार्थियों और शिक्षकों से बातचीत करना था। इसी दौरान कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने टीम का विरोध किया। कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से आरोप लगाया गया है कि कार्यकताओं के साथ मारपीट की गई और उन्हें गांव से बाहर जाने के लिए मजबूर किया गया। 48 घंटे में दो मांगें पूरी करने का अल्टीमेटम विवाद के बाद अभिजीत दीपके ने राजस्थान सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने कहा कि इस अवधि में विद्यालय की स्थिति सुधारने का काम शुरू किया जाए और कार्यकताओं के साथ कथित मारपीट करने वालों को गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोनों मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वह स्वयं जयपुर पहुंचकर विद्यालय के सामने धरने पर बैठेंगे। दीपके ने कहा कि उनका आंदोलन विद्यालय की खराब स्थिति को लेकर है और जब तक विद्यालय को ठीक कराने की प्रक्रिया शुरू नहीं होती, तब तक वह पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने समर्थकों से भी जयपुर पहुंचने का आह्वान किया है। जंतर-मंतर की तर्ज पर आंदोलन की चेतावनी अभिजीत दीपके ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं करती है तो समर्थक जयपुर पहुंचें और विद्यालय के सामने उसी तरह आंदोलन किया जाए, जैसा जंतर-मंतर पर किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार की ओर से जारी बताए जा रहे एक कथित परिपत्र का मुद्दा भी उठाया। दीपके का आरोप है कि इस परिपत्र में जर्जर विद्यालयों की तस्वीरें और वीडियो नहीं बनाने की बात कही गई है। उन्होंने इस कथित निर्देश को वापस लेने की मांग की है।

दिल्ली के करोल बाग में चोरों ने कार का शीशा तोड़कर चुराए 2 करोड़ के गहने

नई दिल्ली। दिल्ली के करोल बाग इलाके में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने कार का शीशा तोड़कर दिनदहाड़े ज्वेलरी का कारोबारी के 2 करोड़ रुपये से ज्यादा के गहने चुराकर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित व्यवसायी की शिकायत पर केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। दरअसल, एसकेजी कुंदन क्राफ्ट्स के मालिक पीड़ित कन्हैया लाल 18 अगस्त को अपने बेटे ध्रुव सोनी और स्टाफ के एक कर्मचारी के साथ कार से दिल्ली आए थे। वह ज्वेलरी कारोबार की मार्केटिंग के सिलसिले में दिल्ली आए थे। इनके पास तीन बैकपैक और एक सूटकेस था। तीनों बैग में सोने और हीरे की ज्वेलरी, एक लैपटॉप और आधार कार्ड रखा हुआ था, जबकि सूटकेस में कपड़े थे। 19 अगस्त को कारोबारी ने ग्रेटर कैलाश-एम ब्लॉक मार्केट में कई ज्वेलर्स से मुलाकात की। इसके बाद करीब शाम 4 बजे कारोबारी करोल बाग पहुंचे। करोल बाग में कारोबारी करीब शाम 5:30 बजे आर्य समाज रोड पर केनरा बैंक के सामने कार खड़ी कर दी। कन्हैया लाल, उनके बेटे और कर्मचारी ने कार में बैग और सूटकेस छोड़ दिए और पास स्थित बीकानेरवाला रेस्टोरेंट में खाना खाने चले गए। करीब शाम 7:15 बजे वापस लौटने पर कार का पीछे वाला शीशा टूटा मिला। कार के अंदर रखे तीनों बैग और सूटकेस गायब थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के जरिए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी की कोशिश कर रही है। वहीं, नोएडा के सेक्टर-25 स्थित गैराज से करीब डेढ़ करोड़ रुपये की चोरी के मामले में पुलिस ने हाल ही में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। छह आरोपियों को रजनीगंधा चौराहे से फिल्मसिटी की ओर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन उर्फ शिवम उर्फ कांचा, अवनीश कुमार, जितेंद्र कुमार, सुमित कुमार, अनिल कुमार और नीशू चौहान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 करोड़ 48 लाख रुपये की नकदी बरामद कर ली थी। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी अवनीश कुमार अपने कुछ साथियों के साथ सीए फर्म के माध्यम से लोगों से निवेश के नाम पर रकम जुटाने का काम करता था। आरोपियों द्वारा लोगों को निवेश के लिए तैयार कर उनसे बड़ी रकम ली गई थी। पुलिस के मुताबिक, जिस 1 करोड़ 48 लाख रुपये की रकम की चोरी हुई, वह शिकायतकर्ता से आशीष ने निवेशक उपलब्ध कराने के नाम पर ली थी।

जंतर-मंतर पर आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन यूजीसी नियमों को लेकर भी विरोध

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नीट प्रश्नपत्र प्रकरण के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के बाद शुक्रवार को दिल्ली के जंतर-मंतर क्षेत्र में एक नया विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। आरक्षण हटाओ आंदोलन के लिए बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी दिल्ली पहुंचे और आरक्षण व्यवस्था के साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 2026 के समानता संबंधी नियमों के खिलाफ भी नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने जाति आधारित आरक्षण समाप्त कर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की मांग उठाई। सुबह से ही जंतर-मंतर के आसपास प्रदर्शनकारियों का जुटना शुरू हो गया था। दोपहर तक प्रदर्शनकारियों की संख्या बढ़ गई। हाथों में बैनर और पोस्टर लिए लोग आरक्षण व्यवस्था के विरोध में नारे लगाते नजर आए। कई प्रदर्शनकारियों ने जाति के बजाय आर्थिक स्थिति को आरक्षण का आधार बनाने की मांग की। जंतर-मंतर पर बढ़ी पुलिस की सख्ती कॉकरोच जनता पार्टी के हालिया आंदोलन के बाद जंतर-मंतर क्षेत्र में पुलिस की ओर से बैरिकेडिंग बढ़ाई गई है। शुक्रवार को पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को निर्धारित

धरना स्थल की ओर जाने से रोक दिया। इसके बावजूद लोग जंतर-मंतर के आसपास एकत्र होकर नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में ऐसे पोस्टर दिखाई दिए जिन पर आरक्षण गरीब को मिले, जाति को नहीं और भारत में आर्थिक आधार पर आरक्षण करना होगा जैसे नारे लिखे थे। प्रदर्शन के दौरान भारत माता की जय और जय श्री राम के नारे भी लगाए गए। इसके अलावा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों को वापस लेने की मांग को लेकर भी नारेबाजी की गई। जातिगत आरक्षण खत्म करने की मांग प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जाति आधारित आरक्षण को समाप्त कर आर्थिक स्थिति को आधार बनाया जाना चाहिए। उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ आर्थिक रूप से जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए, चाहे उनकी जाति कुछ भी हो। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने यह भी कहा कि जब तक जातिगत आरक्षण व्यवस्था में बदलाव नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार से स्पष्ट नीति बनाने की मांग की। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों पर भी नाराजगी प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय परिसरों में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 2026 के समानता संबंधी नियमों को लेकर भी विरोध जताया। प्रदर्शन में शामिल सवर्ण समाज के लोगों ने नियमों के कुछ प्रावधानों के दुरुपयोग की आशंका जताते हुए उन्हें वापस लेने की मांग की। उनका आरोप है कि नए नियमों के कुछ प्रावधानों का गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। इसी वजह से प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों में किए गए बदलावों को वापस लेने की मांग उठाई। दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान में दी अनुमति प्रदर्शन के बीच दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया कि आरक्षण हटाओ आंदोलन के लिए रामलीला मैदान में प्रदर्शन की अनुमति दी गई है।

वैधानिक नियुक्ति को लेकर एनएसयूआई ने आईटीपीआई अध्यक्ष प्रदीप कपूर पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) के शासी मंडल में इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया (आईटीपीआई) के प्रतिनिधि के रूप में आईटीपीआई अध्यक्ष प्रदीप कपूर के कथित नामांकन को लेकर गंभीर सवाल उठाया। एनएसयूआई ने मांग की कि नामांकन की वैधानिकता की जांच होने तक कपूर को शासी मंडल की सदस्यता से तत्काल निलंबित किया जाए। एनएसयूआई का कहना है कि स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर अधिनियम, 2014 की धारा 13(2)(ग) में आईटीपीआई के एक प्रतिनिधि को अध्यक्ष द्वारा नामित किए जाने का प्रावधान है। संगठन के अनुसार, इस प्रावधान में आईटीपीआई अध्यक्ष को स्कूल के शासी मंडल का पदेन सदस्य बनाए जाने का उल्लेख नहीं है। ऐसे में यदि कपूर का नामांकन वैधानिक प्रावधानों या आईटीपीआई के लागू नियमों के विपरीत हुआ है, तो उनकी नियुक्ति की वैधता की जांच आवश्यक है। एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि कपूर ने कथित तौर पर शासी मंडल की विभिन्न बैठकों और कार्यवाहियों में भाग लिया है। इनमें सरकारी अधिकारियों एवं अन्य कर्मचारियों की भर्ती और चयन से जुड़ी प्रक्रियाएं भी शामिल होने का दावा किया गया है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि शासी मंडल के सदस्य के तौर पर कपूर ने बैठक शुल्क, मानदेय, यात्रा एवं दैनिक भत्ते तथा अन्य लाभ प्राप्त किए या उनका दावा किया। संगठन ने दिल्ली उच्च न्यायालय के सुधीर वोहरा बनाम भारत संघ मामले का हवाला देते हुए कहा कि न्यायालय ने वास्तुकला परिषद से जुड़े समान प्रावधान की व्याख्या में ह्लप्रतिनिधिह्व शब्द के वैधानिक महत्व पर विचार किया था। एनएसयूआई के मुताबिक, इस फैसले के आलोक में संस्थागत प्रतिनिधित्व को असीमित व्यक्तिगत नामांकन अधिकार के रूप में नहीं देखा जा सकता। एनएसयूआई ने मांग की है कि स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर अधिनियम, आईटीपीआई के संविधान एवं उपनियमों तथा संस्थागत प्रतिनिधित्व से संबंधित कानूनी सिद्धांतों के आधार पर कपूर के नामांकन की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराई जाए। साथ ही, शासी मंडल और भर्ती संबंधी कार्यवाहियों में उनकी भागीदारी तथा स्कूल से प्राप्त सभी वित्तीय और अन्य लाभों की भी जांच की जाए। संगठन ने कहा कि यदि किसी प्रकार का उल्लंघन जांच में साबित होता है, तो नियमानुसार कार्रवाई के साथ कथित रूप से प्राप्त वित्तीय लाभों की वसूली भी की जानी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

फरीदाबाद में फंदे पर लटका मिला बच्चे का शव

फरीदाबाद। के एसी नगर में 14 वर्षीय बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बच्चे का शव घर के अंदर फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलने पर थाना कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल भिजवा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, एसी नगर निवासी सोनू अपनी पत्नी ममता और दो बेटों के साथ रहता है। सोनू और उसकी पत्नी दोनों काम करते हैं। सोनू गाड़ी पर ड्राइवर का काम करता है, जबकि उसकी पत्नी हाउस सहायक का काम करती है। घटना के समय दोनों काम के सिलसिले में घर से बाहर गए हुए थे। घर पर उनके दोनों बेटे मौजूद थे। शाम को जब सोनू और उसकी पत्नी घर लौटे, तो उन्हें छोटे बेटे तरुण की मौत की जानकारी मिली। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया। परिजनों ने युवक पर लगाया हत्या का आरोप मृतक के परिजनों ने एसी नगर निवासी एक युवक पर बच्चे की हत्या करने का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी तक हत्या के आरोप की पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति होगी साफ थाना प्रभारी मनजीत के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बच्चे की मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल बचाने को लेकर बदमाश से भिड़ी युवती

फरीदाबाद। के सराय ख्वाजा इलाके में मोबाइल झपटमारी की कोशिश के दौरान 20 वर्षीय युवती घायल हो गई। बाइक सवार बदमाशों ने ऑटो में बैठी युवती से मोबाइल छीनने का प्रयास किया। युवती ने हिम्मत दिखाते हुए बदमाश का विरोध किया और मोबाइल नहीं छोड़ा। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह चलते ऑटो से नीचे गिर गई। जानकारी के अनुसार, दुर्गा एन्क्लेव निवासी योगिता मावडी 16 अगस्त की रात अपनी बहन हेमा के साथ दिल्ली के सरोजनी नगर से खरीदारी कर फरीदाबाद लौट रही थी। दोनों बाइपास बॉर्डर से ऑटो में सवार हुई थीं। दुर्गा माता मंदिर के पास पहुंचते ही बाइक पर सवार दो युवक ऑटो के नजदीक आए। युवक ने मोबाइल छीनने की कोशिश की बाइक पर पीछे बैठे युवक ने ऑटो में बैठी योगिता के हाथ से मोबाइल छीनने की कोशिश की। योगिता ने बदमाश का मुकाबला करते हुए फोन पकड़ लिया। इसी दौरान छीना-झपटी में उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिरकर घायल हो गई। युवती के गिरने के बाद फोन छूट गया और दोनों बदमाश मोबाइल लेकर बाइक से फरार हो गए। हाथ और जबड़े में लगी चोट सड़क पर गिरने से योगिता के हाथ और जबड़े में चोट आई। उसकी बहन उसे इलाज के लिए सेक्टर-19 स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंची प्राथमिक उपचार के बाद परिवार उसे सफदरजंग अस्पताल ले गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे घर भेज दिया। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया सराय ख्वाजा पुलिस ने घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने युवती के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए बाइक सवार आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

फरीदाबाद में पटवारी और कानूनगो की हड़ताल खत्म

नए पोर्टल को लेकर कर्मचारी नाराज, मोटेशन रिकॉर्ड में आ रही दिक्कत

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच अब पटवारी और कानूनगो भी अपनी मांगों को लेकर दो दिन की सांकेतिक हड़ताल पर हैं। शुक्रवार को हड़ताल का दूसरा और अंतिम दिन है। स्टेट यूनियन के आह्वान पर की जा रही इस हड़ताल में कर्मचारियों ने नए मोटेशन पोर्टल की तकनीकी खामियों को लेकर नाराजगी जताई है। पटवार एवं कानूनगो संगठन के प्रधान परविंदर अधाना ने बताया कि मोटेशन के काम के लिए सरकार की ओर से नया पोर्टल शुरू किया गया है। उनका कहना है कि करीब 20 वर्षों से जमीन के मोटेशन का काम पुराने पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा था, लेकिन अब नया सॉफ्टवेयर लागू कर दिया गया है। संगठन का आरोप है कि नए पोर्टल को कर्मचारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण और व्यावहारिक जानकारी दिए बिना ही लागू कर दिया गया। इसके चलते रोजमर्रा के काम में परेशानियां आ रही हैं। कर्मचारियों का कहना है कि तकनीकी दिक्कतों के कारण मोटेशन की प्रक्रिया पूरी करने में अतिरिक्त समय लग रहा है। रिकॉर्ड में खरीदार-विक्रेता का नाम नहीं दिख रहा पटवारी-कानूनगो संगठन के मुताबिक नए पोर्टल की सबसे बड़ी समस्या अंतिम रिकॉर्ड को लेकर सामने आ रही है। जमीन की रजिस्ट्री या विरासत का मोटेशन दर्ज करने के बाद पूरी प्रक्रिया पूरी होने पर कई मामलों में रिकॉर्ड में खरीदार या विक्रेता का नाम दिखाई नहीं देता। इससे न केवल कर्मचारियों को परेशानी हो रही है, बल्कि जमीन के रिकॉर्ड को लेकर भी दिक्कतें पैदा हो रही हैं। पुराना पोर्टल शुरू करने या खामियां दूर करने की मांग संगठन ने सरकार से नए पोर्टल की तकनीकी खामियों को जल्द दूर करने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि नए पोर्टल की समस्याओं का समाधान नहीं होता तो पुराने पोर्टल को दोबारा शुरू किया जाए, ताकि मोटेशन से जुड़े काम सुचारु रूप से हो सकें। जमीन की पैमाइश में फेंसिंग की समस्या का भी मुद्दा पटवारी और कानूनगो ने जमीन की पैमाइश के दौरान तार फेंसिंग के कारण आने वाली परेशानियों का समाधान करने की मांग भी उठाई है। संगठन का कहना है कि मौके पर पैमाइश के दौरान कई बार फेंसिंग के कारण कर्मचारियों को काम करने में दिक्कत होती है।

गुरुग्राम सदर बाजार रोड पर खत्म होंगे मनमाने कट

जाम से निपटने का मास्टर प्लान; डिवाइडर बैरिकेड्स के बीच गैप बंद

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में सबसे व्यस्त और पुराने व्यापारिक केंद्र सदर बाजार रोड पर अब लोगों को भीषण ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलने वाली है। ट्रैफिक पुलिस ने इस मुख्य मार्ग पर वाहनों की रफ्तार बढ़ाने और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए एक नया ह्लट्रैफिक मास्टर प्लानह्व तैयार किया है। नए प्लान के तहत सड़क के बीच में लगे कंक्रीट डिवाइडर के बीच खाली छोड़े गए सभी अनधिकृत गैप को पूरी तरह से बंद किया जा रहा है। अब इन बैरिकेड्स को आपस में सटाकर एक ठोस कतार के रूप में लगाने काम शुरू कर दिया गया है। सदर बाजार रोड पर अब तक कंक्रीट के बैरिकेड्स के बीच कई जगहों पर खाली जगह छोड़ी गई थी। इसका गलत फायदा उठाकर पैदल यात्री और दोपहिया वाहन चालक अचानक कहीं से भी सड़क पार करने लगते थे। इस लापरवाही के कारण न सिर्फ हर समय गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था, बल्कि पीछे से आ रहे वाहनों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते थे। इससे पूरी सड़क पर वाहनों की रफ्तार अचानक थम जाती थी। पुलिस की नई व्यवस्था के तहत इन सभी कट को ब्लॉक किया जा रहा है। अब लोगों को सड़क पार करने के लिए केवल निर्धारित और सुरक्षित रास्तों का ही इस्तेमाल करना होगा। दिनभर के जाम से मिलेगी मुक्ति सदर बाजार रोड पर सुबह से लेकर रात तक वाहनों का भारी दबाव रहता है। कंक्रीट के बैरिकेड्स के बीच जगह-जगह गैप होने के कारण ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ा जाती थी। वाहन चालकों की इस शॉर्टकट आदत की वजह से इस मुख्य मार्ग पर दिनभर रह-रहकर लंबा जाम लगा रहता था, जिससे आम जनता और व्यापारी दोनों ही बेहद परेशान थे।

गर्लफ्रेंड की दूसरे युवक से चैट देखकर सुसाइड

पिता को फोन कर कहा- सात साल के प्यार में धोखा मिला; फिर फरीदाबाद नहर में कूदा

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में एक हेयर स्टाइलिस्ट ने नहर में छलांग लगाकर जान दे दी। नहर में कूदने से पहले उसने रोते हुए अपने पिता को फोन किया और कहा कि मां, बहन और भाई का ख्याल रखना। उसने बताया कि जिस युवती से वह पिछले 7 साल से प्यार करता था, उसने उसे धोखा दिया है। पिता का आरोप है कि बेटे ने युवती के मोबाइल में किसी दूसरे युवक के साथ उसकी चैट देख ली थी। इसी बात से वह परेशान था। मृतक के पिता ने युवती पर बेटे को मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। मामले की शिकायत पल्ला थाने में दी गई है। सात साल पहले दोस्ती हुई मृतक की पहचान दिल्ली के मीठापुर निवासी नकुल (22) के रूप में हुई है। वह फरीदाबाद के सेक्टर-21सी स्थित एक सैलून में हेयर स्टाइलिस्ट था। पिता हरिशंकर के मुताबिक, घर के पास रहने वाली युवती से नकुल की कई साल पहले दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए और करीब सात साल से दोनों साथ थे। हालांकि, पिछले कुछ समय से दोनों के बीच विवाद चल रहा था। नकुल ने गर्लफ्रेंड की युवक से चैट देखी हरिशंकर के मुताबिक, गुरुवार को नकुल अपनी गर्लफ्रेंड के साथ फिल्म देखने गया था। दोनों ने दिन साथ बिताया, लेकिन शाम को उनके बीच विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि नकुल ने युवती के मोबाइल में किसी दूसरे युवक के साथ चैट देख ली थी।

गुरुग्राम में अस्पताल में प्रसव के बाद महिला की मौत

बेटा होने के बाद बिगड़ी तबीयत; परिजनों का डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । जिले में सोहना के नागरिक अस्पताल में प्रसव के बाद 21 वर्षीय महिला की मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान हरि नगर निवासी सोनिया के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि 12 अगस्त को स्वस्थ बेटे को जन्म देने के बाद सोनिया को अत्यधिक रक्तस्राव शुरू हो गया था। उन्होंने कहा है कि करीब 8 घंटे तक उसकी हालत बिगड़ती रही, लेकिन समय पर उचित उपचार नहीं मिलने के कारण उसकी जान चली गई। घटना के बाद परिवार ने अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। परिजनों के अनुसार, सोनिया को 12 अगस्त को प्रसव के लिए सोहना नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां उसने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। परिवार का कहना है कि प्रसव के कुछ समय बाद ही सोनिया को अत्यधिक रक्तस्राव शुरू हो गया। परिजनों का आरोप है कि रक्तस्राव लगातार जारी रहने के बावजूद उसकी हालत को गंभीरता से नहीं लिया गया। परिवार के मुताबिक, सोनिया करीब आठ घंटे तक इसी स्थिति से जूझती रही और धीरे-धीरे उसकी हालत बिगड़ती चली गई। डॉक्टर की मौजूदगी को लेकर भी सवाल परिजनों ने आरोप लगाया कि प्रसव के समय अस्पताल में कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था और वहां मौजूद स्टाफ ने ही प्रसव कराया। परिवार का दावा है कि जब सोनिया की हालत गंभीर हो गई तो सुबह करीब 8 बजे उसे टांके लगाकर दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। परिजन उसे लेकर दूसरे अस्पताल के लिए रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही सोनिया ने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिवार में मातम छा गया ह्लसमय पर इलाज मिलता तो बच सकती थी जान सोनिया के परिवार का आरोप है कि प्रसव के बाद रक्तस्राव शुरू होने के तुरंत बाद यदि विशेषज्ञ चिकित्सकीय उपचार और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जातीं तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। परिजनों ने मामले में जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच कराने की मांग की है। परिवार का यह भी दावा है कि उन्हें सोनिया के प्रसव, उपचार और रेफर किए जाने से संबंधित जरूरी चिकित्सकीय दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। इसे लेकर भी परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। पोस्टमार्टम नहीं कराने का भी आरोप परिजनों ने आरोप लगाया कि मामले को दबाने के लिए सोनिया को जल्दबाजी में दूसरे अस्पताल रेफर किया गया। उनका यह भी दावा है कि बाद में बिना पोस्टमार्टम कराए ही अंतिम संस्कार करवा दिया गया। हालांकि, परिजनों की ओर से लगाए गए इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई–प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	08265100A	मैटेरियल्स ऑफ़ स्लाइडिंग बूम	271 सेट	17.09.2026
02	19262604	1–1/4 इंच कट ऑफ एंगल कॉक	3126 नग	21.09.2026

निविदा शर्तें– 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाईट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

टेंडर नोटिस सं.: 37/2026-2027 दिनांक 21.08.2026 2917/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा आमंत्रित निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियंता/परिचालन, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली निम्नलिखित कार्य के लिये निर्धारित निविदा फार्म में ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम एवं स्थान	Sr.DEE/RSO/DLI के अधीन DLI, PNP एवं KKDE में दो वर्ष की अवधि के लिए लाइन बॉक्स हैंडलिंग, लुकआउट ग्लास एवं लोको कैब की सफाई तथा सिलिका सैंड की आपूर्ति एवं भराई जैसी व्यापक मल्टी डिसिप्लिनरी सेवाओं हेतु निविदा।
2	कार्य की अनुमानित लागत	रुपये 3,03,44,820.00 (जी.एस.टी. जोड़े हुये)
3	बयाना राशि	रुपये 6,06,900.00
4	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	दिनांक 08.09.2026 को 11:00 बजे
5	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर

निविदा सूचना सं. 230-Elect-RSO-RT2-2026-27, दिनांक 17.08.2026 2918/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गुरुग्राम में बस ने बाइक सवार दो युवकों को कुचला

नौकरी की तलाश में आए थे दोनों; चरखी दादरी के रहने वाले

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । शहर में सेक्टर-90 चौक के पास गुलमोहर फॉर्म हाउस के सामने एक तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने बाइक को सीधी टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान चरखी दादरी के रहने वाले अनिरुद्ध और अतुल के रूप में हुई है। घटना के बाद आरोपी बस ड्राइवर मौके से फरार हो गया। चरखी दादरी के गांव फौगाट के सतेन्द्र का बड़ा बेटा अनिरुद्ध अपने साथी अतुल के साथ बाइक पर सवार होकर गुरुग्राम नौकरी की तलाश में आए थे। दोनों ने 12वीं पास की है। अतुल बाइक चला रहा था और अनिरुद्ध पीछे बैठा था। वे दोनों यदुवंशी स्कूल की तरफ से सेक्टर-90 चौक की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक गुलमोहर फार्म हाउस के सामने पहुंची, सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बस नंबर ल्फ5अख8585 के ड्राइवर ने लापरवाही और गफलत से चलाते हुए बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। अनिरुद्ध और अतुल दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पीड़ित पिता सतेन्द्र ने बस ड्राइवर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कहा कि बस ड्राइवर बेहद तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था, जिसके कारण दो मासूमों की जान चली गईं। मेहनत-मजदूरी कर परिवार चलाता है पीड़ित हादसे की सूचना मिलते ही अनिरुद्ध के पिता सतेन्द्र मौके पर पहुंचे।

उत्तर रेलवे

TENDER NOTICE

ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

	एन.आई.टी	25, 26, 29, 30 - W4
1	काम का नाम (स्थान के साथ)	**25.** नॉर्दर्न रेलवे के दिल्ली डिवीजन में नरवाना रेलवे स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग, बाहरी हिस्से (फसाड), एलिवेशन, इंटीरियर, वेटिंग हॉल और टॉयलेट के निर्माण और सुधार का काम, साथ ही ट्रैफिक मूवमेंट को बेहतर बनाने और स्टेशन के आस–पास के एरिया को सुंदर बनाने का काम। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक के काम के अलावा कोई भी सिविल कार्य। **26.** ADEN/JHL सेक्शन में बारिश के मौसम के दौरान LHS से पानी निकालना। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक के काम के अलावा कोई भी सिविल काम। **29.** ADEN/ROK सेक्शन में बारिश के मौसम के दौरान LHS से पानी निकालना। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक के काम के अलावा कोई भी सिविल काम। **30.** ADEN/JHI सेक्शन में बारिश के मौसम के दौरान LHS से पानी निकालना। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक के काम के अलावा कोई भी सिविल कार्य।
2	काम की अनुमानित लागत रुपये)	**25.** रुपये. 45877341.50, **26.** रुपये. 8999338.36 **29.** रुपये. 8999273.70, **30.** रुपये. 8982514.17
3	अग्रिम राशि (रुपये)	(यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (**नोट:** रेलवे बोर्डों के पत्र संख्या 2015/सीई -आई/ सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआरईपीएस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए, ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा।) **25.** रुपये 917600.00 **26.** रुपये 180000.00 **29.** रुपये 180000.00 **30.** रुपये 179700.00
4	काम की समाप्ति अवधि	**25.** 09 महीने **26.** 12 महीने **29.** 12 महीने **30.** 12 महीने
5	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	11.09.2026 को 15:00 बजे तक तथा 11.09.2026 15:00 बजे निविदा खुलना है।
6	वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान निविदा का पूरा विवरण	यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

No. 128-W/280/OET/2026-27/W-IV/NIT- 25, 26, 29, 30, Date : 19.08.2026 2908/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शराब पीने से रोकने पर पति ने पत्नी को पीटा

फरीदाबाद में धक्का-मुक्की में दूसरी मंजिल से नीचे गिरी महिला; पैर-रीढ़ में फ्रैक्चर

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। शहर के सेक्टर-84 में शराब पीने से मना करने पर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि पति ने पत्नी के साथ मारपीट की और धक्का-मुक्की के दौरान महिला दूसरी मंजिल से नीचे गिर गई। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता नीरू चौधरी सेक्टर-84 स्थित मकान में रहती हैं और रेवाड़ी की एक कंपनी में कस्टमर सर्विस मैनेजर हैं। हादसे में उनके दाहिने पैर के टखने और रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है। उनका इलाज अस्पताल में कराया गया। पति पर पहले भी प्रताड़ना का आरोप नीरू के मुताबिक, उसका पति सुरजीत सिंह शराब पीने का आदी है। महिला का आरोप है कि वह पहले भी उसे मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करता रहा है। 15 अगस्त को भी शराब पीने को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ था। घर के दरवाजे बंद कर पीटा महिला ने पुलिस को बताया कि घर पहुंचने के करीब दो घंटे बाद पति शराब पीने लगा। पत्नी के विरोध करने पर वह गुस्सा हो गया। आरोप है कि पति ने चप्पलों, थप्पड़ों और घूंसों से उसकी पिटाई की और घर के दरवाजे बंद कर दिए। दूसरी मंजिल की गैलरी से गिरी नीरू किसी तरह घर से बाहर निकलकर गैलरी में पहुंची। आरोप है कि पति ने वहां भी उसके साथ धक्का-मुक्की की। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह दूसरी मंजिल की गैलरी से नीचे गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल में पांच चोटें मिलीं घटना के बाद महिला के भाई ने उसे सेक्टर-83 स्थित अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। मेडिकल जांच में महिला के शरीर पर पांच चोटें मिलीं।

गुरुग्राम में पिस्तौल निकाल व्यक्ति पर तानी

कार खड़ी करने को लेकर विवाद, गाड़ी टच होने पर भड़का; भीड़ जुटने पर फरार

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में कार खड़ी करने के मामूली झगड़े में एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति पर पिस्तौल तान दी। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे यह घटना ओल्ड दिल्ली रोड पर सामने आई है। आरोपी ने बीच सड़क पर पीड़ित को धमकी दी। गनीमत रही कि वहां राहगीरों की भीड़ जुटने लगी, जिसे देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना का एक प्रत्यक्षदर्शी ने वीडियो बना लिया, जो अब वॉट्सएप पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार यह घटना ओल्ड दिल्ली रोड पर गऊशाला के सामने हुई। पीड़ित राहुल तंवर ने बताया कि उनकी गाड़ी सड़क किनारे खड़ी हुई थी। इसी दौरान वहां पहले से खड़ी एक अन्य कार के ड्राइवर ने बिना देखे अचानक अपनी कार को बैक करना शुरू कर दिया। लापरवाही से गाड़ी बैक करने के कारण दोनों कारें आपस में टच हो गईं। इस मामूली घटना के बाद जब राहुल तंवर अपनी कार से नीचे उतरे और आरोपी ड्राइवर के पास बात करने गए, तो आरोपी ने शालीनता दिखाने के बजाय विवाद खड़ा कर दिया। विरोध करने पर बैग से निकाली पिस्तौल पीड़ित राहुल का आरोप है कि जैसे ही वह ड्राइविंग सीट पर बैठे युवक के पास पहुंचे, उसने बिना कुछ सुने सीधे गाली-गलौच करना शुरू कर दिया। जब राहुल ने इस बदतमीजी का विरोध किया और उसे तमीज से बात करने को कहा, तो आरोपी युवक गुस्से में आपा खो बैठा। उसने तुरंत अपनी कार में रखे एक बैग की जिप खोली और उसमें से एक पिस्तौल निकाल ली। आरोपी ने पिस्तौल राहुल की तरफ तान दी और उसे बीच सड़क पर ही डराने-धमकाने लगा। राहगीरों को आता देख कार लेकर फरार ओल्ड दिल्ली रोड जैसे व्यस्त इलाके में सुबह के वक्त हुए इस ड्रामे को देखकर सड़क से गुजर रहे राहगीर और स्थानीय लोग तुरंत वहां इकट्ठा होने लगे। लोगों को अपनी तरफ आता देख और मामला बढ़ता देख आरोपी युवक पिस्तौल वापस रखी। अपनी कार स्टार्ट की और वहां से फरार हो गया। मोबाइल में रिकॉर्ड की पूरी वारदात इस पूरी वारदात के दौरान वहां मौजूद एक राहगीर ने अपने मोबाइल का कैमरा ऑन कर लिया था। उसने आरोपी द्वारा पिस्तौल निकालने और राहुल को धमकाने का पूरा वीडियो अपने फोन में रिकॉर्ड कर लिया। घटना के बाद यह वीडियो व्हाट्सएप ग्रुप्स वायरल हो गया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह आरोपी युवक मामूली सी बात पर दबंगई दिखाते हुए हथियार निकाल रहा है। पुलिस को शिकायत करेगा पीड़ित राहुल ने बताया कि घटना के समय वह सहम गया था और पुलिस कंट्रोल रूम को शिकायत नहीं की गई, लेकिन अब वह पुलिस को इसकी शिकायत करेगा और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। पुलिस के पास नहीं पहुंची शिकायत इस संबंध में सेक्टर-14 थाना एसएचओ अमित को उनके सीयूजी सरकारी नंबर पर कॉल भी की गई, लेकिन उनकी तरफ से कॉल नहीं रिसीव की गई।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

गोरखपुर जं.-दिल्ली-जं.-गोरखपुर जं. अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की नियमित सेवा की शुरूआत

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलगाड़ी सं. 05057/05058 गोरखपुर जं.–दिल्ली जं.–गोरखपुर जं. विशेष की नियमित सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

15095/15096 गोरखपुर-दिल्ली जं.-गोरखपुर अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक)

रेलगाड़ी सं. 15095 आगमन	रेलगाड़ी सं. 15095 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 15096 आगमन	रेलगाड़ी सं. 15096 प्रस्थान
---	22:45	गोरखपुर जं.	06:30	---
23:21	23:23	खलीलाबाद	04:56	04:58
23:51	23:54	बस्ती	04:28	04:31
01:40	01:50	गोंडा जं.	02:50	02:55
02:42	02:44	बुढ़वल जं.	01:40	01:42
04:40	04:50	सीतापुर जं.	00:02	00:12
07:48	07:50	बरेली	18:39	18:41
09:03	09:08	मुरादाबाद	17:18	17:23
11:42	11:44	गाजियाबाद	14:52	14:54
12:50	---	दिल्ली जं.	---	14:10

चलने के दिन: 15095 गोरखपुर जं. से दिनांक 27.08.2026 से (प्रत्येक बृहस्पतिवार) और 15096 दिल्ली जं. से दिनांक 28.08.2026 से (प्रत्येक शुक्रवार) को। स्थान: शयनयान एवं सामान्य

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2910/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कांग्रेस कार्यकताओं ने उट काफिले को दिखाए काले झंडे

ग्रीवेंस कमेटी मीटिंग के बाद गुरुग्राम यूनिवर्सिटी जा रहे थे; Gen-H उद्यमियों से संवाद करने पहुंचे

प्रात : किरण संवाददाता

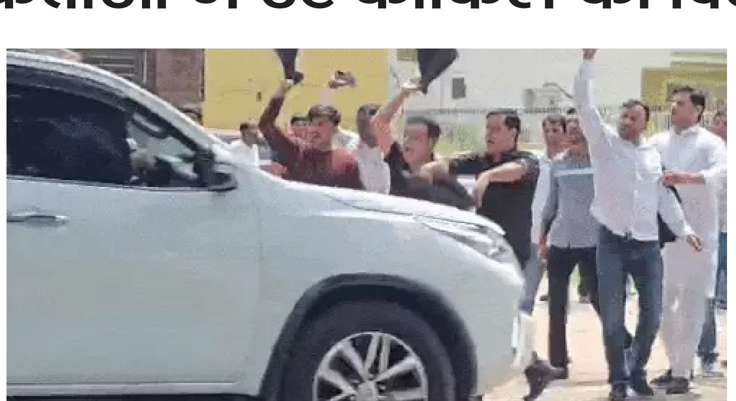

गुरुग्राम। पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को कांग्रेस कार्यकताओं ने काले झंडे दिखाए और नारेबाजी की। मुख्यमंत्री ग्रीवेंस की मीटिंग के बाद गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में जेन-एच युवा उद्यमियों के साथ चौपाल कार्यक्रम के लिए निकले थे। कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष वर्धन राव की अगुवाई में 15 से ज्यादा कार्यकताओं ने अचानक जेब में रखा काला कपड़ा निकाला और मुख्यमंत्री के काफिले को दिखाने लगे। काफिले के साथ चल रही गाड़ियों में मौजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। वर्धन राव ने कहा कि आज मुख्यमंत्री नायब सैनी गुरुग्राम पहुंचे थे। वे गुरुग्राम में जेन जी को टारगेट करने के लिए भाजपा पार्टी ने एक टॉस्क दिया है कि जो नौजवान और युवा आपके खिलाफ है, जाकर के उनसे बात करो, संवाद करो उनसे, तो नायब सिंह सैनी का हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी का राहुल गांधी के बब्बर शेरों ने काले झंडों के साथ स्वागत किया। ये स्वागत इसलिए किया कि जिस गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में आप जा रहे हो, उस यूनिवर्सिटी के फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स का अभी तक रिजल्ट नहीं आया है। इस गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में इन्फ्रास्ट्रक्चर के नाम पर सरकार ने शून्य सुविधाएं दे रखी हैं। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी तक जाने के लिए स्थानीय और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बस और ट्रांसपोर्टेशन की कोई सुविधा नहीं है। यूनिवर्सिटी के इतने बदतर हालात हैं, मुख्यमंत्री साहब, उन हालात पर भी जाकर चर्चा करें। इसलिए शहीद भगत सिंह ने कहा था कि बहरों को सुनाने के लिए धमाके की जरूरत होती है। आज गुरुग्राम विश्वविद्यालय पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को छात्रों की गूंज सुनाई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथियों ने छोटा सा धमाका किया और मुख्यमंत्री का घेराव किया है। हम मुख्यमंत्री से निवेदन करना चाहते हैं कि आप सप्ताह में तीन दिन गुरुग्राम आते हैं। जो गुरुग्राम में तोड़फोड़ की व्यवस्था चल रही है। जो अवैध अतिक्रमण हटाने के नाम पर तानाशाही गुंडागर्दी चल रही है, आप उस पर भी ध्यान दें। सीएम सुरक्षा और इंटेलिजेंस में चूक मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान कांग्रेस प्रदर्शनकारियों द्वारा काले झंडे दिखाए जाने के मामले में स्थानीय प्रशासन और इंटेलिजेंस की गंभीर लापरवाही सामने आई है। इस सुरक्षा चूक की जानकारी गृह विभाग तक भी पहुंची है। सूत्रों के मुताबिक कल तक संभावित विरोध प्रदर्शन और वीआईपी रूट पर हंगामे की पहले से कोई भनक नहीं थी, लेकिन देर रात उच्च अधिकारियों को इनपुट मिला। देर रात को पुलिस के कुछ बड़े अधिकारियों ने कांग्रेस नेताओं को फोन करके पूछा भी था, लेकिन इसके बाद भी सीएम रूट पर सख्ती नहीं बरती जाना गंभीर विषय है। प्रदर्शनकारियों का मुख्यमंत्री के काफिले के बिल्कुल नजदीक पहुंच जाना सीधे तौर पर ग्राउंड पर मौजूद टीम पर सवाल है। ग्रीवेंस कमेटी की मीटिंग में 17 समस्याएं सुनीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज गुरुग्राम दौरे पर हैं। वे देर रात ही गुरुग्राम पहुंच गए थे और बाढ़ड़ा के विधायक उमेद सिंह पातुवास की बेटी की सगाई समारोह में शिरकत की। उन्होंने सुबह सिविल लाइंस स्थित स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद हॉल में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में लोगों की समस्याएं सुनी।

संबंध बनाने से मना करने पर पत्नी का मर्डर

पलवल। हरियाणा के पलवल में एक युवक सोहिल ने अपनी पत्नी शगुफ्ता (31) को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया, क्योंकि उसने शराब के नशे में फिजिकल रिलेशन बनाने से मना कर दिया। इसे लेकर दोनों के बीच में खूब झगड़ा हुआ। इसके बावजूद जब पत्नी नहीं मानी तो युवक ने चुन्नी से गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। इसी बीच पत्नी के पास सो रहा उसका डेढ़ महीने का बच्चा जुहान रोने लगा तो युवक ने उसका भी गला दबा दिया। इसके बाद युवक काफी देर तक लाशों के पास ही बैठा रहा। नशा उतरने के बाद जब उसके कुछ नहीं सूझा, तो वह छत पर गया और तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। इसमें उसके दोनों पैरों में गंभीर चोटें लग गईं। इसकी सूचना पर पुलिस पहुंची तो दो हत्याओं का पता चला। इसी बीच आरोपी सोहिल का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसने हत्या वाली रात की पूरी कहानी बताई है।

स्कुलो के दरवाजे पर मीडिया का पहरा, लेकिन बच्चों के हाथों में सोशल मीडिया की खुली दुनिया

कांतिलाल मांडोत

बचपन कभी किताबों, खेल के मैदान, परिवार की बातचीत और दोस्तों की संगत में गुजरता था। आज वही बचपन मोबाइल की चमकती स्क्रीन में सिमटता जा रहा है। बच्चे घर में मौजूद हैं, लेकिन उनका ध्यान कहीं और है। परिवार सामने बैठा है, मगर संवाद कम होता जा रहा है। किताबें अलमारी में बंद हैं और मोबाइल की स्क्रीन दिन-रात खुली है। यह बदलाव केवल जीवनशैली का परिवर्तन नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुका है। राजस्थान में विधानसभा में शिक्षा विभाग की ओर से दिए गए जवाब ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। सरकार से पूछा गया था कि जनवरी 2023 से दिसंबर 2025 के बीच विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से दूर रखने और पुस्तकों, अखबारों तथा पत्रिकाओं के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए कौन-कौन सी योजनाएं चलाई गईं और उन पर कितना बजट खर्च हुआ। जवाब में बताया गया कि इस संबंध में फिलहाल कोई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन या विचाराधीन नहीं है। यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है क्योंकि स्कूलों में मीडिया के प्रवेश को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है, लेकिन बच्चों के हाथों में मौजूद उस डिजिटल दुनिया को लेकर ठोस नीति नजर नहीं आती, जहां वे प्रतिदिन घंटों अपना समय बिता रहे हैं। स्कूल के बाहर मोबाइल पर क्या देखा जा रहा है, किससे बातचीत हो रही है, किस तरह की सामग्री बच्चों तक पहुंच रही है और उसका उनके व्यवहार पर क्या असर पड़ रहा है, इन सवालों का जवाब केवल परिवारों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। मोबाइल और सोशल मीडिया अपने आप में दुश्मन नहीं हैं। तकनीक शिक्षा, जानकारी और संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। समस्या तब पैदा होती है जब तकनीक साधन से बढ़कर आदत और फिर निर्भरता बन जाती है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने, बार-बार सूचनाएं जांचने और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया पाने की आदत बच्चे के ध्यान को लगातार भटका सकती है। बच्चे पढ़ने बैठते हैं तो कुछ ही देर में मोबाइल देखने की इच्छा होती है। किताब का एक पन्ना लंबा लगता है, लेकिन वीडियो की लगातार बदलती तस्वीरें आकर्षित करती रहती हैं। इसका असर धीरे-धीरे पढ़ाई की आदत पर पड़ सकता है। धैर्य से किसी विषय को समझने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है और तत्काल मनोरंजन की आदत गहरी हो सकती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह परिवर्तन अक्सर परिवार को तब दिखाई देता है जब बच्चे के व्यवहार में स्पष्ट बदलाव आने लगता है। वह छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ा होने लगता है, बातचीत से बचता है, परिवार के साथ बैठने में रुचि नहीं दिखाता और मोबाइल हटाने पर असहज या नाराज हो सकता है। हर बच्चे में इसका असर एक जैसा नहीं होता, लेकिन अत्यधिक और अनियंत्रित स्क्रीन इस्तेमाल को सामान्य मान लेना भी उचित नहीं है। चिड़चिड़ापन केवल व्यवहार नहीं, संकेत भी है। बच्चे का चिड़चिड़ापन कई कारणों से हो सकता है। पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक वातावरण, नींद की कमी, सामाजिक परिस्थितियां और अन्य कारण भी इसमें भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन जब मोबाइल और सोशल मीडिया बच्चे की दिनचर्या का केंद्रीय हिस्सा बन जाएं, तब उसके व्यवहार में आए बदलाव पर परिवार और विद्यालय दोनों को ध्यान देना चाहिए। रात देर तक स्क्रीन देखने से नींद की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। नींद पूरी न होने पर अगले दिन थकान, ध्यान की कमी और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। लगातार आभासी दुनिया में रहने से वास्तविक जीवन की बातचीत और गतिविधियों में रुचि कम हो सकती है। बच्चा दोस्तों और परिवार के बीच होते हुए भी मानसिक रूप से स्क्रीन की दुनिया में मौजूद रह सकता है। यही वह स्थिति है जहां माता-पिता को केवल मोबाइल छीन लेने के बजाय बच्चे से बातचीत करनी होगी। डांट और डर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बच्चे को यह समझाना होगा कि मोबाइल जीवन का हिस्सा हो सकता है, जीवन का केंद्र नहीं। परिवार से दूर होता बचपन आज कई घरों में एक अजीब दृश्य दिखाई देता है। एक कमरे में पूरा परिवार बैठा है, लेकिन हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन में व्यस्त है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि माता-पिता स्वयं हर समय मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो केवल बच्चों से मोबाइल दूर रखने की अपेक्षा करना कठिन होगा। बचपन को परिवार की बातचीत चाहिए। दादा-दादी की कहानियां चाहिए। माता-पिता का समय चाहिए। दोस्तों के साथ खेलना चाहिए। मैदान में हार-जीत का अनुभव चाहिए।

मैदान मिले तो ओलंपिक तक उड़ान भर लें गांव की लड़कियां

रक्षा शर्मा

राजस्थान के लूणकरणसर से करीब 20 किमी दूर बसे कुजटी गांव की 17 वर्षीय उर्मिला कबड्डी खेलना चाहती है। उसका सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने और देश के लिए पदक जीतने का है। लेकिन उसके सामने सवाल यह नहीं है कि वह कितना बड़ा सपना देखती है, बल्कि यह है कि उस सपने को आगे बढ़ाने के लिए उसके पास कितनी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस गांव में लड़कियों के लिए नियमित खेल मैदान नहीं है। स्कूल में मैदान जरूर है, लेकिन पढ़ाई और दूसरी गतिविधियों के बीच उर्मिला को अभ्यास के लिए बहुत कम समय मिल पाता है। घर लौटने के बाद घरेलू काम उसकी प्राथमिकता बन जाते हैं। ऐसे में खेल के लिए समय निकालना उसके लिए आसान नहीं है। परिवार और समाज की सोच भी उसके रास्ते को आसान नहीं बनाती। उनके लिए उर्मिला का भविष्य शादी, घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों से जुड़ा है। इसलिए उन्हें लगता है कि उसे खेल के बजाय घरेलू काम सीखने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उर्मिला की कहानी केवल एक लड़की के सपने और संघर्ष की कहानी नहीं है। यह उस सवाल को सामने लाती है कि गांवों में लड़कियों को अपनी पसंद का खेल खेलने और उसमें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर आखिर कितने मिलते हैं? करीब 2500 की आबादी और लगभग 400 घरों वाले कुजटी गाँव में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यहां की साक्षरता दर लगभग 56 प्रतिशत है। पुरुषों की साक्षरता दर 72 प्रतिशत है, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर केवल 40 प्रतिशत है। यह अंतर केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। शिक्षा, खेल और दूसरे अवसरों तक पहुंच में भी लड़कियों और लड़कों के बीच असमानता दिखाई देती है। लड़कों का मैदान में घंटों खेलना अक्सर सामान्य माना जाता है, जबकि लड़कियों के खेलते ही घर के काम, पढ़ाई, सुरक्षा और भविष्य को लेकर सवाल उठने लगते हैं। उर्मिला के माता-पिता की सोच को केवल उनकी व्यक्तिगत सोच कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह उस सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है जिसमें लड़कियों के भविष्य को बचपन से ही घरेलू जिम्मेदारियों के साथ जोड़ दिया जाता है। लड़की को घर का काम सीखना चाहिए, समय पर घर लौटना चाहिए और आगे चलकर परिवार संभालना चाहिए, यह अपेक्षा इतनी सामान्य बना दी गई है कि उसके अपने सपनों के लिए समय मांगना भी कई बार अतिरिक्त मांग जैसा लगने लगता है। हाल ही में ग्लासगो में हुए 2026 राष्ट्रमंडल खेलों ने यह दिखाया है कि जब महिलाओं को खेल के अवसर और प्रशिक्षण मिलते हैं तो उनकी उपलब्धियां कितनी दूर तक जा सकती हैं। भारत ने इन खेलों में कुल 39 पदक जीते, जिनमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। इनमें आठ स्वर्ण अकेले महिला खिलाड़ियों ने ही जीता है। इन उपलब्धियों को केवल पदकों की संख्या के रूप में देखने के बजाय यह समझना जरूरी है कि खेल में महिलाओं की भागीदारी के लिए अवसरों का महत्व कितना बड़ा है। ग्लासगो में अस्मिता डे का स्वर्ण विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। वह राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उनकी सफलता यह बताती है कि किसी खेल में अवसर और प्रशिक्षण मिलने पर महिलाएं उन क्षेत्रों में भी इतिहास रच सकती हैं, जहां भारत की उपस्थिति पहले सीमित रही है। इन महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों का मतलब यह नहीं है कि हर गांव की लड़की को ओलंपिक या राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतना ही चाहिए। असली सवाल इससे पहले का है कि क्या उसे अपनी पसंद का खेल खेलने का अवसर मिला? क्या उसके पास अभ्यास के लिए मैदान है? क्या उसे प्रशिक्षण मिलता है? क्या उसके परिवार ने उसे खेलने के लिए समय दिया?

आस्था का सम्मान, लेकिन गलत बातों पर सवाल जरूरी

धार्मिक ग्रंथों ने हजारों वर्षों से समाज को नैतिक मूल्यों, कर्तव्य, करुणा, संयम, सत्य और परोपकार का संदेश दिया है। यही कारण है कि करोड़ों लोग धार्मिक पुस्तकों को श्रद्धा के साथ पढ़ते और अपने जीवन में उनसे प्रेरणा लेते हैं। लेकिन श्रद्धा का अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी भी पुस्तक में लिखी प्रत्येक बात को बिना प्रश्न किए, बिना संदर्भ समझे और बिना तर्क की कसौटी पर परखे स्वीकार कर लिया जाए। आज सबसे जरूरी प्रश्न यही है कि क्या धार्मिक पुस्तकों में लिखी हर बात को अक्षरशः सत्य मानना चाहिए? यदि किसी कथन में ऐतिहासिक परिस्थिति की छाप है, यदि वह किसी विशेष सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, यदि उसका अर्थ आज के संदर्भ में अलग हो गया है या यदि किसी कथन की व्याख्या मनुष्य के बीच भेदभाव को बढ़ावा देती है, तो उस पर सवाल उठाना क्या धर्म-विरोध है? निश्चित रूप से नहीं। सवाल करना ज्ञान की पहली सीढ़ी है और स्वस्थ समाज की पहचान भी। धर्म और आलोचनात्मक चिंतन को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बड़ी भूल है। आस्था व्यक्ति का निजी विश्वास हो सकती है, लेकिन जब किसी धार्मिक विचार की व्याख्या सार्वजनिक जीवन, कानून, शिक्षा, सामाजिक संबंधों या नागरिक अधिकारों को प्रभावित करने लगे, तब उस विचार पर सार्वजनिक विमर्श स्वाभाविक और आवश्यक हो जाता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

धर्म मनुष्य के जीवन में केवल पूजा-पद्धति या कर्मकांड का विषय नहीं है। वह उसकी आस्था, संस्कृति, नैतिकता, परंपरा और जीवन-दृष्टि से जुड़ा हुआ विषय है। धार्मिक ग्रंथों ने हजारों वर्षों से समाज को नैतिक मूल्यों, कर्तव्य, करुणा, संयम, सत्य और परोपकार का संदेश दिया है। यही कारण है कि करोड़ों लोग धार्मिक पुस्तकों को श्रद्धा के साथ पढ़ते और अपने जीवन में उनसे प्रेरणा लेते हैं। लेकिन श्रद्धा का अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी भी पुस्तक में लिखी प्रत्येक बात को बिना प्रश्न किए, बिना संदर्भ समझे और बिना तर्क की कसौटी पर परखे स्वीकार कर लिया जाए। आज सबसे जरूरी प्रश्न यही है कि क्या धार्मिक पुस्तकों में लिखी हर बात को अक्षरशः सत्य मानना चाहिए? यदि किसी कथन में ऐतिहासिक परिस्थिति की छाप है, यदि वह किसी विशेष सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, यदि उसका अर्थ आज के संदर्भ में अलग हो गया है या यदि किसी कथन की व्याख्या मनुष्य के बीच भेदभाव को बढ़ावा देती है, तो उस पर सवाल उठाना क्या धर्म-विरोध है? निश्चित रूप से नहीं। सवाल करना ज्ञान की पहली सीढ़ी है और स्वस्थ समाज की पहचान भी। धर्म और आलोचनात्मक चिंतन को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बड़ी भूल है। आस्था व्यक्ति का निजी विश्वास हो सकती है, लेकिन जब किसी धार्मिक विचार की व्याख्या सार्वजनिक जीवन, कानून, शिक्षा, सामाजिक संबंधों या नागरिक अधिकारों को प्रभावित करने लगे, तब उस विचार पर सार्वजनिक विमर्श स्वाभाविक और आवश्यक हो जाता है। लोकतंत्र में किसी विचार को केवल इसलिए आलोचना से मुक्त नहीं किया जा सकता कि वह धार्मिक संदर्भ से आया है। यहाँ एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा—धर्म की आलोचना और धार्मिक व्यक्ति का अपमान अलग-अलग बातें हैं। किसी धार्मिक पुस्तक के किसी कथन, उसकी व्याख्या या उसके सामाजिक प्रभाव पर प्रश्न उठाना किसी धर्मावलंबी के सम्मान को ठेस पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं होना चाहिए। आलोचना विचार की होनी चाहिए, व्यक्ति की नहीं। तर्क का जवाब तर्क से दिया जाना चाहिए, भावनात्मक आक्रोश से नहीं। हमारे समाज में अक्सर यह प्रवृत्ति दिखाई देती है कि जब किसी धार्मिक ग्रंथ की किसी बात पर प्रश्न उठता है तो चर्चा का केंद्र उस प्रश्न का उत्तर देने के बजाय प्रश्न पूछने वाले की नीयत बन जाती है। उसे धर्म-विरोधी, परंपरा-विरोधी या समाज-विरोधी कह दिया जाता है। इससे संवाद बंद होता है और कट्टरता बढ़ती है। यदि किसी प्रश्न का उत्तर उपलब्ध है तो उसे शांतिपूर्वक सामने रखा जाना चाहिए। यदि किसी कथन की अलग-अलग व्याख्याएँ हैं तो उन पर चर्चा होनी चाहिए। और यदि कोई बात ऐतिहासिक संदर्भ में थी, तो उसके संदर्भ को समझाया जाना चाहिए। धार्मिक ग्रंथों को उनके समय और परिस्थितियों से काटकर पढ़ना भी समस्या पैदा कर सकता है। हजारों वर्ष पहले का समाज आज के समाज जैसा नहीं था। उस समय की सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था, शिक्षा, विज्ञान, परिवार व्यवस्था और आर्थिक परिस्थितियाँ अलग थीं। इसलिए किसी प्राचीन कथन का अर्थ समझने के लिए उसके मूल संदर्भ, भाषा, प्रतीकों और तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों को समझना आवश्यक है। आधुनिक समय में उसी कथन की शाब्दिक व्याख्या करने से कई बार ऐसी धारणाएँ पैदा हो सकती हैं जो मूल संदर्भ से बिल्कुल अलग हों। इसीलिए धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन केवल श्रद्धा से नहीं, बल्कि ज्ञान, इतिहास, भाषा और दर्शन की दृष्टि से भी होना चाहिए। श्रद्धा मनुष्य को प्रेरणा देती है, जबकि विवेक उसे सही अर्थ समझने में सहायता करता है। दोनों का संतुलन समाज को अधिक परिपक्व बनाता है। सबसे संवेदनशील विषय तब सामने आता है जब किसी धार्मिक कथन की व्याख्या के आधार पर स्त्री-पुरुष असमानता, जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, हिंसा, सामाजिक बहिष्कार या किसी वर्ग के प्रति घृणा को उचित ठहराने का प्रयास किया जाता है। आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की बुनियाद समानता, स्वतंत्रता, गरिमा और न्याय पर है। इसलिए कोई भी व्याख्या यदि मनुष्य की गरिमा को कम करती है तो उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यहाँ संविधान की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग धर्म, संप्रदाय, भाषाएँ और परंपराएँ साथ-साथ रहती हैं। हमारा सामाजिक जीवन किसी एक धार्मिक ग्रंथ के आधार पर नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के आधार पर संचालित होता है। प्रत्येक नागरिक को अपनी धार्मिक आस्था का अधिकार है, लेकिन साथ ही दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता और समानता का सम्मान करना भी आवश्यक है। इसलिए धार्मिक स्वतंत्रता और आलोचनात्मक चिंतन के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। किसी को अपनी आस्था रखने से रोका नहीं जाना चाहिए और किसी को अपनी आस्था के नाम पर दूसरे के अधिकारों का उल्लंघन करने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती। एक और चुनौती है—धार्मिक ग्रंथों की मनमानी व्याख्या। कई बार मूल पुस्तक से अधिक प्रभाव उसकी व्याख्या करने वालों का होता है। एक ही कथन की अलग-अलग विद्वान अलग व्याख्या करते हैं। कोई उसे प्रतीकात्मक मानता है, कोई ऐतिहासिक, कोई आध्यात्मिक और कोई शाब्दिक। ऐसे में यह कहना कि केवल एक व्याख्या ही अंतिम सत्य है, बौद्धिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता। समाज में धार्मिक शिक्षा का उद्देश्य भी केवल यह नहीं होना चाहिए कि व्यक्ति क्या माने, बल्कि यह भी होना चाहिए कि वह क्यों माने। यदि बच्चे प्रश्न पूछेंगे तो उनकी आस्था समाप्त नहीं होगी; बल्कि संभव है कि उनकी समझ अधिक गहरी हो जाए। जिस विश्वास को प्रश्नों से डर लगता है, वह विश्वास कमजोर हो सकता है; लेकिन जो विश्वास प्रश्नों का सामना कर सकता है, वह अधिक परिपक्व और मजबूत बनता है। आज डिजिटल युग में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

डीआईपी पर मोबाइल ग्राहकों का रहेगा पूरा डाटा - नए सिम के नियम होंगे और सख्त

नए सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में अब डिजिटल स्तर पर ग्राहक के मोबाइल कनेक्शनों की व्यापक जांच की जाएगी। इसके लिए दूरसंचार कंपनियों की ओर से उपलब्ध कराया जाने वाला ग्राहक संबंधी डाटा डीआईपी पर एकत्र किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत यह पता लगाया जा सकेगा कि किसी व्यक्ति के नाम पर अलग-अलग टेलीकॉम कंपनियों और विभिन्न सर्विस एरिया में कुल कितने मोबाइल कनेक्शन सक्रिय हैं। इसका सबसे बड़ा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्धारित अधिकतम सीमा से अधिक मोबाइल कनेक्शन किसी एक व्यक्ति के नाम पर न चले और सीमा पूरी होने के बाद उसके नाम पर नया सिम जारी न किया जाए। नई व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण कदम ग्राहकों की फोटो से जुड़ा है। 23 अगस्त से डीआईपी पर उन ग्राहकों की तस्वीरें उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनके नाम पर मोबाइल कनेक्शन की निर्धारित अधिकतम सीमा पूरी हो चुकी है। टेलीकॉम कंपनियों को ऐसी तस्वीरों को प्रतिदिन डाउनलोड करना होगा। नया मोबाइल कनेक्शन जारी करते समय कंपनी को इन तस्वीरों और उपलब्ध डाटा की जांच करनी होगी। यदि जांच में पता चलता है कि संबंधित व्यक्ति पहले ही निर्धारित सीमा तक मोबाइल कनेक्शन ले चुका है, तो उसके नाम पर नया कनेक्शन जारी नहीं किया जा सकेगा।

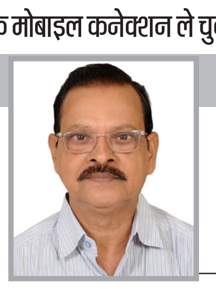

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

देश में मोबाइल कनेक्शन के बढ़ते इस्तेमाल के साथ फर्जी सिम, एक व्यक्ति के नाम पर बड़ी संख्या में मोबाइल कनेक्शन और उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए दूरसंचार व्यवस्था को और सख्त किया जा रहा है। नए सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में अब डिजिटल स्तर पर ग्राहक के मोबाइल कनेक्शनों की व्यापक जांच की जाएगी। इसके लिए दूरसंचार कंपनियों की ओर से उपलब्ध कराया जाने वाला ग्राहक संबंधी डाटा डीआईपी पर एकत्र किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत यह पता लगाया जा सकेगा कि किसी व्यक्ति के नाम पर अलग-अलग टेलीकॉम कंपनियों और विभिन्न सर्विस एरिया में कुल कितने मोबाइल कनेक्शन सक्रिय हैं। इसका सबसे बड़ा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्धारित अधिकतम सीमा से अधिक मोबाइल कनेक्शन किसी एक व्यक्ति के नाम पर न चले और सीमा पूरी होने के बाद उसके नाम पर नया सिम जारी न किया जाए। नई व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण कदम ग्राहकों की फोटो से जुड़ा है। 23 अगस्त से डीआईपी पर उन ग्राहकों की तस्वीरें उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनके नाम पर मोबाइल कनेक्शन की निर्धारित अधिकतम सीमा पूरी हो चुकी है। टेलीकॉम कंपनियों को ऐसी तस्वीरों को प्रतिदिन डाउनलोड करना होगा। नया मोबाइल कनेक्शन जारी करते समय कंपनी को इन तस्वीरों और उपलब्ध डाटा की जांच करनी होगी। यदि जांच में पता चलता है कि संबंधित व्यक्ति पहले ही निर्धारित सीमा तक मोबाइल कनेक्शन ले चुका है, तो उसके नाम पर नया कनेक्शन जारी नहीं किया जा सकेगा। इस व्यवस्था से ग्राहक की पहचान और उसके नाम पर चल रहे मोबाइल नंबरों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। अब तक किसी व्यक्ति के मोबाइल कनेक्शन अलग-अलग टेलीकॉम कंपनियों में बंटे होने के कारण पूरी तस्वीर सामने आना चुनौतीपूर्ण हो सकता था। कोई ग्राहक एक कंपनी का सिम इस्तेमाल कर रहा है, जबकि उसके नाम पर दूसरी कंपनी के कई और नंबर सक्रिय हो सकते हैं। नई व्यवस्था में डीआईपी पर एक ग्राहक के नाम से लिए गए अलग-अलग कंपनियों के कनेक्शनों को समूहित किया जाएगा। यानि किसी व्यक्ति ने देश के अलग-अलग हिस्सों में या अलग-अलग टेलीकॉम कंपनियों से कितने मोबाइल कनेक्शन लिए हैं, इसकी समेकित जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन मामलों में उपयोगी होगी, जहां एक ही पहचान का इस्तेमाल करके बड़ी संख्या में सिम कार्ड लिए जाते हैं। नई व्यवस्था का दायरा केवल नया सिम लेने वाले ग्राहकों तक सीमित नहीं रहेगा। यदि किसी ग्राहक के नाम पर निर्धारित सीमा से अधिक मोबाइल कनेक्शन सक्रिय पाए जाते हैं, तो ऐसे कनेक्शनों पर भी कार्रवाई की जाएगी। रियल टाइम जांच प्रक्रिया पूरी तरह लागू होने तक निर्धारित सीमा से ज्यादा सक्रिय मोबाइल कनेक्शनों को निलंबित करना होगा। निलंबन तब तक जारी रहेगा, जब तक ग्राहक के नाम पर सीमा से अधिक कनेक्शनों को बंद नहीं कर दिया जाता। इसका मतलब यह है कि मोबाइल कनेक्शन की संख्या पर नियंत्रण केवल नया नंबर जारी करते समय ही नहीं, बल्कि पहले से मौजूद कनेक्शनों के मामले में भी लागू होगा। व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की योजना है। शुरूआती चरण में मोबाइल कंपनियों को ग्राहक द्वारा सिम लेने के अगले दिन सत्यापन की सुविधा दी जा सकती है। यानि ग्राहक द्वारा नया सिम लेने के बाद उसके डाटा का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद व्यवस्था को और अधिक मजबूत करते हुए रियल टाइम जांच लागू की जाएगी। तब नया मोबाइल कनेक्शन बुक करने और उसे सक्रिय करने के समय ही यह जांच की जाएगी कि ग्राहक के नाम पर पहले से कितने मोबाइल कनेक्शन मौजूद हैं। 30 नवंबर तक रियल टाइम जांच की व्यवस्था लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद नया सिम जारी करने की प्रक्रिया पहले की तुलना में काफी अधिक स्वचालित और जांच आधारित हो जाएगी। नई व्यवस्था में केवल ग्राहकों की जिम्मेदारी नहीं होगी, बल्कि दूरसंचार कंपनियों की जवाबदेही भी निर्धारित की जाएगी। कंपनियों को ग्राहक से प्राप्त आवश्यक डाटा अनिवार्य रूप से डीआईपी को उपलब्ध कराना होगा। इस डाटा के आधार पर एक व्यक्ति के नाम पर विभिन्न कंपनियों में मौजूद मोबाइल कनेक्शनों की जानकारी को एक साथ जोड़ा जा सकेगा। इससे सिम जारी करने वाली कंपनियों के पास ग्राहक की समग्र स्थिति जांचने का बेहतर माध्यम उपलब्ध होगा। यदि कोई ग्राहक पहले ही निर्धारित सीमा तक कनेक्शन ले चुका है, तो दूसरी कंपनी भी केवल इसलिए नया सिम जारी नहीं कर सकेगी कि उसके पास उस ग्राहक के अन्य कनेक्शनों की जानकारी नहीं है। मोबाइल सिम कार्ड आज केवल बातचीत का माध्यम नहीं रह गया है। बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स और अनेक ऑनलाइन सेवाओं में मोबाइल नंबर महत्वपूर्ण पहचान माध्यम बन चुका है। ऐसे में किसी व्यक्ति के नाम पर बड़ी संख्या में सिम जारी होना सुरक्षा की दृष्टि से भी चिंता का विषय बन सकता है। फर्जी पहचान, गलत दस्तावेज या किसी अन्य व्यक्ति की पहचान का दुरुपयोग करके हासिल किए गए सिम का इस्तेमाल विभिन्न गैरकानूनी गतिविधियों में किए जाने की आशंका रहती है। इसलिए यह जरूरी है कि सिम जारी करने की प्रक्रिया में ग्राहक की पहचान के साथ-साथ उसके नाम पर पहले से मौजूद मोबाइल कनेक्शनों

भारत की चुनावी व्यवस्था की अमेरिकी तारीफ से उठे सवाल ट्रम्प ने दिखाई दुनिया को वोटर आईडी की ताकत

कांतिलाल मांडोत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भारत की चुनावी व्यवस्था और मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था की सार्वजनिक सराहना करना केवल दो देशों की चुनावी प्रणालियों की तुलना भर नहीं है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता भी है। भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ समय से व्यापार, टैरिफ और अन्य मुद्दों को लेकर मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे माहौल में ट्रम्प का भारत की वोटर आईडी व्यवस्था का उदाहरण देकर अमेरिका में भी चुनावी पहचान को अधिक सख्त बनाने की वकालत करना अपने आप में महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच पर भारत की चुनाव प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए सवाल उठाया कि जब भारत में मतदाताओं की पहचान के लिए फोटो पहचान पत्र की व्यवस्था है तो अमेरिका में वैध फोटो आईडी के बिना मतदान की अनुमति क्यों होनी चाहिए। उन्होंने अमेरिकी संसद से ह्रसेव अमेरिका एक्टह्व को पारित करने की अपील करते हुए कहा कि अमेरिकी चुनाव में केवल अमेरिकी नागरिकों को ही मतदान का अधिकार मिलना चाहिए। उनके इस बयान ने एक बार फिर अमेरिका की चुनावी व्यवस्था में मतदाता पहचान और नागरिकता के मुद्दे को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। भारत में मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था कोई अचानक बनाई गई व्यवस्था नहीं है। देश में मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए फोटो पहचान पत्र की शुरूआत कई चरणों में हुई और बाद में इसे पूरे देश में लागू किया गया। 1990 के दशक में चुनाव आयोग ने मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम किया। 1994 से देशभर में इलेक्ट्रोरल फोटो आइडेंटिटी कार्ड यानी ईपीआईसी की व्यवस्था शुरू हुई और बाद में यह व्यवस्था देश के अधिकांश मतदाताओं तक पहुंची। डिजिटल तकनीक के विस्तार के साथ ई-ईपीआईसी की सुविधा भी शुरू की गई। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में चुनाव कराना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। करोड़ों मतदाता, अलग-अलग भाषाएं, भौगोलिक परिस्थितियां और दूरदराज के क्षेत्रों में मतदान केंद्रों तक पहुंच सुनिश्चित करना भारतीय चुनाव व्यवस्था को दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रियाओं में शामिल करता है। इसके बावजूद चुनाव आयोग लगातार मतदाता सूची, पहचान, मतदान केंद्र और चुनावी प्रक्रिया को व्यवस्थित करने की कोशिश करता रहा है। भारत में मतदान के लिए मतदाता पहचान पत्र महत्वपूर्ण दस्तावेज है, हालांकि चुनाव आयोग की निर्धारित व्यवस्था के तहत अन्य स्वीकृत पहचान दस्तावेजों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि मतदान करने वाला व्यक्ति वही है, जिसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है। पहचान की यह व्यवस्था चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता की वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यही वह पहलू है जिसकी ओर ट्रम्प ने अमेरिका के संदर्भ में ध्यान दिलाया है। अमेरिका में चुनाव व्यवस्था भारत से काफी अलग है। वहां चुनाव कराने में राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और मतदाता पहचान से जुड़े नियम भी राज्य के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। कुछ राज्यों में फोटो पहचान पत्र की आवश्यकता अधिक सख्त है, जबकि कुछ राज्यों में पहचान के लिए दूसरे तरीके अपनाए जाते हैं। इसी अंतर को लेकर अमेरिका में वर्षों से राजनीतिक बहस चल रही है। ट्रम्प जिस सेव अमेरिका एक्ट की वकालत कर रहे हैं, उसका उद्देश्य अमेरिकी संघीय चुनावों में मतदाता पंजीकरण और मतदान से जुड़े नियमों को सख्त करना है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत मतदाता पंजीकरण के समय अमेरिकी नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण देने और मतदान के समय फोटो पहचान पत्र दिखाने जैसी शर्तों को मजबूत करने की बात कही गई है। डाक मतपत्रों से जुड़े नियमों को भी अधिक कड़ा करने का प्रस्ताव है। हालांकि यह अभी कानून नहीं बना है और इसे लेकर अमेरिकी राजनीति में गहरा मतभेद है। रिपब्लिकन नेताओं और ट्रम्प समर्थकों का तर्क है कि चुनाव में मतदाता की पहचान और नागरिकता की जांच मजबूत होने से चुनावी प्रक्रिया पर विश्वास बढ़ेगा। उनका मानना है कि मतदान का अधिकार केवल पात्र नागरिकों तक सीमित रहना चाहिए और इसके लिए स्पष्ट पहचान व्यवस्था जरूरी है। दूसरी ओर डेमोक्रेट और इस कानून के विरोधी पक्ष का तर्क है कि अमेरिका में गैर-अमेरिकी नागरिकों का मतदान पहले से ही प्रतिबंधित है।

संक्षिप्त खबरें

मार्ग दुर्घटना में सिक्योरिटी गार्ड की मौत

फरुखाबाद। थाना मऊ दरबाजा क्षेत्र में शुक्रवार को डीसीएम से टकराकर साइकिल सवार सिक्योरिटी गार्ड मुकेश अग्निहोत्री की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना जहानगंज के ग्राम पकरिया निवासी कैलाश चंद अग्निहोत्री का 49 वर्षीय पुत्र मुकेश अग्निहोत्री सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने जा रहा था। वह थाना मऊदरवाजा के ग्राम ग्राम ढिलावल चौराहा व रेलवे अंडरपास के बीच शर्मा फर्नीचर वालों की गोदाम के सामने से गुजर रहा था। उसी समय ढिलावल की ओर से पाइप लदी डीसीएम नाला बघार की ओर जा रही थी। फर्नीचर गोदाम के सामने भी डीसीएम खड़ी थी जिससे मार्ग अवरुद्ध था। जब डीसीएम वहां से गुजर रही थी उसी समय मुकेश पाइप से टकराकर आम के पेड़ की डाल नीचे जा गिरा। पेड़ की डाल के नीचे आने व डीसीएम की चपेट से मुकेश गंभीर रूप से घायल हो गया। एंबुलेंस से लोहिया अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना के बाद सड़क के किनारे खड़ी डीसीएम को चालक लेकर चला गया। पुलिस ने पाइप लदी डीसीएम को कब्जे में लेकर ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। चौकी इंचार्ज रामकेश ने मुकेश के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उत्तर प्रदेश में नौ आईपीएस का तबादला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गुरुवार देर रात शासन ने नौ आईपीएस अफसरों के तबादले किए हैं। इनमें झांसी, मेरठ, गोंडा समेत सात जिलों के पुलिस कप्तान भी शामिल हैं। मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अविनाश पांडेय को पुलिस मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। झांसी के एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति को पांडेय के स्थान पर मेरठ भेजा गया है। बलरामपुर के पुलिस कप्तान विकास कुमार झांसी के नए एसएसपी होंगे। हरदोई में तैनात मार्तण्ड प्रकाश सिंह को बलरामपुर पुलिस अधीक्षक के पद पर नई तैनाती मिली है। संभल में तैनात कृष्ण कुमार को बिजनौर और बिजनौर के पुलिस अधीक्षक अभिषेक को गोंडा का प्रभार सौंपा गया है। बाराबंकी के पुलिस कप्तान विकास चन्द्र त्रिपाठी को संभल की कमान सौंपी गई है। इसके अलावा गोंडा के कप्तान विनीत जायसवाल को सुल्तानपुर और इसी पद पर तैनात सुल्तानपुर की एसपी चारु निगम को शासन ने यूपी-112 का पुलिस अधीक्षक तैनात किया गया है।

वाराणसी में फिर बढ़ने लगा गंगा का जलस्तर

वाराणसी। गंगा का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। गुरुवार की सुबह जलस्तर स्थिर था, लेकिन शाम को बढ़ने लगा। जलस्तर में वृद्धि का स्तर गुरुवार को भी जारी रहा। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार सुबह 8 बजे 68.74 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो चेतावनी बिंदु से मात्र 1.52 मीटर नीचे है। गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद घाटों का आपसी संपर्क टूट गया है। एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीम लगातार निगरानी कर रही है। पिछले दिनों गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही थी। गुरुवार की सुबह जलस्तर स्थिर हो गया। इसके बाद तटवर्ती इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि शाम के वक्त जलस्तर में डेढ़ सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से वृद्धि शुरू हो गई। शुक्रवार की सुबह दो सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से वृद्धि रिकॉर्ड की गई। गंगा का जलस्तर 68.74 मीटर पर पहुंच गया। वाराणसी में गंगा में चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर और खतरे का बिंदु 71.262 मीटर है। गंगा के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए प्रशासन अलर्ट है। पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी ने गुरुवार को बोट से गंगा में भ्रमण किया। गंगा के जलस्तर में वृद्धि के साथ ही वरुणा नदी में भी पलट प्रवाह हो रहा है। इससे आसपास के इलाकों में पानी घुसने लगा है। अधिकारियों ने पूरे इलाके का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

संस्कृत विवि के कॉलेजों में 11 दिन में पूरे करने होंगे प्रवेश

वाराणसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से संबद्ध देशभर के विभिन्न राज्यों में संचालित महाविद्यालयों में शास्त्री और आचार्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश के लिए 31 अगस्त की अंतिम तिथि निर्धारित की है। इस तरह संबद्ध कॉलेजों को महज 11 दिनों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विश्वविद्यालय से संबद्ध यूपी, बिहार, दिल्ली, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर समेत करीब 10 राज्यों में 500 से अधिक कॉलेज संचालित हैं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शास्त्री और आचार्य प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन और प्रवेश कराने का निर्णय लिया गया है। इसको लेकर पहले 10 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन अधिकांश महाविद्यालयों में विद्यार्थियों ने आवेदन नहीं किया था। कुलसचिव राकेश कुमार ने बताया कि 31 अगस्त तक काउंसिलिंग के साथ ही समर्थ पोर्टल में दिए गए नियम के अनुसार फीस भी ऑनलाइन जमा करानी होगी।

भारत-जापान की युवा पीढ़ी का मिलन, मुख्यमंत्री आवास पर गूंजा दोस्ती और भविष्य का संदेश

-मुख्यमंत्री ने जापानी विद्यार्थियों का किया आत्मीय स्वागत- यह दो संस्कृतियों और परंपराओं का मिलन

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री आवास पर शुक्रवार को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसमें कूटनीति की औपचारिकता की जगह बच्चों की मुस्कान थी, भाषाओं की दूरी की जगह संवाद था और दो देशों की संस्कृति के बीच दोस्ती का सहज सेतु बनता दिखाई दे रहा था। उत्तर प्रदेश-जापान निवेश बैठक के क्रम में आयोजित विशेष कार्यक्रम ह्यए डायलॉग विद द फ्यूचरह्ल में जापान के यामानाशी प्रान्त से आए 13 विद्यार्थियों और उनके फैकल्टी सदस्यों ने लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और यामानाशी प्रान्त के गवर्नर कोटारो नागासाकी की मौजूदगी में हुआ यह संवाद आने वाले भारत-जापान संबंधों की उस तस्वीर को सामने ला रहा था, जिसकी नींव आज की युवा पीढ़ी के मन में रखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने जापान के यामानाशी से आए विद्यार्थियों और उनके फैकल्टी सदस्यों तथा लखनऊ के युवा साथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए जापानी अभिवादन ह्यओहायो गोजाइमासुह्ल से अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। यह प्रदेश भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र है और इसे ह्यहार्टलैंड ऑफ इंडियाह्ल के रूप में भी देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिस अवध क्षेत्र में आज यह संवाद हो रहा है, उसी क्षेत्र में अयोध्या स्थित है। अयोध्या मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि है। जापानी विद्यार्थियों ने आगरा में ताजमहल देखा, मथुरा में भगवान् श्री कृष्ण की जन्मभूमि देखा। अब वाराणसी तथा सारनाथ जाने का अवसर उन्हें मिलेगा। सारनाथ में भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना प्रथम उपदेश दिया था। वाराणसी दुनिया की प्राचीनतम नगरियों में से एक है। इस तरह जापान से आए इन विद्यार्थियों के लिए उत्तर प्रदेश की यात्रा भारत की आध्यात्मिकता, संस्कृति और सभ्यतागत विरासत को करीब से जानने का अवसर भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल विद्यार्थियों का मिलन नहीं है। यह दो संस्कृतियों, दो परंपराओं और दो देशों की युवा पीढ़ियों का मिलन है। अगले वर्ष भारत और जापान के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं और ऐसे समय में दोनों देशों के ये विद्यार्थी भविष्य के राजदूत के रूप में इस संबंध को नई ऊंचाई देने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर भारत की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति वाले उत्तर प्रदेश के बच्चे हैं और दूसरी ओर तकनीक, परंपरा और प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाने वाले जापान के बच्चे। एक बच्चा लखनऊ के किसी गांव से आया है और दूसरा जापान के किसी गांव से। एक हिंदी बोलता है, दूसरा जापानी लेकिन दोनों के बीच सबसे बड़ी समानता यह है कि दोनों अपने भविष्य की कहानी लिख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान से आए विद्यार्थियों के लिए भारत की विविधता में एकता, वसुधैव कुटुम्बकम्, भारतीय भाषाओं, दर्शन, पर्व और त्योहारों तथा उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझने का यह अवसर है। उन्होंने कहा कि जापान की नई पीढ़ी भारत को केवल एक बाजार के रूप में नहीं बल्कि एक साझा सभ्यतागत मित्र के रूप में जाने, यह इस संवाद की बड़ी उपलब्धि होगी।

जापान के साथ साझेदारी से प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र को मिलेगी नई गति : ब्रजेश पाठक

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ह्ययूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026ह्ल कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश-जापान के बीच स्वास्थ्य सेवा एवं केयर इकोनॉमी के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विचार व्यक्त किया। ब्रजेश पाठक ने कहा कि जापान के साथ साझेदारी से उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र को नई गति मिलेगी। यह साझेदारी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र को नई गति देने के साथ-साथ युवाओं के लिए कौशल, रोजगार और वैश्विक अवसरों के नए द्वार खोलने में भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को और सुदृढ़ करने, वृद्धजन देखभाल, कौशल विकास, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में जापान के साथ साझेदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के अनुभव, तकनीकी दक्षता और मानव संसाधन को जोड़कर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, आधुनिक केयर सिस्टम और प्रशिक्षित हेल्थकेयर वर्कफोर्स का मजबूत इकोसिस्टम विकसित किया जा सकता है। भारत-जापान की साझेदारी स्वास्थ्य, कौशल और सेवा के क्षेत्र में नए अवसरों की मजबूत नींव है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, अपर मुख्य सचिव (चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) अमित कुमार घोष, प्रमुख सचिव श्रम एवं रोजगार डॉ. एम०के० सुंदरम, प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास हरिओम, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे, निदेशक, स्टेप फाउंडेशन मानसी कासलीवाल एवं जापान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

फरूर्खाबाद में गंगा तट पर सफाई कर लोगों को किया गया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

फरुर्खाबाद। उत्तर प्रदेश के फरूर्खाबाद जनपद में जिला गंगा समिति के तत्वावधान में सावन माह के दृष्टिगत शुक्रवार को पांचाल घाट पर गंगा स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिला परियोजना अधिकारी निहारिका पटेल के निर्देशन में गंगा नदी को स्वच्छ किया गया। अभियान के दौरान गंगा घाट पर फैली प्लास्टिक, पॉलिथीन, खंडित मूर्तियां, कपड़े एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित कर उनका समुचित निस्तारण किया गया। गंगा स्नान एवं पूजा-अर्चना के लिए आए श्रद्धालुओं को गंगा नदी को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। श्रद्धालुओं को गंगा नदी में पूजा सामग्री एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री विसर्जित न करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को गंगा नदी की महत्ता एवं इसकी स्वच्छता के महत्व की जानकारी देते हुए गंगा को स्वच्छ रखने में जनसहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। बाढ़ के दृष्टिगत जल लेने एवं गंगा स्नान के लिए आए कांवरियों तथा श्रद्धालुओं को विशेष सावधानी बरतने के लिए जागरूक किया गया। लोगों को गहरे पानी में न जाने तथा सुरक्षित स्थान पर ही स्नान करने की सलाह दी गई। इसके अतिरिक्त घाट पर मौजूद दुकानदारों, पंडित-पुजारियों एवं नाविकों को भी निर्देशित किया गया कि वे गंगा स्नान एवं पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को गंगा स्वच्छता के प्रति निरंतर जागरूक करें तथा घाट पर किसी भी प्रकार का कूड़ा-कचरा एवं पूजा सामग्री गंगा नदी में न जाने दें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को गंगा नदी को स्वच्छ, निर्मल एवं अविरल बनाए रखने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की गंगा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

वाराणसी: शहनाई सम्राट उस्ताद बिस्मिल्लाह खान पुण्यतिथि पर याद किए गए, कब्र पर चढ़े अकीदत के फूल

–कुरानख्वानी और दुआख्वानी के बाद रिजवान हैदर ने बजाई शहनाई

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में शहनाई सम्राट भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की 20वीं पुण्यतिथि शुक्रवार को दरगाहे-फातमान में मनाई गई। उस्ताद बिस्मिल्लाह खां चैरिटेबल ट्रस्ट की पहल पर दरगाहे फातमान स्थित उस्ताद के कब्र (मकबरे) पर परिजनों के साथ प्रशंसकों ने खेराज-ए-अकीदत पेश किया। कब्र पर अकीदत के फूल चढ़ाने के बाद कुरानख्वानी और दुआख्यानी भी हुई। इसके बाद उस्ताद के पुत्र आफाक हैदर, रिजवान हैदर ने शहनाई बजा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, बिलाल अली ने दुक्कड़ बजाकर अपने दादा की परंपरा को निभाया। इस दौरान करीबी रिश्तेदार, प्रमोद वर्मा, कार्यक्रम संयोजक शकील अहमद जादूगर भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि 21 अगस्त 2006 को शहनाई सम्राट की सासें थम गईं थीं। मरहूम उस्ताद के प्रशंसक और परिजन जयंती और पुण्यतिथि पर साल में दो बार उनके कब्र पर जाकर फातिहा पढ़ने के साथ श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। शकील अहमद जादूगर ने बताया कि 21 मार्च 1916 को बिहार प्रांत के डुमरांव में जन्मे बिस्मिल्लाह खां का असली नाम कमरुद्दीन था। वे छह वर्ष की उम्र में बनारस आ गए और अपने मामा अली बख्श ह्यविलायती के सानिध्य में शहनाई सीखने लगे। 15 अगस्त 1947 को जब भारत आजाद हुआ तो लाल किले की प्राचीर से नए भारत का स्वागत उस्ताद की शहनाई की गूंज से हुआ था।

वृंदावन में निमार्णाधीन मॉल की शटरिंग गिरने से मलबे में दबकर तीन मजदूरों की मौत, एक गंभीर

प्रात : किरण संवाददाता

मथुरा। कोतवाली वृंदावन क्षेत्र के वृंदावन रुक्मिणी विहार गोल चक्कर के पास स्थित ओमेक्स के निमार्णाधीन मॉल में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। चौथी मंजिल पर लेंटर डालने के दौरान अचानक शटरिंग भरभराकर नीचे आ गिरी। हादसे के समय घटनास्थल पर काम कर रहे मजदूर मलबे के नीचे दब गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में कुल चार मजदूर मलबे की चपेट में आ गए। नेपाल निवासी शिवराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पश्चिम बंगाल के रहने वाले आलम और रफीक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। मलबे में दबे चौथे मजदूर दिलदार (पश्चिम बंगाल) की हालत नाजुक है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने राहत व बचाव कार्य का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बताया, हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों को तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन में लगाया गया। दमकल विभाग के गहन सर्च ऑपरेशन के बाद यह पुष्टि कर ली गई है कि अब मलबे में कोई अन्य मजदूर नहीं फंसा है। मृतकों के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है और मामले की जांच कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि परिजनों से लिखित तहरीर प्राप्त होते ही कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संपत्ति विवाद में आईटी कर्मी ने फांसी लगाकर दी जान, बड़ी बहन पर प्रताड़ना का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र अंतर्गत कृष्णापुरम में शुक्रवार को एक आईटी कंपनी के कर्मचारी ने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की। कमरे से मिले सुसाइड नोट में मृतक ने अपनी बड़ी बहन पर जमीन और जेवरात को लेकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान रवि दीक्षित (38) के रूप में हुई है। वह एक आईटी डेटा कंपनी में कार्यरत थे और पिछले करीब चार वर्षों से घर से काम कर रहे थे। उनकी पत्नी ज्योति मिश्रा आज जब कमरे में पहुंचीं तो रवि दुपट्टे के सहारे पंखे से लटके मिले। उन्होंने तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचना दी। रवि का आठ वर्षीय बेटा समर्थ है। पुलिस के मुताबिक, कमरे से मिले सुसाइड नोट में रवि ने अपनी बड़ी बहन छवि पर संपत्ति को लेकर लगातार दबाव बनाने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पत्नी ज्योति ने बताया कि माता-पिता की मृत्यु के बाद से ही रवि और उनकी बड़ी बहन के बीच जमीन और जेवरात को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि बहन लगातार संपत्ति के बंटवारे को लेकर दबाव बना रही थी। ज्योति के अनुसार, 15 अगस्त को भी रवि की बहन घर आई थी और दोनों के बीच संपत्ति को लेकर बातचीत हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौरान बहन ने रवि से कहा था कि चाहे वह जिए या मरे, जमीन लेकर ही रहेगी। पत्नी का कहना है कि इस विवाद के चलते रवि मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे और पहले भी कई बार आत्महत्या करने की बात कह चुके थे। ससुर कैलाश ने भी बताया कि दमाद रवि का अपनी बहन के साथ संपत्ति को लेकर विवाद था। इसी वजह से वह काफी परेशान रहता था। परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। चकेरी थाने के कार्यवाहक प्रभारी जावेद अहमद ने बताया कि घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। रिपोर्ट और सुसाइड नोट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सुसाइड नोट में लगाए गए आरोपों की भी जांच कर रही है।

श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में कल्याण सिंह का योगदान अविस्मरणीय : डॉ. प्रदीप वर्मा

प्रात : किरण संवाददाता

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नव नियुक्त राष्ट्रीय मंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा के अयोध्या आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने स्वागत किया। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद भाजपा के ज़िला मंत्री अभिषेक यादव व युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष भरत श्रीवास्तव के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने पुष्पमालाओं व पुष्पगुच्छ भेंटकर डॉ. प्रदीप वर्मा का स्वागत किया। इसके बाद सरयू गेस्ट हाउस पहुंचे जहां भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव व जिला उपाध्यक्ष लालचंद चौरसिया ने डॉ. वर्मा से भेंटकर उनका स्वागत किया। राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने शुक्रवार को हनुमान गढ़ी व राम मंदिर पहुंचकर रामलला का दर्शन किया। दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने अपने सिद्धांतों और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से सार्वजनिक जीवन में एक ऐसी अमिट छाप छोड़ी, जो सदैव प्रेरणा देती रहेगी।

हाईवे पर नहीं चलेंगे टेंपो, 280 एलपीजी ऑटो तीन माह में होंगे सीएनजी, मंडलायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में गुरुवार को रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑथोरिटी (आरटीए) परिवहन विभाग की बैठक हुई। इसमें मंडल के विभिन्न जिलों की परिवहन व्यवस्था, वाहन परमिट, सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। मंडलायुक्त ने हाईवे पर टेंपो संचालन पर रोक लगाने और एपीजी संचालित 280 ऑटो रिक्शा को तीन माह के अंदर सीएनजी में बदलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निदेर्शों का कड़ाई से पालन कराया जाना चाहिए। लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तय है। मंडलायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि राजमार्गों पर निर्धारित अनुमन्य दूरी के अतिरिक्त टेंपो का संचालन पूरी तरह रोका जाए। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए वाहनों के संचालन में निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराने पर भी जोर दिया गया। मंडलायुक्त ने एलपीजी सिलेंडर से संचालित करीब 280 ऑटो रिक्शा का संचालन रोकते हुए उन्हें तीन माह के भीतर सीएनजी में परिवर्तित कराने के निर्देश दिए। परिवहन अधिकारियों को इस प्रक्रिया की निगरानी करने को कहा गया, ताकि निर्धारित समय सीमा में कन्वर्जन सुनिश्चित हो सके। शहर में पहले से बड़ी संख्या में ऑटो के परमिट होने के कारण यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नए ऑटो परमिट जारी करने पर रोक के संबंध में भी बैठक में चर्चा हुई। अधिकारियों ने शहर में बढ़ते ऑटो दबाव और सुगम यातायात व्यवस्था से जुड़े पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। वहीं, प्राइवेट बस संचालकों की ओर से बड़ी बसों के स्थान पर मिनी बसों के संचालन की मांग भी बैठक में रखी गई। मंडलायुक्त ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को इस मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बीएचयू में एमए छात्र रौनक मिश्रा निलंबित, परिसर में प्रवेश पर रोक

वाराणसी। बीएचयू प्रशासन ने अनुशासनहीनता से जुड़े मामलों में एमए के छात्र रौनक मिश्रा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। विश्वविद्यालय ने उसे निलंबित करते हुए ईसीआर-264 के तहत विभिन्न प्रतिबंध लागू किए हैं। निलंबन की अवधि में छात्र को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा छात्रावास और विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है। इस दौरान रौनक मिश्रा के विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश पर भी प्रतिबंध रहेगा। डिप्टी रजिस्ट्रार रंजीत शांडिल्य की ओर से जारी आदेश के अनुसार, रौनक मिश्रा के खिलाफ पांच प्राथमिकी दर्ज

पूर्व वायुसेना के सैनिक रामेश्वर दत्त मिश्र का निधन, नेत्रदान कर दे गए मानवता का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर,। भारतीय वायुसेना के पूर्व सैनिक एवं नागरिक सुरक्षा कोर के पूर्व डिवीजनल वार्डन रामेश्वर दत्त मिश्र का शुक्रवार को 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गोरखनाथ क्षेत्र स्थित एक चिकित्सालय में उपचार के दौरान हृदयाघात होने से उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना मिलते ही परिजनों, शुभचिंतकों और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। भारतीय वायुसेना में सेवाकाल के दौरान अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा को जीवन का ध्येय बनाने वाले रामेश्वर दत्त मिश्र ने सेवानिवृत्ति के बाद भी सामाजिक दायित्वों से स्वयं को अलग नहीं किया। उन्होंने नागरिक सुरक्षा कोर में डिवीजनल वार्डन के रूप में भी सेवाएं दीं और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे। जीवन भर सेवा और मानवता के मूल्यों को आत्मसात करने वाले रामेश्वर दत्त मिश्र ने मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन में उजाला भरने का संकल्प लिया था।

बिजनौर को मिला नया पुलिस कप्तान: संभल की संवेदनशील कमान संभाल चुके कृष्ण कुमार बिश्नोई पर अब जिले की सुरक्षा की जिम्मेदारी

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। उत्तर प्रदेश शासन ने देर रात आईपीएस अधिकारियों के तबादलों की सूची जारी करते हुए बिजनौर की पुलिस कमान में बड़ा बदलाव किया है। बिजनौर के पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा का तबादला गोंडा कर दिया गया है, जबकि संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई को बिजनौर का नया पुलिस कप्तान बनाया गया है। नए पुलिस अधीक्षक के सामने कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने, अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने की बड़ी चुनौती होगी। संवेदनशील संभल के बाद अब बिजनौर की कमान कृष्ण कुमार बिश्नोई वर्ष 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। संभल जैसे संवेदनशील जिले में लंबे समय तक पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी संभालने के बाद अब उन्हें बिजनौर भेजा गया है। उनके कार्यकाल का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा कि उन्हें संवेदनशील कानून-व्यवस्था से जुड़ी परिस्थितियों में पुलिस नेतृत्व करने का अनुभव मिला। नवंबर 2024 में संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान उत्पन्न हिंसक परिस्थितियां उनके कार्यकाल की सबसे चुनौतीपूर्ण घटनाओं में शामिल रहीं। ऐसी परिस्थितियों में पुलिस बल के साथ मौके पर नेतृत्व करने और कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करने की उनकी भूमिका चर्चा में रही। यही अनुभव अब बिजनौर में उनके लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बिजनौर भौगोलिक और सामाजिक दृष्टि से विविधता वाला जिला है, जहां ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर नगरों तक कानून-व्यवस्था की अपनी अलग चुनौतियां हैं। पढ़ाई भी अलग, पुलिसिंग का अनुभव भी व्यापक कृष्ण कुमार बिश्नोई की शैक्षिक पृष्ठभूमि भी उल्लेखनीय है। उपलब्ध आधिकारिक विवरण के अनुसार उन्होंने राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र में स्नातक, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा में परास्नातक तथा चीनी अध्ययन में एमफिल किया है। उनके बारे में उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की और विदेश में भी अध्ययन किया। पुलिस सेवा में आने के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में जिम्मेदारियां संभालीं। गोरखपुर में नगर पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न पदों पर काम करने के बाद उन्हें संभल जैसे संवेदनशील जिले की कमान मिली। उनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि और विभिन्न क्षेत्रों में काम करने का अनुभव प्रशासनिक एवं कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों को व्यापक दृष्टिकोण से समझने में मददगार माना जाता है। कृष्ण कुमार बिश्नोई को पुलिस सेवा के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रशस्तियां और सम्मान मिल चुके हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस के आधिकारिक रिकॉर्ड में उनके नाम डीजीपी कमेंडेशन डिस्क सिल्वर, गोल्ड और प्लैटिनम तथा मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक जैसे सम्मान दर्ज हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिजनौर (जनपद बिजनौर)

अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बिजनौर द्वारा एकमुश्त समाधान योजना (ओ.टी.एस.) दिनांक 15 अगस्त, 2026 से 15 दिसम्बर, 2026 तक लागू किया जा रहा है, जिसमें सम्पत्ति कर (गृहकर / जलकर / सीवरकर) की समस्त बकाया धनराशि एकमुश्त पूर्ण भुगतान किये जाने पर ब्याज पर शत-प्रतिशत छूट प्रदान की जा रही हैं। एकमुश्त समाधान योजना (ओ.टी.एस.) हेतु आवेदन किए जाने की अवधि दिनांक 15.08.2026 से 14.11.2026 तक होगी तथा आवेदन ऑनलाइन/ऑफलाइन दोनो माध्यमों से कार्यालय नगर पालिका परिषद बिजनौर में किया जा सकेगा।

अतः समस्त सम्मानित करदाताओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 15 दिसम्बर, 2026 तक अपने भवन / भूमि/प्रतिष्ठान का सम्पत्तिकर के बकाया धनराशि का शत-प्रतिशत भुगतान करते हुये ब्याज में छूट का लाभ उठायें।

(रामपाल)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बिजनौर

(इन्दिरा सिंह)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद बिजनौर

संक्षिप्त खबरें

कल्याण सिंह के आदर्श एवं विचार सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित सरकारी आवास, सात कालिदास मार्ग पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल, ह्यपद्म विभूषणह्न से सम्मानित कल्याण सिंह ह्यबाबूजीह्न की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि श्रद्धेय कल्याण सिंह का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और सांस्कृतिक स्वाभिमान के प्रति अटूट समर्पण की प्रेरणादायी मिसाल है। उनके आदर्श एवं विचार सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बात जब राष्ट्रवाद के विरोध और तुष्टीकरण के जरिए वोट साधने की हो तो कांग्रेस व समाजवादी पार्टी (सपा) दोनों एक ही कुंड में गोता लगाने में कतई परहेज नहीं करते हैं। देश के स्वाभिमान से समझौता करने में दोनों एक-दूसरे पर बीस हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस को राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरम्ह्न से परहेज है। वहीं समाजवादी पार्टी राग अलाप रही है कि उसकी सरकार बनने पर अपने उस तुर्रम खां मुस्लिम नेता को गृह मंत्री बनाएगी जो भारत माता को डायन कहता रहा हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की बात करने पर दोनों कान में तेल डालकर सो जाते हैं। दोनों दलों को समझना चाहिए 2047 में विकसित भारत का संकल्प पूरा होने तक जनता न तो उत्तर प्रदेश में सपा को सत्ता सौंपने वाली है और न देश की बागडोर कांग्रेस को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार देश और प्रदेश को दिन दूनी, रात चौगुनी गति से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा रही है। मोदी का ईमानदार नेतृत्व विकास, सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित है। जनता को देश बनाने वाले चाहिए, लूटने वाले नहीं। विकास करने वाले चाहिए, दंगा और तुष्टीकरण कराने वाले नहीं। कांग्रेस ह्यसांपनाथह्न है और सपा ह्यनागनाथह्न है। इसलिए जनता को बचाना भाजपा का राष्ट्रधर्म है।

सावन में बाबा विश्वनाथ के दर्शन को उमड़ रहा श्रद्धालुओं का रेला

वाराणसी। सावन के पावन महीने में बाबा विश्वनाथ के दरबार में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ के बीच दर्शन-पूजन की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि सावन के 19 दिनों में अब तक 53 लाख 69 हजार 634 शिवभक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर चुके हैं। पूरे सावन मास में करीब 80 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया कि सावन के प्रत्येक सोमवार को लगभग साढ़े पांच लाख श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए अधिक समय तक इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। वर्तमान में दर्शन के लिए वेटिंग टाइम करीब 25 से 30 मिनट का है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण पर जोर

12 सितंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, तहसीलदारों को दिए गए आवश्यक निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

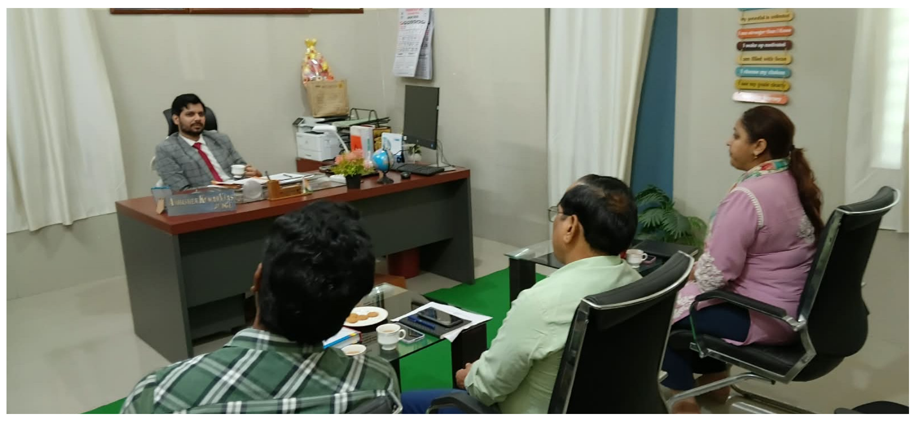

अमरोहा। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान में तहसीलदारों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने की। इसमें जनपद के समस्त तहसीलदारों ने प्रतिभाग किया। बैठक में सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने कहा कि लोक अदालत आमजन को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने तहसीलदारों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित राजस्व एवं अन्य मामलों को चिह्नित कर अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण आगामी लोक अदालत में कराने की तैयारी सुनिश्चित करें। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश लोक अदालत एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ज्योति चौधरी ने भी तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों की सूची तैयार कर वादकारियों को लोक अदालत में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही लोक अदालत के संबंध में आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया।उन्होंने बताया कि लोक अदालत में आपसी सहमति के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जाता है, जिससे वादकारियों के समय और धन दोनों की बचत होती है। बैठक में सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए गए। अंत में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी अधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाते हुए 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने की अपील की।

शहीद सैनिकों के सम्मान और मिशन-2027 की सफलता पर मंथन

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय मंडी समिति रोड पर शुक्रवार को समाजवादी सैनिक प्रकोष्ठ की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष संजय कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सैनिकों के सम्मान, अग्निवीर योजना और मिशन-2027 की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष संजय कुमार यादव ने कहा कि सपा संस्थापक एवं पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में सैनिकों के सम्मान को बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य हुआ। उन्होंने कहा कि पूर्व में सीमा पर शहीद होने वाले सैनिकों का पार्थिव शरीर घर नहीं पहुंचता था, लेकिन नेताजी ने नियमों में संशोधन कराकर शहीद सैनिकों के पार्थिव शरीर को सम्मान के साथ उनके घर पहुंचाने की व्यवस्था कराई। उन्होंने इसके लिए नेताजी के प्रति आभार व्यक्त किया। सपा जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने कहा कि केंद्र की अग्निवीर योजना युवाओं के भविष्य के लिए उचित नहीं है। उन्होंने भाजपा सरकार पर रोजगार, शिक्षा, किसानों और गरीबों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। कहा कि किसान फसल के उचित मूल्य और उर्वरक की समस्या से जूझ रहा है, जबकि शिक्षित युवा रोजगार के लिए परेशान हैं। जिला उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता संतराम सिंह यादव ने कहा कि देश के विकास के लिए वैज्ञानिक सोच, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और किसानों की प्रगति जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मिशन-2027 की सफलता के लिए एकजुट होकर मेहनत करने का आह्वान किया। बैठक में नरेश कुमार, जितेंद्र कुमार, राजवीर सिंह, अशोक यादव, शाहजेब खां, संजय सिंह, रजनीश यादव, मुकेश कुमार, राजीव कुमार, जोगिंदर सिंह, सर्वेश सैनी, रविपाल चिकारा, मयंक अग्रवाल, सूरज राणा, मोहम्मद अलीमुद्दीन सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोनी पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान बदमाश को किया लंगड़ा

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार तड़के मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हुए 50 लाख रुपये की चोरी के आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण, बाइक और एक अवैध तमंचा बरामद करने का दावा किया है। एसीपी लोनी रामकृष्ण सिंह के अनुसार लोनी कोतवाली प्रभारी योगेंद्र सिंह को सूचना मिली थी कि दिल्ली एनसीआर में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाला बदमाश एक बार फिर से किसी वारदात को अंजाम देने के इरादे से लोनी आने वाला है। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर वह तुरंत पुलिस टीम के साथ निठौर मार्ग अंडरपास के निकट पहुंच गए और चेकिंग अभियान में जुट गए। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में उनकी ओर आ रहे एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया तो उसने जैसे ही वापस मुड़कर भगाने का प्रयास किया उसकी बाइक फिसल गई, अपने को घिरता हुआ देख बाइक सवार बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगने से उसे वहीं दबोच लिया। पकड़े गए घायल बदमाश से पुलिस पूछताछ के दौरान अपना नाम सचिन निवासी रूपनगर लोनी बताया, जिसने ने यह भी कबूल किया कि उसने 20 अगस्त की रात गिरी मार्केट में रहने वाले अंकित गुप्ता के यहां से आभूषण चोरी किए थे। पुलिस ने सचिन से चोरी किए आभूषण के अलावा उसके कब्जे से एक मोटरसाइकिल, एक अवैध तमंचा तथा कारतूस बरामद करने की जानकारी दी है।

रक्षाबंधन के दिन रहे चार..बाजार हुए गुलजार

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। बहन-भाई के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व 28 अगस्त का दिन निकट है। इस खास मौके के मध्य नजर बाजारों में राखी, मिठाइयां व अन्य श्रृंगार का सामान बेचने वाले दुकानदारों ने अपनी दुकानें एक अलग ही अंदाज में सजाई है। जबकि युवा पीढ़ी द्वारा उनकी खास पसंद विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी पतंग खरीदारी का सिलसिला अभी से खूब देखने को मिल रहा है। 28 अगस्त के दिन जब रक्षाबंधन पर्व समीप है, अब बहनों के इंतजार की घड़ी भी समाप्ति की ओर है। वह पहले से ही अपने भाइयों के लिए अपनी मनपसंद राखी खरीदने में लगी है। वही भाई भी अपनी बहनों को खुश करने के लिए उनके पसंद तोहफे खरीदते हुए देखे जा रहे हैं। वहीं पतंग बेचने वाले दुकानदारों के यहां खास तौर पर युवा पीढ़ी की भीड़ सबसे अधिक देखने को मिल रही है। जो 15 अगस्त से पूर्व ही पतंग, डोर खरीदकर लगातार पतंग उड़ाने का लुफ्त उठाते आ रहे हैं।

-खरीदारों की भीड़ बनी बाजार की रौनक

रक्षाबंधन पर्व के इस खास मौके पर दुकानदारों द्वारा जहां बहनों की खरीदारी का विशेष ध्यान रखा गया है। वहीं भाइयों के लिए भी उन्होंने एक से बढ़कर एक तोहफे खरीदने की व्यवस्था की है दुकानदारों ने रक्षाबंधन त्यौहार के मद्देनजर अन्य सामानों के साथ-साथ अपनी दुकानों पर एक से बढ़कर एक अलग ही अंदाज में राखियां सजा रखी है।

बालिकाओं संग भोजन कर डीएम ने परखी गुणवत्ता, पढ़ाई और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने शुक्रवार को विकासखंड मोहम्मदपुर देवमल क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, धर्मनगरी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में बालिकाओं की पढ़ाई, भोजन, स्वच्छता और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए छात्राओं से सीधे संवाद किया। अंग्रेजी विषय की परीक्षा के बाद जिलाधिकारी ने बालिकाओं से उनकी पढ़ाई और विद्यालय की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। छात्राओं ने बताया कि विद्यालय में पढ़ाई सुचारु रूप से हो रही है। इसके बाद जिलाधिकारी ने विद्यालय की भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया। वार्डन ने बताया कि छात्राओं को निर्धारित मेन्यू के अनुसार सुबह फल व दूध, दोपहर में दाल, चावल, रोटी, सब्जी, रायता और सलाद तथा शाम को चाय, बिस्किट, चने व परमल दिया जाता है। रात्रि भोजन भी निर्धारित समय पर उपलब्ध कराया जाता है। डीएम ने रसोईघर के सामने बरामदे में तैयार हो रहे भोजन का निरीक्षण किया और भोजन को सुरक्षित व स्वच्छ स्थान पर रखने के निर्देश दिए। भोजन की गुणवत्ता और स्वाद को स्वयं परखने के लिए उन्होंने छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया। भोजन से पहले उन्होंने बालिकाओं के साथ प्रार्थना में भी सहभागिता की। जिलाधिकारी ने छात्राओं से सामान्य ज्ञान के सवाल पूछकर उनकी बौद्धिक क्षमता और जागरूकता भी परखी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का नाम पूछे जाने पर सभी छात्राओं ने एक स्वर में योगी आदित्यनाथ का नाम बताया। जिलाधिकारी ने बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित रूप से फल खाने, भोजन से पहले हाथ अच्छी तरह धोने तथा मेहनत और लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान वार्डन ने विद्यालय की एक ओर की बाउंड्रीवाल गिरने की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को बाउंड्रीवाल के पुनर्निर्माण की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय में छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और शैक्षणिक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के साथ बेहतर बनाए रखने पर

सेवा कार्यों के विस्तार का संकल्प लेकर आगे बढ़ा रोटरी क्लब आकर्षण

नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता व सचिव तरुण अग्रवाल ने लक्ष्यों को पूरा करने का दिया भरोसा

प्रात: किरण संवाददाता

हसनपुर। नगर के एक बैंक्वेट हॉल में रोटरी क्लब ह्यआकर्षणह्न हसनपुर की इंस्टालेशन सेरेमनी एवं रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3100 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की ऑफिशियल विजिट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर वर्ष 2026-27 श्रीमती पायल गौड़ रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर वर्ष 2028-29 श्री प्रतीश कुमार सिंह रहे। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर श्रीमती पायल गौड़ ने क्लब पदाधिकारियों एवं सदस्यों से अधिक से अधिक नए सदस्यों को जोड़ने तथा समाजसेवा के कार्यों का विस्तार करने का आह्वान किया। उन्होंने रोटरी क्लब आकर्षण के माध्यम से कम से कम 10 इंट्रैक्ट क्लब और दो रोट्रेक्ट क्लब स्थापित करने का लक्ष्य रखने को कहा। नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता एवं सचिव तरुण अग्रवाल ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को आश्वासन दिया कि निर्धारित लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। श्रीमती गौड़ ने कहा कि क्लब चाहे तो इंटरनेशनल ग्लोबल ग्रांट के माध्यम से हसनपुर में आई हॉस्पिटल की स्थापना भी की जा सकती है। इस पर क्लब सदस्यों ने सहमति जताते हुए अस्पताल के लिए जल्द भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन डी.के. शर्मा ने क्लब को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन देने की बात कही। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2028-29 रोटेरियन प्रतीश कुमार सिंह और असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ऑफिशियल विजिट संजीव कुमार बंसल ने भी क्लब को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में रोटरी क्लब महान मेरठ के पास्ट प्रेसिडेंट अजय अग्रवाल तथा रोटरी क्लब आस्था हसनपुर के पास्ट प्रेसिडेंट अक्षी अग्रवाल सहित अन्य अतिथियों का माल्यार्पण कर एवं प्रतीक चिह्न प्रदान कर स्वागत किया गया। संचालन वरिष्ठ रोटेरियन एडवोकेट महेंद्र कुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर क्लब ट्रेनर एवं मंडल 3100 आईटी डायरेक्टर आदेश कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष पब्लिक इमेज लवकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल सर्राफ, संस्थापक अध्यक्ष संगीता अग्रवाल, संस्थापक सचिव डॉ. ऋचा गुप्ता, संजय गर्ग, मोहित शर्मा, विवेक गर्ग, सचिन कसाना, अमित अग्रवाल (महल), पुलकित अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल (हनी), मोहित अग्रवाल, इनर व्हील क्लब अध्यक्ष सारिका अग्रवाल, निशा शर्मा, नैंसी अग्रवाल, नैना अग्रवाल, अलका अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन मौजूद रहे।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में सांसद चंद्रशेखर आजाद का औचक निरीक्षण

विद्यालय में छात्राओं से संवाद, व्यवस्थाओं का सांसद ने लिया जायजा

नगीना में पानी की टंकी की समस्या से रूबरू हुए सांसद आजाद

प्रात: किरण संवाददाता

धामपुर। नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद ने अपने तीन दिवसीय लोकसभा क्षेत्र प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर जनता की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। मंगलवार को सांसद ने बिजनौर विकास भवन में आयोजित दिशा समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सांसद ने नगीना लोकसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की तथा क्षेत्र के विकास से जुड़े कई प्रस्ताव भी रखे। बुधवार को सांसद ने धामपुर के ग्राम जैतरा स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। सांसद ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कई मामलों में संबंधित विभाग के अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर मौके पर ही समाधान कराने के निर्देश दिए। गुरुवार को सांसद ने नगीना-धामपुर मार्ग स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पुरैनी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, शिक्षा की गुणवत्ता और रहन-सहन की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। सांसद छात्राओं के बीच बैठकर उनसे सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सांसद ने विद्यालय में कुछ मूलभूत सुविधाओं की कमी महसूस की। उन्होंने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनके लिए सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता और रहन-सहन में किसी प्रकार की कमी नहीं आनी चाहिए। सांसद ने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के शिक्षा संबंधी विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके बाद सांसद नगीना पहुंचे, जहां नगरवासियों ने क्षेत्र में पानी की टंकी से जुड़ी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। सांसद ने मौके पर पहुंचकर पानी की टंकी की समस्या का निरीक्षण किया और स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्या के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि रोहित सागर, भीम आर्मी के जिला महासचिव रजनीश कुमार, परवेज पासी, आरिफ मलिक सहित अनेक कार्यकर्ता एवं नगरवासी मौजूद रहे।

मालिन नदी के तेज बहाव से 20 गांवों का संपर्क मार्ग बाधित, किसानों ने डीएम से कार्रवाई की मांग

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। मालिन नदी के तेज बहाव के कारण बरमपुर से पुंडरी कलां, बरकातपुर और शुगर मिल को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त होने से करीब 20 गांवों के ग्रामीणों के सामने आवागमन का संकट खड़ा हो गया है। किसान मजदूर संगठन (पूर्ण) ने जिलाधिकारी को पत्र देकर क्षतिग्रस्त मार्ग की तत्काल मरम्मत कराने तथा नदी के कटान को रोकने की मांग की है। संगठन के अनुसार, पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाया गया संपर्क मार्ग मालिन नदी के तेज बहाव की चपेट में आकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे पैदल और वाहनों का आवागमन प्रभावित है। किसानों को खेतों तक आने-जाने तथा चारा लाने-ले जाने में परेशानी हो रही है। संगठन ने आशंका जताई है कि मार्ग जल्द बहाल नहीं हुआ तो किसानों के गन्ने की मिल तक आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। शिकायती पत्र में बरमपुर मार्ग पर मालिन नदी के बहाव को कथित रूप से मोड़ने का आरोप भी लगाया गया है। संगठन का कहना है कि नदी में पत्थरों की एल-शेप संरचना बनाए जाने से पानी का बहाव बरमपुर की ओर गाटा संख्या 495 में हो रहा है, जिससे कटान के कारण छोटे किसानों और ग्राम समाज की संपत्ति को नुकसान पहुंचने की स्थिति बनी हुई है। संगठन ने मामले की तत्काल जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। इसके अलावा ब्लॉक मौअज्जमपुर देवमल क्षेत्र के ग्राम शहबाजपुर में बिजनौर-हरिद्वार मार्ग से शहबाजपुर और नारायणपुर को जोड़ने वाले मार्ग पर नहर की पुलिया करीब छह माह से टूटी होने की शिकायत की गई है। संगठन का दावा है कि विभागीय अधिकारियों को कई बार अवगत कराने के बावजूद पुलिया की मरम्मत नहीं कराई गई।

एएसएम इंटर कॉलेज में आयोजित संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने खुलकर साझा की अपनी जिज्ञासाएं

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। एएसएम इंटर कॉलेज, खाता में शुक्रवार को जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक ने छात्र-छात्राओं के साथ संवाद कर उनके करियर से जुड़े सवालों के जवाब दिए। विद्यार्थियों ने यूपीएससी, सिविल सर्विसेज, एनडीए, हिंदी माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, पढ़ाई के दौरान मानसिक दबाव और देश सेवा जैसे विषयों पर अधिकारियों से सवाल पूछे। कक्षा 9 की छात्रा राबिया ने यूपीएससी की तैयारी के लिए अभी से विकसित की जाने वाली आदतों और स्किल के बारे में सवाल किया। डीएम ने विद्यार्थियों को स्कूली पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के साथ खेल एवं अन्य गतिविधियों में प्रतिभाग करने तथा महत्वपूर्ण समाचार पढ़ने की आदत विकसित करने की सलाह दी। कक्षा 12 की छात्रा काजल ने देश सेवा के लिए उपयुक्त क्षेत्र के बारे में पूछा। डीएम ने कहा कि देश सेवा केवल प्रशासनिक या पुलिस सेवा में जाकर ही नहीं, बल्कि किसी भी क्षेत्र में ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करके की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को रोजगार मांगने के साथ रोजगार देने वाला बनने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सादिया खान ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की प्रशासनिक चुनौतियों पर सवाल किया। डीएम ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं वैष्णवी ने हिंदी माध्यम से यूपीएससी की तैयारी को लेकर सवाल किया। डीएम ने कहा कि वर्तमान समय में हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन सामग्री और ऑनलाइन संसाधन उपलब्ध हैं। नियमित अभ्यास से सफलता की राह आसान हो सकती है। पुलिस अधीक्षक ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं हिंदी माध्यम से परीक्षा दी है। उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी के साथ अंग्रेजी के समाचार पत्र पढ़ने की भी सलाह दी। भूमिका ने एनडीए एवं सिविल सर्विसेज की तैयारी के दौरान मानसिक दबाव और लंबे समय तक फोकस बनाए रखने को लेकर सवाल किया। डीएम ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेल, मनोरंजन और रुचिकर गतिविधियों के लिए भी समय निकालना चाहिए। मानसिक रूप से संतुलित रहकर ही लंबी अवधि की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी प्रभावी ढंग से की जा सकती है। छात्रा नूर ए मिन्हा ने परिवार की इच्छा और अपनी रुचि के बीच करियर चयन को लेकर सवाल किया। डीएम ने विद्यार्थियों को अपनी रुचि और लक्ष्य को समझकर करियर चुनने की सलाह दी। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मेडिकल क्षेत्र की शैक्षिक पृष्ठभूमि के बावजूद आगे चलकर उनकी रुचि सिविल सर्विसेज की ओर विकसित हुई। जयंत कुमार ने स्कूली शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के अंतर पर सवाल किया।

नए कप्तान के आगमन पर शिवसैनिकों ने जताई खुशी, अपराध और भ्रष्टाचार पर लगाम

बिजनौर/चांदपुर। बसंती धर्मशाला चांदपुर में शिवसेना बिजनौर की बैठक जिला उप प्रमुख मुकेश लांबा की अध्यक्षता और संदीप उर्फ बिल्ला के संचालन में हुई। बैठक में नए पुलिस कप्तान के.के. बिश्नोई के आगमन तथा पूर्व पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा के स्थानांतरण पर शिवसैनिकों ने खुशी का इजहार किया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। बैठक को संबोधित करते हुए शिवसेना के जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह ने कहा कि नए पुलिस कप्तान के आगमन से जिले की जनता को बेहतर कानून-व्यवस्था और निष्पक्ष पुलिसिंग की उम्मीद जगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व कार्यकाल में जिले में लूट, हत्या, अपहरण, भ्रष्टाचार, नाबालिग बच्चियों के गायब होने तथा भू-माफिया द्वारा जमीनों पर कब्जे जैसी शिकायतें सामने आती रही हैं और पीड़ितों को न्याय के लिए परेशानी उठानी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि इन आरोपों और शिकायतों की निष्पक्ष जांच तथा वास्तविक स्थिति का आकलन संबंधित अधिकारियों द्वारा किया जाना चाहिए। जिला प्रमुख ने कहा कि शिवसेना को उम्मीद है कि नए कप्तान जिले में भयमुक्त वातावरण कायम करने के साथ अपराधियों, भू-माफिया और गुंडागर्दी पर प्रभावी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और पीड़ितों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई से आम जनता का पुलिस पर विश्वास और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि नए पुलिस कप्तान की ईमानदारी को लेकर चर्चाएं सुनी गई हैं और उम्मीद है कि वह कानून के दायरे में निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए बिजनौर की जनता को न्याय दिलाने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। बैठक में गुड्डू रवि, दिनेश प्रजापति, पुलकित त्यागी, तेजपाल कश्यप, सुभाष शर्मा, सुरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक मौजूद रहे।

किसानों की सात सूत्रीय मांगों को लेकर भाकियू की पंचायत, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत शुक्रवार को गन्ना समिति बिजनौर में जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान की अध्यक्षता और जिला मुख्य महासचिव मुकेश जंघाला के संचालन में आयोजित हुई। पंचायत में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके समाधान की मांग की गई। पंचायत के बाद किसानों की सात सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन जिला सदर तहसीलदार बिजनौर को सौंपा गया। पंचायत में किसानों ने जनपद में गुलदारों के बढ़ते खतरे का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। किसानों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदारों की मौजूदगी से लोगों में भय का माहौल है। उन्होंने मानव सुरक्षा के लिए वन विभाग और प्रशासन से ठोस एवं प्रभावी इंतजाम किए जाने की मांग की। किसानों ने बाढ़ और जलभराव से क्षतिग्रस्त फसलों का उचित मुआवजा दिलाने की मांग भी की। उनका कहना था कि जलभराव के कारण किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है, इसलिए प्रभावित किसानों का सर्वे कराकर नियमानुसार शीघ्र मुआवजा दिया जाए। पंचायत में बाकरपुर घड़ी और हमीरपुर के बीच मालन नदी के किनारे बने बांध पर पुलिया निर्माण की मांग भी उठाई गई। किसानों का कहना था कि पुलिया नहीं होने के कारण आवागमन और कृषि कार्य प्रभावित होते हैं। पुलिया का निर्माण होने से किसानों को राहत मिलेगी और उनकी फसलों को भी नुकसान से बचाया जा सकेगा। इसके अलावा किसानों ने भिलाई शुगर मिल पर बकाया गन्ना भुगतान शीघ्र कराने की मांग की। किसानों ने कहा कि गन्ने का भुगतान समय पर नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन से मिल प्रबंधन पर प्रभावी दबाव बनाकर बकाया भुगतान जल्द कराने की मांग की गई। पंचायत में जमीनों के सर्किल रेट बढ़ाए जाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। किसानों ने कहा कि बिजनौर में सर्किल रेट में प्रस्तावित 20 प्रतिशत वृद्धि पर्याप्त नहीं है। उन्होंने जमीनों के अधिग्रहण की स्थिति में सर्किल रेट को वास्तविक बाजार भाव के अनुरूप निर्धारित किए जाने की मांग की। किसानों ने हल्दौर क्षेत्र में चकबंदी प्रक्रिया की धारा 52 पूरी होने के बावजूद लंबित मुकदमों का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग की। वहीं चंदन नगरी-खिड़की मार्ग से हल्दौर क्षेत्र तक बचे कच्चे रास्ते पर पक्की सड़क निर्माण की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई।

संक्षिप्त खबरें

तय सीमा में नहीं हुआ राशन कार्ड में नाम सुधार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशनरूप आम जनता से जुड़ी सेवाओं को समय सीमा के भीतर पूरा करने हेतु लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत क्रियान्वयन करना सुनिश्चित किया जा रहा है। रायपुर जिले के तिल्दा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी अभिताभ शर्मा पर लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत 100 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। एक हितग्राही के राशन कार्ड में नाम सुधार का आवेदन प्राप्त हुआ था। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत इसके लिए 30 दिन की समय सीमा निर्धारित है। परंतु निर्धारित समय सीमा के भीतर नाम सुधार का कार्य पूर्ण नहीं किया गया, जिसके कारण सीएमओ के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि सभी विभाग लोक सेवा गारंटी अधिनियम का अनिवार्य रूप से पालन करें। जिस विभाग में निर्धारित समय सीमा के भीतर आम जनता को लाभ नहीं दिया जाएगा, संबंधित अधिकारी पर शासन के नियमानुसार जुर्माना लगाया जाएगा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने समस्त विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि आवेदनों का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ बिना विलंब के मिल सके।

आरक्षक भर्ती का झांसा देकर 12 लाख ठगे, दो आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। वर्ष 2023 में पुलिस आरक्षक की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 12 लाख रुपये की ठगी करने वाले दो आरोपियों को उतई थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत की जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से मामले से जुड़े बैंक खाते और एक मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। ग्राम सेलूद निवासी गैंदलाल बंछोर ने थाना उतई में शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2023 में आरोपी उमेश दास मानिकपुरी ने उसके पुत्र विकास बंछोर को पुलिस आरक्षक के पद पर भर्ती कराने का भरोसा दिलाया था। इसके बाद अपने सहयोगी राजेश वर्मा के साथ मिलकर अलग-अलग किश्तों में कुल 12 लाख रुपये ले लिए। काफी समय बीतने के बाद भी न तो नौकरी मिली और न ही रकम वापस की गई। खुद को ठगा महसूस करने पर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने बैंक लेन-देन, दस्तावेजों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की। पर्याप्त प्रमाण मिलने पर थाना उतई की टीम ने संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान प्रकरण से संबंधित बैंक खाता और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।

बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, कर्मचारियों का जन्मदिन बना यादगार

रायपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही है खुशियों को बाँटना, और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं। इसी क्रम में सचिव घासु राम देवांगन ने आंगनबाड़ी केंद्र डोंगीतराई, प्रधान पाठक तान सिंह ध्रुव ने शास प्राथ शाला थनौद एवं सहायक वर्ग 2 इकबाल अहमद ने आंगनबाड़ी केंद्र अशोक नगर गुढ़ियारी में विद्यार्थियों के साथ जन्मदिवस के अवसर पर बच्चों के साथ केक काटकर, फल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।

जयपुर- CJP प्रवक्ता को पीटा, मंत्री को 48 घंटे का अल्टीमेटम

अभिजीत दीपके बोले- मारपीट करने वाले गुंडों को गिरफ्तार नहीं किया, तो मैं जयपुर आऊंगा

प्रात : किरण संवाददाता

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) प्रवक्ता आशुतोष रांका और उनके साथियों पर जयपुर में हमला हुआ है। रांका शुक्रवार सुबह 10 बजे सीतापुरा के राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा कंवरपुरा का निरीक्षण करने पहुंचे थे। तभी ग्रामीणों ने उन्हें पीटकर वहां से खदेड़ दिया। उनकी गाड़ियों पर भी पथराव किया गया। रांका के साथ मौजूद महिला समर्थकों पर गांव की महिलाओं ने मिट्टी फेंकी। रांका ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा- हमले में गाड़ियों के शीशे और मोबाइल तोड़े गए, एक महिला से मारपीट हुई और उनकी शर्ट फाड़ दी गई। टीम के एक सदस्य का हाथ फ्रैक्चर हुआ है। रांका ने कहा- आज पूरे देश ने भाजपा की गुंडागर्दी लाइव देखी है। ये शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के कहने पर हुआ है। 48 घंटे का अल्टीमेटम दे रहे हैं। हमलावरों की गिरफ्तारी हो और स्कूल निरीक्षण रोकने का आदेश वापस लिया जाए। ऐसा नहीं हुआ तो पूरे राजस्थान में आंदोलन करेंगे और दिलावर के इस्तीफे की मांग करेंगे। उखढ के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- अगर अगले 48 घंटों में स्कूल की मरम्मत का काम शुरू नहीं हुआ और उन गुंडों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो मैं जयपुर आऊंगा और स्कूल के सामने बैठा रहूंगा, जब तक स्कूल को ठीक कराने का काम नहीं किया जाता है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि हमला करने वाले ग्रामीण नहीं, बीजेपी कार्यकर्ता थे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- बच्चों की शिक्षा में व्यवधान कौन बर्दाश्त करेगा। इसलिए विरोध हुआ। कॉकरोच मुंह छिपाकर भाग गए। पहले धक्का-मुक्की कर गांव से निकाला था इससे पहले सुबह करीब 8 बजे CJP के कुछ कार्यकताओं से ग्रामीणों की धक्का-मुक्की हुई थी। ग्रामीणों ने उन्हें गांव से बाहर निकाल दिया। उखढ के विरोध में नारे लगाते हुए ग्रामीण सरकारी स्कूल के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने गांव के मुख्य रास्ते पर ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी कर घेराबंदी कर दी और आने-जाने वाली गाड़ियों की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, आशुतोष सहित CJP के 5 कार्यकर्ता गंभीर घायल हुए हैं। 7 के चोट लगी है। उन्हें इलाज के लिए रटर हॉस्पिटल लाया गया। उखढ का वाटिका रोड पर भट्टा वाला राजकीय सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने का भी प्लान था, जिसे अब कैंसिल कर दिया।

विधानसभा में हंगामा, नारेबाजी के बीच यूसीसी बिल पेश: कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

प्रात : किरण संवाददाता

राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही दूसरे दिन शुक्रवार को केवल 66 मिनट चली। सुबह कार्यवाही शुरू होने के साथ ही कांग्रेस विधायकों ने हंगामा कर दिया। प्रश्नकाल में 5 मिनट, शून्यकाल में 18 मिनट कार्यवाही चली। दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित हुई।

हंगामे के बीच विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल पेश हुआ। बिल पेश होने के बाद कांग्रेस विधायकों ने कार्यवाही का बॉयकॉट कर दिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। इससे पहले सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कांग्रेस विधायकों को विधानसभा गेट पर रोके जाने का मुद्दा उठाते हुए इस पर चर्चा कराने को कहा था। उन्होंने सीजेपी कार्यकताओं के साथ मारपीट पर भी सरकार को घेरा था। स्पीकर ने प्रश्नकाल के बीच मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने वेल में नारेबाजी की और सरकार भगोड़ी है के पोस्टर लहराए थे। वहीं, भाजपा विधायकों ने राहुल गांधी को भगोड़ा और चोर बताते हुए नारेबाजी की थी।

माओवाद के प्रभाव से निकलकर विकास की नई राह पर कोनगुड़

प्रात : किरण संवाददाता

कोंडागांव। कोंडागांव जिले के दूरस्थ अंचल में बसे कोनगुड़ में अब बदलाव की तस्वीर साफ दिखाई दे रही है। कभी माओवाद की चुनौती से प्रभावित रहा यह क्षेत्र आज शासन की योजनाओं, जनसुविधाओं और विकास कार्यों से तेजी से जुड़ रहा है। जिस अंतिम छोर तक शासकीय सेवाओं की पहुंच आसान बनाना कभी बड़ी चुनौती थी, वहां अब अटल डिजिटल सेवा केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर सरकारी सेवाओं का लाभ मिलने की राह आसान हुई है। साथ ही महिलाओं के लिए महतारी सदन जैसी सुविधा भी विकसित की जा रही है। इसी क्रम में कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग एवं केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने गुरुवार को फरसगांव विकासखंड के ग्राम कोनगुड़ में कुल 35 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। इस दौरान 5 लाख रुपये की लागत से निर्मित अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन का लोकार्पण किया गया, वहीं 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले महतारी सदन भवन का भूमिपूजन किया गया। कोनगुड़ की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लंबे समय तक माओवादी गतिविधियों की चुनौती से प्रभावित रहे इस क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देना आसान नहीं था। सड़क, संचार और शासकीय सेवाओं की पहुंच के साथ सुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती रही। लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ शासन और प्रशासन की पहुंच भी गांवों तक बढ़ रही है। विकास कार्यों के लिए रास्ते खुल रहे हैं और ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से जोडने की प्रक्रिया तेज हुई है। कोनगुड़ में अटल डिजिटल सेवा केंद्र का लोकार्पण इसी बदलते माहौल की एक महत्वपूर्ण तस्वीर है। अब विकास का मतलब केवल सड़क और भवन तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार की सेवाओं को ग्रामीणों के दरवाजे तक पहुंचाना भी है। 5 लाख रुपये की लागत से निर्मित अटल डिजिटल सेवा केंद्र ग्रामीणों के लिए खासा उपयोगी साबित होगा। दूरस्थ गांवों में रहने वाले लोगों को अक्सर छोटे-छोटे शासकीय कार्यों के लिए भी दूर स्थित कार्यालयों तक जाना पड़ता है। इसमें समय, श्रम और धन तीनों खर्च होते हैं। डिजिटल सेवा केंद्र के माध्यम से विभिन्न शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं से जुड़ी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इससे ग्रामीणों के लिए सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान होगी और उन्हें अनावश्यक रूप से दूर जाने की आवश्यकता कम होगी। यह केंद्र डिजिटल सुविधा के साथ-साथ शासन और ग्रामीणों के बीच की दूरी कम करने का माध्यम बनेगा।डिजिटल युग में गांवों तक तकनीक की पहुंच बढना इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव है।इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष मानकू राम नेताम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव ने छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के क्रियान्वयन की सराहना की

प्रात : किरण संवाददाता

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव सोनमणि बोरा ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव सत्येन्द्र सिंह से मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान केन्द्रीय सचिव को राज्य के नगरीय निकायों में भारत सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी। बोरा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) की प्रगति से अवगत कराए जाने पर आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य में इसके प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना की। सोनमणि बोरा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के कार्यों को विस्तायरित कार्यावधि के भीतर पूर्ण कराने के लिए राज्य शासन द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना की जानकारी दी। राज्यू शहरी विकास अभिकरण (स्ड्ढ) के मुख्य् कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल भी इस दौरान मौजूद थे। प्रमुख सचिव बोरा ने सिंह से नई दिल्ली के ह्यसंकल्प भवन में हुई मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ में विभिन्नि केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं अरबन चैलेंज फण्डक, मिशन अमृत और स्व च्छन भारत मिशन (शहरी) की प्रगति की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने राज्यर की ओर से समयबध्द् तरीके से इन योजनाओं के क्रियान्व यन के प्रति प्रतिबध्द ता जताई। श्री बोरा ने केन्द्र सरकार के सचिव को बताया कि अरबन चैलेंज फण्ड ? के अंतर्गत छत्ती सगढ़ को 6000 करोड़ रुपए के केन्द्रीनय एलोकेशन में से 1500 करोड़ रुपए की राशि आबंटन के लिए प्रावधानित की गई है। अरबन चैलेंज फण्ड् के तहत रायपुर में गंज मण्डी , टर्शरी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांगट, नवीन मार्केट रिडेव्हडलपहमेंट, पुरानी म्यूतनिसिपल बिल्डिंग के पुनर्विकास एवं भिलाई-दुर्ग क्लहस्ट,र में हाइब्रिड मॉडल में वेस्ट ?-टू-एनर्जी प्लां ट का चिन्हांकन किया गया है। इसके लिए राज्य स्तसर पर हुडको से वित्ती य सहायता एवं क्षमता विकास के लिए कार्ययोजना पर द्रुतगति से कार्य किया जा रहा है। प्रमुख सचिव ने अरबन चैलेंज फण्डप अंतर्गत समय-सीमा के भीतर भारत सरकार को प्रस्तामव प्रेषित करने की प्रतिबध्दडता व्यपक्तय की। सोनमणि बोरा ने मिशन अमृत 2.0 के कार्यों के अद्यतन प्रगति की जानकारी देते हुए इसके तहत लिए गए कार्यों को चरणबध्द रूप से अगले डेढ़ वर्षों में पूर्ण किए जाने की विस्तृत कार्ययोजना साझा की। उन्होंने भारत सरकार द्वारा चालू वित्तीं वर्ष 2026-27 में प्राप्तग 100 करोड़ रुपए के संपूर्ण व्यसय से अवगत कराते हुए इसकी अग्रिम किस्त की राशि जारी करने का अनुरोध किया। उनके अनुरोध पर भारत सरकार ने त्व्रित कार्यवाही करते हुए 100 करोड़ रुपए राज्यण को जारी किए। सोनमणि बोरा ने राज्य के ऐसे नगरीय निकायों जहां अभी अमृत मिशन के अंतर्गत कार्ययोजना स्वीकृत नहीं है, वहां मिशन अमृत लागू करने एवं अतिरिक्तम राशि उपलब्ध कराने का भी आग्रह भारत सरकार से किया।

जगदलपुर में नए जलशोधन संयंत्र से होगा इंटरकनेक्शन

जगदलपुर। नगर पालिक निगम जगदलपुर क्षेत्र में नव-निर्मित जलशोधन संयंत्र में नई पाइपलाइन जोड़ने का तकनीकी कार्य किया जाना प्रस्तावित है। इस इंटरकनेक्शन कार्य के कारण शहर के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में 24 अगस्त से 9 सितंबर के बीच निर्धारित तिथियों पर सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। निगम प्रशासन के अनुसार कार्य की प्रगति को देखते हुए इस समयावधि में आवश्यकतानुसार कमी या वृद्धि की जा सकती है। निगम आयुक्त के अनुसार शटडाउन के पहले चरण में 24 और 25 अगस्त सोमवार व मंगलवार को तेतरकुटी, एल.आई.सी.एवं एस.टी./एस.सी.थाना टंकी से जुड़े क्षेत्रों में जलापूर्ति बंद रहेगी, जिसके तहत तेतरकुटी, गैरेज लाइन, अघनपुर, एम.पी.एम. रोड, परपा नाका पंचायत घेरा, धरमपुरा क्रमांक 1 व 2, कंगोली रोड, एल.आई.सी. रोड, महावीर नगर, तिलक नगर, गांधी नगर, गंगानगर और राजेन्द्र नगर की लाइनें प्रभावित होंगी। इसके बाद 29 और 30 अगस्त (शनिवार व रविवार) को इंडस्ट्रियल एरिया और बी.एस.एन.एल. टंकी से जुड़े क्षेत्रों जैसे मदर टेरेसा कॉलोनी, वर्धमान कॉलोनी, डॉ. रिजवी लाइन, साकेत कॉलोनी तथा दण्डकारण्य के आसपास के इलाकों में पानी की सप्लाई रोकी जाएगी। सितंबर माह की शुरूआत में कार्य को आगे बढ़ाते हुए 02 और 03 सितम्बर (बुधवार व गुरुवार) को शहीद पार्क एवं भंगाराम टंकी क्षेत्र के अंतर्गत लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड, निर्मल विद्यालय घेरा और वीर सावरकर वार्ड में शटडाउन रहेगा। वहीं 05 और 06 सितम्बर (शनिवार व रविवार) को पावर हाउस टंकी से जुड़े विजय वार्ड, पनारापारा, शिवमंदिर वार्ड, भैरमदेव वार्ड, सदर वार्ड तथा सुभाष वार्ड की टंकी लाइन में पानी का प्रवाह बंद रखा जाएगा। अंतिम चरण में 08 और 09 सितम्बर (मंगलवार व बुधवार) को सिटी ग्राउंड टंकी और पानी टंकी के माध्यम से आने वाले महारानी वार्ड, शांति नगर वार्ड, मदर टेरेसा वार्ड, गुण्डाधुर वार्ड और प्रतापदेव वार्ड के क्षेत्र प्रभावित रहेंगे।

सुकमा जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे का मैदानी निरीक्षण

कलेक्टर अमित कुमार ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

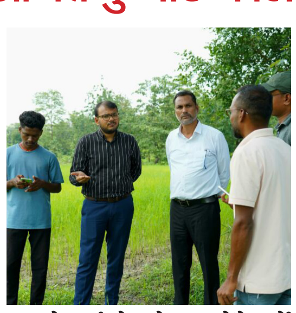

सुकमा। जिले में खरीफ वर्ष 2026 के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य तेजी से जारी है। इसी क्रम में कलेक्टर अमित कुमार ने शुक्रवार को सुकमा विकासखंड के ग्राम रामाराम, पातर सुकमा एवं केरलापाल पहुंचकर सर्वेयरों द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का मैदानी निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर किसानों से चर्चा करते हुए सर्वे की प्रगति, प्रक्रिया एवं गुणवत्ता का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने पटवारियों को निर्देशित किया कि सर्वेयरों द्वारा सर्वे कार्य पूर्ण किए जाने के पश्चात प्रतिदिन प्राप्त प्रविष्टियों का नियमित रूप से अनुमोदन किया जाए, ताकि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण हो सके। उन्होंने सर्वे कार्य में सटीकता, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान अपर कलेक्टर शबाब खान, तहसीलदार गिरीश निंबालकर एवं अधीक्षक भू-अभिलेख ऋषिकेश सलाम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से खेतों में बोई गई फसलों की वास्तविक एवं अद्यतन जानकारी डिजिटल रूप में दर्ज की जा रही है। इस वर्ष मैन्युअल गिरदावरी की जगह डिजिटल क्रॉप सर्वे की नई व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत जिले के 262 ग्रामों में सर्वे कार्य किया जाना है। इससे फसल संबंधी आंकड़ों के संधारण में अधिक पारदर्शिता एवं सटीकता आएगी तथा कृषि क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में भी सहायता मिलेगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध करा रहा है। सर्वे कार्य में स्थानीय युवक-युवतियों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है तथा सर्वेयरों को प्रति खसरा 10 रुपये की दर से मानदेय प्रदान किया जाएगा। प्रशासन की इस पहल से आधुनिक तकनीक के उपयोग के साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोडने और कृषि संबंधी अभिलेखों को अधिक विश्वसनीय एवं डिजिटल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

पीले वस्त्रों में उमड़ा शिवभक्तों का सैलाब, शिव विवाह पर गूंजा हर-हर महादेव

प्रात : किरण संवाददाता

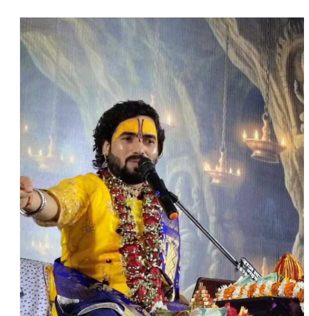

रामानुजगंज। सावन मास के पावन अवसर पर नगर में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा के चौथे दिन शिव विवाह प्रसंग पर आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। भगवान शिव के विवाह की कथा सुनने के लिए हजारों श्रद्धालु पीले वस्त्र धारण कर कथा स्थल पहुंचे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण कथा पंडाल में जगह कम पड़ गई और बड़ी संख्या में लोग पंडाल के बाहर तथा आसपास खड़े होकर कथा का श्रवण करते नजर आए। काका लरंगसाय टाउन हॉल परिसर में शिव मंदिर एवं मां महामाया मंदिर के समीप आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में श्रीधाम वृंदावन के कथावाचक पंडित कुंज बिहारी जी महाराज ने भगवान शिव के विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान शिव-पार्वती विवाह से संबंधित प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भगवान शिव के विवाह की आकर्षक झांकी भी निकाली गई, जिसे देखकर श्रद्धालु भक्तिभाव में सराबोर हो उठे। पीले वस्त्रों में पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं से पूरा कथा पंडाल पीला नजर आ रहा था। महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे भगवान शिव की भक्ति में लीन होकर कथा का आनंद लेते रहे। शिव विवाह की झांकी के दौरान हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। भक्ति संगीत और धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल स्वयं आयोजन समिति के सदस्यों एवं नगरवासियों के साथ व्यवस्था संभालने में आज बजी जुटे रहे। श्रद्धालुओं के बैठने, आने-जाने और कथा का सुचारू रूप से श्रवण कराने के लिए लगातार व्यवस्थाएं की गईं। श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन 24 अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक किया जा रहा है। सावन मास में आयोजित इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में लगातार उत्साह बढ़ता जा रहा है। चौथे दिन शिव विवाह के अवसर पर उमड़ी हजारों की भीड़ ने भगवान शिव के प्रति लोगों की गहरी आस्था और भक्ति को एक बार फिर प्रदर्शित कर दिया।0

दूरस्थ ग्राम कोनगुड़ में आयोजित शिविर में ग्रामीणों को मिला शासकीय योजनाओं का लाभ

प्रात : किरण संवाददाता

कोण्डागांव। माओवाद मुक्त होने के बाद जिले के सुदूर क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास एवं निर्माण कार्यों को गति मिल रही है। इसी क्रम में शासन की मंशानुरूप अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से फरसगांव विकासखंड के ग्राम कोनगुड़ स्थित हाई स्कूल प्रांगण में गुरुवार को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सांसद भोजराज नाग एवं केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम शामिल हुए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर शासन और जनता के बीच सीधे संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इनके माध्यम से ग्रामीणों को अपने गांव में ही विभिन्न शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी और लाभ मिल रहा है तथा उनकी समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जा रही है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। साथ ही ग्रामीणों से उनकी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद भोजराज नाग ने कहा कि पिछले 40 वर्षों से बस्तर क्षेत्र में विकास कार्य प्रभावित रहे हैं। माओवाद की समाप्ति के बाद अब इन क्षेत्रों में विकास को गति मिली है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा किसानों को केसीसी के माध्यम से कृषि कार्यों में सहायता, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को पक्का मकान तथा आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तक एवं गणवेश तथा बालिकाओं को साइकिल प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि शासन की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित व्यक्तियों को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए अपने गांव को विकसित गांव बनाने में सहभागी बनने का आह्वान किया। केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि कोनगुड़ सड़क मार्ग की स्वीकृति शासन द्वारा दी गई है। सड़क एवं स्टॉप डेम के निर्माण से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होने के साथ ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और विकास को गति मिलेगी।

बाल विवाह रोकने प्रशासन की त्वरित पहल

प्रात : किरण संवाददाता

सुकमा। जिले के मासापारा कावराकोपा, तोंगपाल क्षेत्र में गुरुवार को बाल विवाह की सूचना प्राप्त होते ही महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल संयुक्त कार्रवाई की। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री शिवदास नेताम एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी जितेंद्र सिंह बघेल के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन, सेक्टर सुपरवाइजर एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मासापारा कावराकोपा पहुंची और बाल विवाह रोकने के लिए आवश्यक समझाइश एवं कार्रवाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के एक युवक द्वारा महारापारा हमीरगढ़ निवासी 16 वर्षीय बालिका को विवाह के उद्देश्य से अपने साथ घर लाया गया था। स्थानीय परंपरा के अनुरूप विवाह की तैयारी की जा रही थी, जबकि बालिका के परिवार की सहमति नहीं थी। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी। समझाइश के बाद युवक पक्ष ने जिम्मेदारी का परिचय देते हुए विवाह स्थगित करने पर सहमति जताई तथा बालिका ने भी इसे स्वीकार किया। बालिका की सुरक्षा एवं सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता देते हुए संयुक्त टीम उसे उसके गृहग्राम लेकर पहुंची, लेकिन वहां परिजन उपस्थित नहीं मिलने पर नियमानुसार बालिका को सुरक्षित रूप से सुकमा लाया गया। बाल कल्याण समिति के समक्ष आवश्यक कार्यवाही पूर्ण होने तक बालिका को सखी सेंटर में सुरक्षित आश्रय प्रदान किया गया है। कार्रवाई के दौरान घोषणा-पत्र लिया गया, पंचनामा तैयार किया गया तथा संबंधित पक्षों को बाल विवाह कानून के तहत संभावित वैधानिक कार्रवाई से अवगत कराया गया। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में संरक्षण अधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) मनीषा शर्मा, सेक्टर सुपरवाइजर गंगोत्री ठाकुर, चाइल्ड लाइन परियोजना समन्वयक अमित मरावी, चाइल्ड लाइन सुपरवाइजर अमित नाग, केस वर्कर मुड़ा पोडियामी, गमेश्वरी करतम, आउटरीच वर्कर अंजली वेट्टी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम सचिव एवं रोजगार सहायक सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन की इस त्वरित और संवेदनशील पहल से बाल विवाह को रोकने के साथ ही नाबालिग बालिका की सुरक्षा सुनिश्चित हुई, जो जिले में बाल अधिकारों के संरक्षण और बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वृद्ध दंपत्ति की हत्या के मामले में पुत्र गिरफ्तार

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में सनसनीखेज माता-पिता हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सपड़ा के परसापारा में 55 वर्षीय हीराधर यादव और उनकी 50 वर्षीय पत्नी गुलाबी यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने उनके बड़े बेटे जदू यादव (34) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पारिवारिक विवाद के चलते टांगी से हमला कर माता-पिता की हत्या करना स्वीकार किया है। जानकारी के मुताबिक, रविवार रात हीराधर यादव अपनी पत्नी गुलाबी यादव और बड़े बेटे जदू यादव के साथ पुराने घर में सो रहे थे। सोमवार सुबह घर के दरवाजे बाहर से बंद मिलने पर परिवार के लोगों को संदेह हुआ। मृतक दंपती का छोटा बेटा मोहन यादव घर पहुंचा और काम करने वाले सुकृत नागेश के साथ अंदर तलाश शुरू की। तलाश के दौरान एक कमरे में ताला लगा मिला। ताला तोड़कर कमरे में प्रवेश करने पर बोरे में बंद हीराधर और गुलाबी यादव के शव मिले। घटना की सूचना मिलते ही धौरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की।

संक्षिप्त खबरें

वीनस क्रिकेट क्लब ने चार विकेट से मैच जीता

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन स्थित रेड एप्पल क्रिकेट मैदान में चल रहे रेड एप्पल कैश प्राइज टी 20 कप में फैंटम इलेवन और वीनस क्रिकेट क्लब के बीच लीग मैच खेला गया। इसमें वीनस क्रिकेट क्लब ने चार विकेट से जीत हासिल की। फैंटम इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और टीम 18 ओवर में 163 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। अश्वनी सिंह ने 50 रन की पारी खेली। विरोधी टीम से सार्थक ने तीन और रौनक मुंडे ने दो विकेट लिए। वीनस क्रिकेट क्लब ने 16.3 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 168 रन बना लिए। हनी चौधरी ने 66 रन की पारी खेली। दीपांशु सैनी ने 31 और आदित्य कुमार ने 23 रन का योगदान दिया। फैंटम इलेवन से गौरव चौधरी ने चार विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार हनी चौधरी को दिया गया।

योजना का लाभ देने में लापरवाही न बरतने के निर्देश

गाजियाबाद। विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में शुक्रवार को विभागीय योजनाओं की सीडीओ ने समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं में लाभार्थियों को लाभ देने में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि विभाग, मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने की। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। समीक्षा के दौरान कृषि विभाग को किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण देने, उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता और समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पीओएस के माध्यम से पारदर्शी वितरण, अनुदानित बीजों की ऑनलाइन बुकिंग और ई-लॉटरी प्रक्रिया की जानकारी किसानों तक पहुंचाने को कहा गया।

बदमाशों ने घर से जेवरात और नगदी चुराई

मुरादनगर। थानाक्षेत्र के गांव भिक्कनपुर में दीवार फांदकर घर में घुसे बदमाश नगदी और जेवरात चोरी करके ले गए। वारदात के समय पूरा परिवार कमरे में सो रहा था। पीड़ित ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही। गांव भिक्कनपुर निवासी रवि शर्मा परिवार सहित रहते है। उन्होंने बताया कि गुरुवार रात परिवार के लोग अपने अपने कमरे में सो गए। देर रात करीब दो बजे अचानक उनकी आंख खुली तो सभी कमरे के ताले टूटे हुए थे। रवि शर्मा ने बताया कि बदमाश दीवार फांदकर घर में आए और दस लाख रुपये कीमत से अधिक के जेवरात और दस हजार रुपये नगद चोरी करके ले गए। पुलिस का कहना है कि जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा।

छात्रा नगदी और जेवरात लेकर फरार

मोदीनगर। नगर की एक कॉलोनी से 17 वर्षीय इंटर की छात्रा घर में रखे 90 हजार रुपये और जेवरात लेकर लापता हो गई। परिजनों ने एक युवक पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। नगर की एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति की 17 वर्षीय पुत्री इंटर की छात्रा है। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले वह घर में रखे 90 हजार रुपये नगद और 25 ग्राम सोना लेकर चली गई। काफी तलाश करने के बाद जब वह नहीं मिली तो परिजनों ने नितिन निवासी गांव बखरवा के खिलाफ अपहरण करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने छात्रा की तलाश शुरू कर दी है।

समिति ने मंदिर में जरूरत का सामान दिया

ट्रांस हिंडन। उत्तराखंड कुमाऊं समाज सेवा समिति वैशाली ने शुक्रवार को जरूरतमंद परिवार की आर्थिक मदद के साथ मंदिर और पार्क के विकास में भी सहयोग किया। समिति की ओर से वैशाली मंदिर में 50 हजार रुपये का सामान दान किया गया। वहीं, राम वाटिका पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए राम वाटिका विकास समिति को 40 हजार रुपये से अधिक का सहयोग दिया। इसके अलावा यशोदा अस्पताल, कौशांबी में भर्ती हृदय रोगी के लिए यूनिट के सदस्यों ने छह यूनिट रक्तदान किया। समिति अध्यक्ष हरीश साह ने सभी सदस्यों और पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि समिति आगे भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए कार्य करती रहेगी।

आईटीएस मोहन नगर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ-202 का भव्य आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस मोहन नगर के स्नातक परिसर में नवप्रवेशित बीबीए के 31वें और बीसीए के 30वें बैच के विद्यार्थियों के स्वागत एवं उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य की दिशा निर्धारित करने के उद्देश्य से प्रारंभ-2026 अभिमुखीकरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के नए वातावरण से परिचित कराने के साथ उन्हें शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन, सकारात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता और करियर निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में आईटीएस शिक्षा समूह के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय जीवन सपनों को वास्तविकता में बदलने का महत्वपूर्ण अवसर होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहने और नई तकनीकों, संचार कौशल, रचनात्मकता, टीम भावना तथा व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में वही विद्यार्थी आगे बढ़ सकते हैं, जो निरंतर अपने ज्ञान और कौशल को बेहतर बनाते रहें। अनुशासन और निरंतर सीखने पर जोर आईटीएस स्नातक परिसर की प्रधानाचार्या डॉ. नैन्सी शर्मा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय जीवन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, ज्ञान और कौशल के विकास का महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने, अनुशासन और सकारात्मक सोच को अपनाने तथा समय प्रबंधन और निरंतर सीखने की आदत विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उनके करियर और व्यक्तित्व निर्माण के लिए आवश्यक अवसर और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सफलता के लिए सही दृष्टिकोण जरूरी उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. आर.पी. सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता केवल डिग्री हासिल करने से नहीं मिलती, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और सही दृष्टिकोण भी इसके लिए आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य निर्धारित कर उनके लिए लगातार प्रयास करने का आह्वान किया।

नोएडा पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के 4 सदस्यों को दबोचा, 12 बाइक और वैगनार कार बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस टीम ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से अलग-अलग राज्यों से चोरी की गई कुल 12 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई एक वैगनार कार और दो अवैध चाकू भी पुलिस द्वारा जब्त किए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद समेत संपूर्ण एनसीआर के विभिन्न इलाकों में वाहन चोरी की दर्जनों वारदातें करना स्वीकार किया है। मामले की जानकारी देते हुए एडीसीपी नोएडा मनीषा सिंह ने बताया कि पुलिस ने 21 अगस्त को चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने रवि प्रताप, विमल शाक्य उर्फ सूर्या, प्रशांत सिंह और दीपांशु को गोदरेज बिल्डिंग के पीछे स्टेलर ग्रीन पार्क जाने वाली सड़क से पकड़ा। इनके कब्जे और निशानदेही पर दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से चोरी की गई 12 मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। इसके अलावा चोरी की घटना में इस्तेमाल वैगनार कार और दो अवैध चाकू भी मिले हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों की पहचान रवि प्रताप (26 वर्ष), विमल शाक्य उर्फ सूर्या (23 वर्ष), प्रशांत सिंह (21 वर्ष) और दीपांशु (23 वर्ष) के रूप में हुई है। ये सभी आरोपी मूल रूप से मैनपुरी जिले के बेवर क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पति ने चौराहे पर पत्नी और मामा को पीटा

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर थाना क्षेत्र के घंटा गोल चक्कर के पास मंगलवार को एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और उसके दो मामा के साथ मारपीट कर दी। पुलिस को दी तहरीर के अनुसार औरैया निवासी खुशबू वर्तमान में गांव मुबारकपुर में रहती है। 18 अगस्त की रात वह अपने मामा प्रवीन और अंकित के साथ घंटा गोल चक्कर के पास खड़ी थी। तभी उसका पति जितेन्द्र वहां आ गया और उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। मामाओं ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो आरोपी ने उन्हें भी गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोपी ने किसी नुकीली वस्तु से उसके पेट व पैर पर तथा मामा प्रवीन के पेट पर वार किया, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आईं। घायल महिला ने प्राथमिक उपचार लक्ष्मी हॉस्पिटल सूरजपुर से कराया। वहीं कोतवाली प्रभारी संजय कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

पुस्तकालय की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नोएडा। राजकीय जिला पुस्तकालय में बृहस्पतिवार को उपशिक्षा निदेशक व क्षेत्रीय सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद मेरठ ज्योति प्रसाद ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकालय की व्यवस्थाओं, पाठक सुविधाओं और कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। ज्योति प्रसाद ने पुस्तकालय में अध्ययनरत पाठकों से संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और अध्ययन से जुड़ी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने पाठकों से पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों और अध्ययन वातावरण के संबंध में भी फीडबैक प्राप्त किया। इस मौके पर राजकीय इंटर कॉलेज की प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. ऋतु सिंह, लाइब्रेरी के प्रभारी रघुराज सिंह भाटी, कोऑर्डिनेटर प्रवीण कुमार सिंह और स्वाति तिवारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई किसान दिवस की जिला स्तरीय बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, प्रभारी उप कृषि निदेशक अमित कुमार के साथ-साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे। किसान दिवस में सर्वप्रथम जिला कृषि अधिकारी गाजियाबाद द्वारा गत किसान दिवस की शिकायतों की अनुपालन आख्या का विस्तृत ब्यौरा समस्त कृषकों के सम्मुख पढ़कर सुनाया गया। किसान दिवस की शिकायतों के निस्तारण पर कृषकों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया। जिलाधिकारी ने रविन्द्र कुमार मांदड़ ने निर्देशित किया कि आगामी किसान दिवस में परियोजना निदेशक, या प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। मोरटा गांव में जल निकासी की व्यवस्था सुचारू करने के लिए नगर निगम एवं गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। शाहपुर से पाईप लाईन तक टूटे हुए रास्ते के निस्तारण के लिए नगर निगम गाजियाबाद को अतिशीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि किसानों की शिकायतों को शीघ्रता एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण किया जाएं, इस कार्य में लापरवाही बरतने वालों अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की अमल में लाई जायेगी। किसान दिवस की बैठक में सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहना अनिवार्य है, यदि ऐसा नहीं पाया जाता है तो सम्बंधित के खिलाफ भी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

झारखंड का श्रमिक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र में काम करने आया झारखंड का एक श्रमिक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। पीड़िता सुनीता देवी की तहरीर पर पुलिस ने शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बोकारो झारखंड निवासी सुनीता देवी के पति सुरेंद्र रविदास (42) मजदूरी का काम करते हैं। गांव के ही ठेकेदार मेघनाथ महतो द्वारा मार्च 2026 में सुरेंद्र को काम के लिए ग्रेटर नोएडा भेजा गया था। यहां वह भूपति इन्फ्रा लिमिटेड (केपेसाइड) अम्रपाली लेजर वैली के पास थाना बिसरख क्षेत्र में निर्माण कार्य कर रहे थे और कंपनी द्वारा दिए गए कमरे में अन्य मजदूरों के साथ रहते थे। 7 मई 2026 से उनका फोन बंद हो गया और तब से कोई संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद भी वे घर वापस नहीं लौटे। परिजनों ने ठेकेदार और साथ काम करने वाले अन्य मजदूरों से भी संपर्क कर पूछताछ की, लेकिन किसी ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। पीड़िता की शिकायत एसएसआई राजवीर सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

सगे भाई पर मारपीट करने का आरोप, मुकदमा दर्ज

दादरी। रिठौरी गांव में एक युवक ने सगे भाई पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक योगेश ने पुलिस से शिकायत की है। योगेश ने बताया कि उसके सगे भाई लोकेश ने 17 अगस्त को उसके साथ गाली-गलौज की। परिवार के लोगों के बारे में भला बुरा कहा। योगेश ने विरोध किया तो आरोपी लोकेश ने उसे बुरी तरह पीटा। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि आरोपी लोकेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

टीबी के खिलाफ सेवा का संकल्प, 31 मरीजों को मिली पोषण पोटली

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। क्षय रोग मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी गाजियाबाद इकाई लगातार सेवा और संवेदना की मिसाल पेश कर रही है। जनपद से टीबी को जड़ से मिटाने के उद्देश्य से रेडक्रॉस द्वारा हर महीने विभिन्न अस्पतालों में चयनित पात्र क्षय रोगियों को गोद लेकर उन्हें पोषण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार, 21 अगस्त को संजय नगर स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय में रोटरी क्लब गाजियाबाद ग्रेटर के सौजन्य से 31 पात्र क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित की गई। कार्यक्रम में रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट एवं रेडक्रॉस गाजियाबाद के उप संरक्षक रो. रवि बाली की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने मरीजों से आत्मीयता से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया और नियमित दवा लेने के साथ पौष्टिक आहार को भी उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। रेडक्रॉस गाजियाबाद के निवर्तमान सभापति सुभाष गुप्ता ने बताया कि करीब चार वर्ष पहले टीम के गठन के समय सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। लेकिन पिछले दो वर्षों में रोटरी क्लब, इनर व्हील क्लब, लायंस क्लब और भारत विकास परिषद सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से आज टीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य सेवा, गर्भवती महिलाओं और कुपोषित बच्चों को पोषण उपलब्ध कराने जैसे कार्य निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना वर्मा, डॉ. अंकिता और सुभाष गुप्ता ने मरीजों एवं उनके परिजनों को नियमित रूप से दवाइयां लेने, उपचार बीच में न छोड़ने तथा पौष्टिक भोजन लेने के लिए प्रेरित किया। इस सेवा अभियान को सफल बनाने में संजय यादव, एम. सी. गौड़, विपिन अग्रवाल और गीता शर्मा सहित क्षय रोग विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों और कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

महिलाओं ने रखा वरलक्ष्मी व्रत

नोएडा। शहर के दक्षिण भारतीय परिवारों ने शुक्रवार को मां लक्ष्मी का वरलक्ष्मी व्रत रखा। घरों में चांदी के कलश और लक्ष्मी के मुख को फूलों और आभूषणों से सजाकर पूजा की गई। सेक्टर-24 निवासी भुवना राधाकृष्णन ने बताया कि उन्होंने बचपन से अपनी मां को वरलक्ष्मी पूजा करते देखा है। शादी के समय वह मायके से चांदी का लक्ष्मी मुख और चांदी का कलश साथ लाई थीं। हर साल इन्हीं को सजाकर वरलक्ष्मी पूजा करती हैं। उन्होंने बताया कि वरलक्ष्मी जीवन में पूर्ण शांति के लिए की जाती है। पूजा के दौरान मां लक्ष्मी के हजार नामों का जाप और अर्चना भी की जाती है। सेक्टर-22 निवासी गायत्री जगदीश ने बताया कि वह शादी के बाद से हर साल वरलक्ष्मी व्रत रख रही हैं। पूजा के बाद वड़ा, इडली आदि प्रसाद के रूप में तैयार किए जाते हैं जिसे शाम को परिवार के लोग ग्रहण करते हैं। इसके साथ पान के पत्ते और हल्दी भी प्रसाद के रूप में आस-पड़ोस में वितरित की जाती है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 20 किलो गांजे के साथ पकड़े दो तस्कर

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। थाना साहिबाबाद ने शुक्रवार को 20 किलो 600 ग्राम ड्रग्स के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी हिण्डन नदी के किनारे बालाजी बिहार के पास ड्रग्स लेकर ग्राहक का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गौरव पाल (30), निवासी रामनगर, अर्थला और अमित कुमार (33), निवासी इटावा, हाल निवासी अर्थला के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ साहिबाबाद थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के आसपास एक व्यक्ति से ड्रग्स खरीदकर लाते थे। दोनों उस व्यक्ति को नहीं जानते थे। रेलवे स्टेशन के आसपास मिलने वाला व्यक्ति उन्हें कम कीमत में ड्रग्स उपलब्ध कराता था। इसके बाद दोनों ड्रग्स को एनसीआर में ज्यादा कीमत पर बेचते थे। पुलिस के अनुसार, इससे मिलने वाले मुनाफे से दोनों अपने शौक पूरे करने के साथ घर का खर्च भी चलाते थे। पुलिस के मुताबिक आरोपी ड्रग्स लेकर साहिबाबाद पहुंचे थे। दोनों हिण्डन नदी के किनारे बालाजी बिहार के पास ग्राहक का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली। स्वाट टीम और साहिबाबाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से 20 किलो 600 ग्राम ड्रग्स बरामद की है। जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ साहिबाबाद थाने में पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। वहीं, अमित कुमार के खिलाफ भुवनेश्वर, गुरुग्राम और दिल्ली में भी केस दर्ज बताए गए हैं। इनमें एनडीपीएस एक्ट के तीन और पॉक्सो एक्ट का एक मामला शामिल है। पुलिस अब दोनों आरोपियों के अन्य आपराधिक रिकॉर्ड और ड्रग्स सप्लाई करने वाले नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

चोरी की स्कूटी से मोबाइल फोन झपटने वाला गिरफ्तार

नोएडा। फेज-1 थाने की पुलिस ने चोरी की स्कूटी का इस्तेमाल कर राहगीरों से मोबाइल फोन झपटने वाले बदमाश को गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से चोरी की स्कूटी, झपटमारी के दो मोबाइल फोन और एक चाकू बरामद हुआ। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि गुरुवार रात टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी सेक्टर-14 में एक स्कूटी पर सवार संदिग्ध दिखाई दिया। उसे रुकने का इशारा किया तो वह मुड़कर भागने लगा। टीम ने पीछा करके दबोच लिया। उसकी पहचान दिल्ली के कल्याणपुरी निवासी 22 वर्षीय अमन सिंह के रूप में हुई। उससे स्कूटी के दस्तावेज मांगे तो वह नहीं दिखा पाया। तलाशी ली तो उसके पास से दो मोबाइल फोन, 1200 रुपये और चाकू बरामद हुआ। उसने पूछताछ में बताया कि वह दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा के आसपास के क्षेत्र में घूम फिरकर वाहन चोरी करता। चोरी के वाहन/स्कूटी से ही राहगीरों से मोबाइल फोन छीनने की वारदात को अंजाम देता।

रुक्मिणी-कृष्ण विवाह का प्रसंग सुनाया

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित पंचशील ग्रीन-1 सोसाइटी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रद्धालुओं ने भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं की कथा सुनी। कथावाचक सौरभ कृष्ण ने महारास लीला, कृष्ण के मधुर गान, कंस वध, गोपी-उद्धव संवाद और कृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया। कथावाचक ने महारास लीला के माध्यम से भगवान कृष्ण की भक्ति और गोपियों के प्रेम का वर्णन किया। इसके बाद कंस वध का प्रसंग सुनाते हुए अधर्म पर धर्म की जीत का संदेश दिया। गोपी-उद्धव संवाद में भगवान कृष्ण के प्रति गोपियों की अनन्य भक्ति को बताया गया। कथा के दौरान कृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग आने पर श्रद्धालु भक्ति में डूब गए।

मुरादनगर उद्योग व्यापार मंडल व भाजपा नेता पंकज गर्ग का जन्मदिन हर्षोल्लास से मना

प्रात: किरण संवाददाता

मुरादनगर। उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ महानगर सहसंयोजक पंकज गर्ग का जन्मदिन आज अत्यंत धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजनीतिक, सामाजिक मीडिया एवं व्यापारिक जगत की प्रमुख हस्तियों सहित सैकड़ों कार्यकताओं और समर्थकों ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। पंकज गर्ग को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। इस अवसर पर मुख्य रूप से नन्द गोपाल गुप्ता (नन्दी) कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, बसंत त्यागी प्रदेश मंत्री भाजपा, ब्रह्मदेव त्यागी अध्यक्ष बार एसोसिएशन गाजियाबाद, पंकज भारद्वाज महानगर महामंत्री, भाजपा, राजीव त्यागी ब्लॉक प्रमुख, मुरादनगर व्यापारी नेता राजू छावडा, दीपक भाटी (संपादक, करंट क्राइम) सुदर्शन प्रसाद एवं रीटा प्रसाद

(संपादक, मुरादनगर की शान) रजनीश शर्मा जन सागर टूडे, संजय गौर न्यूज चैनल, बिंदु त्यागी (पूर्व सभासद) अनिल शर्मा, नितिन कुमार (सभासद) राकेश गोयल (अध्यक्ष, उद्योग व्यापार मंडल) अजय वर्मा (अध्यक्ष, युवा व्यापार मंडल) विनोद जिंदल, मुकेश भटनागर (जिला मंत्री) लोकेश वर्मा (अध्यक्ष, सरार्फा व्यापार मंडल) यशपाल त्यागी (पूर्व अधिकारी, नोएडा विकास प्राधिकरण) भाजपा नेता गोपाल अग्रवाल, जन्मेजय त्यागी, दीपा त्यागी पूर्व जिला पंचायत सदस्य, अशोक भारतीय, मोहित त्यागी महामंत्री भाजपा, युवा भाजपा अध्यक्ष रोहित शर्मा, संदीप कंसल, महराम चंदेला, प्रवीण मित्तल मोदीनगर, अंकुर बंसल, हरिओम गुप्ता, प्रमोद गोयल, अमित गोयल, नितिन शर्मा, देवेंद्र पायल, वीरेंद्र गुप्ता, मनोज गुप्ता, सुरेश कंशल, ऋषि त्यागी, रमन गोयल अमित गर्ग समर्थकों ने पंकज गर्ग के दीघार्यु होने, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रक्षाबंधन से पहले रविवार को भी मुख्य डाकघर खुले रहेंगे

गाजियाबाद। रक्षाबंधन को देखते हुए डाक विभाग ने बहनों को राखी भेजने में सहूलियत देने के लिए विशेष व्यवस्था की है। 28 अगस्त को रक्षाबंधन के मद्देनजर 23 अगस्त रविवार को मुख्य प्रधान डाकघर और मुख्य डाकघर गाजियाबाद सिटी खुले रहेंगे। रविवार को डाकघर खुलने से उन लोगों को विशेष सुविधा मिलेगी, जो सप्ताह के अन्य दिनों में समय के अभाव में राखी बुक नहीं करा पा रहे थे। रक्षाबंधन को लेकर इन दिनों डाकघरों में राखी भेजने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जनपद के विभिन्न डाकघरों में राखी भेजने के लिए उत्साह नजर आ रहा है। वरिष्ठ अधीक्षक डाकघर गाजियाबाद मंडल विशाल कुमार पाठक ने बताया कि 23 अगस्त को रविवार के दिन नवयुग मार्केट स्थित मुख्य प्रधान डाकघर और मुख्य डाकघर गाजियाबाद सिटी में राखी बुक कराने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। रविवार को लोग यहां पहुंचकर राखी को डाक के माध्यम से अपने भाइयों के पते पर भेज सकेंगे। विभाग का उद्देश्य त्योहार के दौरान बढ़ने वाली डाक सामग्री को देखते हुए लोगों को अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध कराना है। रविवार को दोनों प्रमुख डाकघरों के खुले रहने से शहर के लोगों को राखी भेजने के लिए अतिरिक्त दिन मिल जाएगा। खासकर नौकरीपेशा लोगों और ऐसे लोगों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी होगी, जिन्हें कार्यदिवस में डाकघर पहुंचने में परेशानी होती है। इसके अलावा गाजियाबाद मंडल के अधीन आने वाले प्रधान डाकघर हापुड़ भी रविवार को खुला रहेगा। इसमें भी लोग रविवार को राखी बुक करा सकते हैं।

नोटिस देने गए सीबीआई हेड कांस्टेबल से हाथापाई

गाजियाबाद। लोहिया नगर में सरकारी नोटिस देने पहुंचे सीबीआई के हेड कांस्टेबल के साथ गाली-गलौज और हाथापाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि नोटिस लेने से इनकार करने के बाद पिता-पुत्र ने हेड कांस्टेबल के साथ अभद्र व्यवहार किया और उनके हाथ से नोटिस की प्रतियां जबरन छीन लीं। आरोपियों ने उन्हें दोबारा वहां न आने की धमकी भी दी। शिकायत पर सिहानी गेट पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीबीआई नई दिल्ली में तैनात हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात राजेंद्र सिंह धामा ने सिहानी गेट थाने में शिकायत देकर बताया कि एक मामले से जुड़े सरकारी नोटिस को लोहिया नगर स्थित पते पर देने गए थे। वहां पहुंचने पर उन्हें मकान का चौकीदार मिला। चौकीदार ने बताया कि अरुण मोहन बंसल ऊपर हैं। आरोप है कि चौकीदार के ऊपर जाने के बाद अरुण मोहन बंसल ने नोटिस लेने से मना कर दिया और चौकीदार से कहलवा दिया कि वह यहां नहीं हैं। हेड कांस्टेबल के मुताबिक, इसके बाद उन्होंने अपने सीबीआई अधिकारी डीएसपी नागेंद्र से फोन पर बात की। उन्होंने उन्हें नोटिस की एक प्रति गेट पर चस्पा करने और दूसरी प्रति व्हॉट्सऐप के माध्यम से भेजने के निर्देश दिए। इसके बाद वह नोटिस की एक प्रति गेट पर चस्पा करने पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान अरुण मोहन बंसल का बेटा वहां पहुंच गया और उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए विवाद करने लगा।

लाखों के जेवर चुराकर भाग रहा चोर मुठभेड़ में घायल

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। लोनी थाना पुलिस ने ठेकेदार के घर से करीब 50 लाख रुपये कीमत के सोने, चांदी के गहने चोरी करने वाले चोर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में चोर के बाएं पैर में गोली लगी है। उसके कब्जे से ठेकेदार के घर से चुराए गए गहने, चोरी की बाइक, एक तमंचा और एक कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने घायल चोर को अस्पताल में भर्ती कराया है। लोनी थाना क्षेत्र की गिरी मार्केट कॉलोनी में अंकित गुप्ता दो मंजिला मकान में संयुक्त परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि छोटे भाई विशाल की घर में किराना की थोक की दुकान है। वहीं, चाचा विनोद की घर के पास किराना की थोक की दुकान है। अंकित ने बताया कि वह देश के जवानों को सुरक्षा के उपकरण उपलब्ध कराने का कार्य करते हैं। संयुक्त परिवार होने के चलते सबके जेवर दादी के पास रखे हुए थे। उन्होंने बताया कि गुरुवार को परिवार के सदस्य सो रहे थे। अज्ञात चोर घर के दरवाजे का कुंडा तोड़कर भीतर घुस आया। उन्होंने बताया कि चोर ने भूतल पर दादी के कमरे में रखी अलमारी और बक्से का ताला तोड़कर करीब 50 लाख रुपये कीमत के सोने, चांदी के गहने, हाथ घड़ी और पांच हजार रुपये चोरी कर लिए। सुबह करीब छह बजे आंख खुलने पर परिवार के लोगों को चोरी का पता चला। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी राम किशन ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मुकदमा दर्ज खुलासे के प्रयास में जुट गई। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने शुक्रवार तड़के निठोरा रोड स्थित अंडरपास के पास सूचना के आधार पर बाइक पर आ रहे एक युवक को जांच के लिए रुकने का इशारा किया।

संक्षिप्त समाचार

कोलंबो टेस्ट: श्रीलंका ने 14 सदस्यीय टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भारत के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है। 14 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सहन अराचिगे और बल्लेबाज कामिल मिशारा को शामिल किया गया है। पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हुए दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके रिप्लेसमेंट रहे पासिंदु सोरियाबंदारा को भी टीम से बाहर रखा गया है। दूसरे ओपनर निशान मदुश्का को जगह नहीं मिली, जबकि गेंदबाजी ऑलराउंडर रमेश मेंडिस और तेज गेंदबाज दिलशान मदुश्का भी टीम में जगह नहीं बना सके। अराचिगे को भारत ए के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। अराचिगे ने भारत ए के खिलाफ हाल ही में श्रीलंका ए क्रिकेट टीम की कप्तानी की थी और बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। अराचिगे ने पहले मैच में 72 और दूसरे मैच में 127 रन की पारी खेली थी। दो अनाधिकारिक मैचों की सीरीज में भारतीय साई सुदर्शन के बाद अराचिगे दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे थे। अराचिगे को टेस्ट डेब्यू का इंतजार है। मिशारा लंका प्रीमियर लीग 2026 में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने हाल के सीजन में नौ पारियों में 411 रन बनाए थे। उन्होंने गॉल गैलेंट्स के खिलाफ शतक भी बनाया था। वे मेजर क्लब्स टी20 कॉम्पिटिशन में शानदार फॉर्म में थे और महज 72 गेंदों पर 145 रन की पारी खेली थी। श्रीलंका पहला टेस्ट मैच हार चुकी है। सीरीज बचाने के लिए श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में भारत के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। पहला टेस्ट टीम इंडिया ने 165 रन से जीता था।

जैकब मार्टिन को 22 साल पुराने मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने बरी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज जैकब मार्टिन को पटियाला हाउस कोर्ट ने 22 साल पुराने एक मामले में बड़ी राहत दी है। 2004 के इस मामले में कोर्ट ने मार्टिन को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। पूर्व क्रिकेटर पर फर्जी यूके आव्रजन स्टाम्प, यात्रा व्यवस्था और वित्तीय लेनदेन से जुड़ा आरोप लगाया गया था, जिसे साबित नहीं किया जा सका। अदालत को वित्तीय लेनदेन या अजवा स्पोर्ट्स क्लब पर उनके स्वामित्व या नियंत्रण से जुड़ा कोई भी ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं मिला। कई गवाह भी इन आरोपों को साबित करने में विफल रहे। मीडिया से बात करते हुए मार्टिन ने बताया कि यह मामला 2004 में उनकी टीम के एक सदस्य द्वारा ब्रिटेन का वीजा समाप्त होने के बाद वहां रुकने और फर्जी आव्रजन स्टाम्प लगवाकर भारत लौटने के बाद शुरू हुआ था। मूल एफआईआर में उनका नाम नहीं था। बाद में उनका नाम मामले में जोड़ दिया गया।घटना के बारे में मार्टिन ने कहा, 2004 में टीम इंग्लैंड खेलने गई थी। जो टीम 2004 में इंग्लैंड गई थी, उसमें से एक लड़के को छोड़कर बाकी सब वापस आ गए। वीजा की वैधता छह महीने की थी, वह छह महीने तक रह सकता था। वह इससे अधिक समय तक रुका रहा। किसी के जरिए उसने वहां फर्जी स्टैंपिंग करवा ली। फर्जी स्टैंपिंग कराने के बाद जब वह भारत वापस आया, तो उसे ब्रिटेन से डिपोर्ट कर दिया गया था। उसे नई दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया और फिर उससे पूछताछ की गई। उन्होंने कहा, 'मेरा नाम एफआईआर में नहीं था, लेकिन जब जांच हुई, तो एक बड़ा नाम होने के नाते मुझे इस मामले में घसीटा गया। इन 22 वर्षों के दौरान, मुझे बीसीसीआई से भी कोई जवाब नहीं मिल रहा था। मैंने रेलवे में अपनी नौकरी खो दी।

रूट ने अर्धशतक के मामले में सचिन की बराबरी की

लीड्स एजेंसी। इंग्लैंड के नवनियुक्त टेस्ट कप्तान जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी की। रूट ने लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपने टेस्ट करियर का 68वां अर्धशतक लगाया। रूट ने इसके साथ ही टेस्ट में सर्वाधिक बार अर्धशतक लगाने के मामले में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है। रूट 112 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 66 रन बनाकर आउट हुए।

कप्तान के तौर पर भी किया कमाल

टेस्ट में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा बार 50 से ज्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में भी रूट ऊपर चढ़े हैं। रूट कप्तान के तौर पर 42 बार टेस्ट में 50+ स्कोर बना चुके हैं र एलीट सूची में पांचवें स्थान पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ 61 50+ स्कोर के साथ इस लिस्ट में सबसे आगे हैं। उनके बाद रिकी पोंटिंग (54), बॉर्डर (51) और पाकिस्तान के मिस्बाह-उल-हक (43) का नंबर आता है। रूट की यह नई उपलब्धि उनके शानदार टेस्ट करियर में एक और अहम पड़ाव है। इससे इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में उनकी स्थिति और मजबूत हुई है। इंग्लैंड का यह बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश में है।

सचिन को पीछे छोड़ने से एक कदम दूर

रूट अब सचिन के साथ टेस्ट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। सचिन ने भी अपने करियर में 68 टेस्ट अर्धशतक लगाए थे। यानी रूट अगर एक भी अर्धशतक और लगा देते हैं तो वह इस मामले में सचिन का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल 66 अर्धशतक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर और पूर्व भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने टेस्ट में 63 अर्धशतक लगाए हैं।

इंग्लैंड ने ली बढ़त

इंग्लैंड ने दूसरे दिन पहली पारी दो विकेट पर 112 रन से आगे बढ़ाई। पाकिस्तान ने पहली पारी में 171 रन बनाए थे। जॉर्डन कॉक्स और रूट के बीच शतकीय साझेदारी हुई जिससे इंग्लैंड की पारी संभली। कॉक्स ने 73 रन बनाए। रूट और कॉक्स की पारी के दम पर ही इंग्लैंड पाकिस्तान के खिलाफ बढ़त लेने में सफल रहा। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने पहली पारी में आठ विकेट पर 366 रन बनाए हैं और उसकी बढ़त 195 रन की हो चुकी है। स्टंप्स के समय जैमी स्मिथ 16 और जोफ्रा आर्चर खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में बतौर कप्तान सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी

- **जो रूट (इंग्लैंड):** 34 मैच, 63 पारियां, 3000* रन, उच्चतम स्कोर 228, औसत 50.13, 8 शतक, 13 अर्धशतक
- **बेन स्टोक्स (इंग्लैंड):** 40 मैच, 71 पारियां, 2182 रन, उच्चतम स्कोर 155, औसत 32.56, 3 शतक, 11 अर्धशतक
- **दिमुथ करुणारत्ने (श्रीलंका):** 24 मैच, 45 पारियां, 2160 रन, उच्चतम स्कोर 244, औसत 49.09, 6 शतक, 12 अर्धशतक
- **क्रैग ब्रैथवेट (वेस्टइंडीज):** 32 मैच, 64 पारियां, 1994 रन, उच्चतम स्कोर 160, औसत 32.68, 3 शतक, 12 अर्धशतक

रवींद्र जडेजा ने याद किया टीम इंडिया के साथ 10 साल का सफर, बोले-

बहुत मेहनत करनी पड़ती है...

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भारतीय टीम के साथ अपने एक दशक से ज्यादा के सफर के लिए आभार व्यक्त किया है। जडेजा का मानना है कि शीर्ष स्तर पर लंबा करियर बनाए रखने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत और लगन बेहद जरूरी है। भारत ने हाल ही में श्रीलंका के विरुद्ध टेस्ट सीरीज का पहला मैच 165 रन से अपने नाम किया था, जिसमें उन्होंने चार विकेट झटके। इसी के साथ मेहमान टीम दो मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है।

रवींद्र जडेजा को जब साल 2017 में गॉल टेस्ट जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा होने की एक तस्वीर दिखाई गई, तो वे पुरानी यादों में खो गए। उस मैच में जडेजा ने कुल छह विकेट अपने नाम किए थे। जडेजा ने गुरुवार को बीसीसीआई के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, हां, यह यहीं की है। रंग बदलने के अलावा बाकी सब कुछ वैसा ही है। हमने यहां पिछली सीरीज 2017 में खेली थी। जाहिर है 10 साल तक भारत के लिए खेलना बहुत मायने रखता है, क्योंकि लंबे समय तक टिके रहने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। मुझे लगता है कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं और भगवान का शुक्रगुजार हूं कि मैं अभी भी भारत के लिए खेल रहा हूं और वही काम कर रहा हूं जो मैं इतने वर्षों से भारत के लिए करता आ रहा हूं।

भारत के 600वें टेस्ट मैच में युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 10 विकेट हासिल किए। बाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने चोटिल बी. साई सुदर्शन की जगह नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए 167 और 44 रन बनाए। इन शानदार पारियों के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में भारत का प्वाइंट्स प्रतिशत 48.14 से बढ़कर 53.33 हो गया है। हालांकि वे अभी भी पांचवें स्थान पर हैं। भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा।

सचिन तेंदुलकर से बेहतर विराट कोहली!

एबी डिविलियर्स के बयान ने छेड़ी नई बहस

केप टाउन सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को भारतीय क्रिकेट इतिहास के महानतम बल्लेबाजों में गिना जाता है। दोनों ने घरेलू परिस्थितियों के साथ-साथ इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी शानदार प्रदर्शन किया। अब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने दोनों की तुलना करते हुए एक ऐसा बयान दिया है, जिसने नई बहस को जन्म दे दिया है। डिविलियर्स ने सचिन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सबसे पहले भारतीय उपमहाद्वीप के बल्लेबाजों को यह भरोसा दिया कि उछाल और सीम वाली परिस्थितियों में भी सफलता हासिल की जा सकती है। हालांकि, उनके मुताबिक विराट कोहली ने इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इसे एक अलग स्तर तक पहुंचाया। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ी के बारे में सोचता हूं, जिन्होंने काफी पहले भारत के लिए यह ट्रेंड शुरू किया। हालांकि, वह विराट कोहली जितने मजबूत नहीं थे, जो उनसे भी बेहतर थे। लेकिन सचिन पहले खिलाड़ी थे जिन्होंने दिखाया कि उपमहाद्वीप का बल्लेबाज उछाल और सीम वाली परिस्थितियों में भी अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। विराट ने इसे आगे बढ़ाया और स्तर को और ऊंचा कर दिया।' डिविलियर्स के मुताबिक विदेशी परिस्थितियों में कोहली और सचिन की सफलता का असर मौजूदा भारतीय बल्लेबाजों पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा कि दोनों दिग्गजों ने आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को विदेशों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। डिविलियर्स ने कहा, 'इसी वजह से अब कई खिलाड़ी हैं, जैसे केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल, जिन्होंने इस ट्रेंड को आगे बढ़ाना शुरू किया है और विराट तथा सचिन के नक्शेकदम पर चल रहे हैं।' कोहली की विदेशी परिस्थितियों में बल्लेबाजी की खासियत उनकी तकनीक, फिटनेस और तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रवैये को माना जाता रहा है। उन्होंने कई विदेशी दौरों पर भारत के लिए अहम पारियां खेलीं और टेस्ट क्रिकेट में टीम को एक मजबूत विदेशी इकाई बनाने में योगदान दिया। डिविलियर्स ने केएल राहुल की तकनीक की तारीफ की, लेकिन साथ ही कहा कि विदेशी परिस्थितियों में उनसे और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है।

बड़ी कार्रवाई: एथलीट शिवपाल सिंह पर लगाया 10 साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोपिंग को लेकर कड़ी कार्रवाई की है। ओलंपियन भाला फेंक एथलीट शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए 10 साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

पूर्व एशियाई रजत पदक विजेता और ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल ने 10 साल का प्रतिबंध लगाया है। शिवपाल प्रतिबंधित पदार्थ मेथाएंडिएनोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। 31 साल की उम्र में यह प्रतिबंध उनके खेल करियर का अंत कर सकता है। शिवपाल ने टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। शिवपाल के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि 2019 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतना है। दोहा में उन्होंने 86.23 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए यह पदक

हासिल किया था। हालिया मामलों में कार्रवाई का सामना करने वाले शिवपाल अकेले भारतीय एथलीट नहीं हैं। धाविका एमवी जिल्ना को भी दूसरे डोपिंग उल्लघंन के लिए अस्थायी रूप से निलंबित किया गया और वह मेफेंटरमाइन के लिए पॉजिटिव मिलीं। इससे पहले 2021 में शिवपाल का डोप नमूना प्रतियोगिता से बाहर की गई जांच में एक स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव आया था। नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने अगस्त 2022 में उन्हें डोपिंग उल्लघंन का दोषी मानते हुए 2021 से चार साल का प्रतिबंध लगाया था। यह प्रतिबंध 2025 तक चलना था, लेकिन शिवपाल ने नाडा के अपील पैनल के सामने सफलतापूर्वक तर्क दिया कि उनकी डोप जांच में पॉजिटिव आने के पीछे दूषित सप्लीमेंट्स जिम्मेदार थे। जनवरी 2023 में अपील पैनल ने उनकी दलील स्वीकार करते हुए प्रतिबंध को चार साल से घटाकर सिर्फ एक साल कर दिया।

त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में पक्का किया पदक, सेमीफाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में पदक पक्का कर लिया है। त्रीसा और गायत्री ने क्वार्टर फाइनल में चीन की जिया यी फान और झांग शू जियान की जोड़ी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप में सेमीफाइनल में पहुंचते ही पदक पक्का हो जाता है। त्रीसा-गायत्री की जोड़ी ने जिया और जियान की जोड़ी को 16-21, 21-15, 21-13 से हराया।

महिला युगल में भारतको मिलेगा पदक

त्रीसा और गायत्री का यह प्रदर्शन ऐतिहासिक है। 15 साल बाद ऐसा हो रहा है कि विश्व चैंपियनशिप में महिला युगल जोड़ी ने पदक पक्का किया है। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने लंदन में खेले गए इस टूर्नामेंट में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

पिछड़ने के बाद की वापसी

भारत की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी शुरुआत में पिछड़ रही थी, लेकिन इन्होंने वापसी करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। त्रीसा ने चोट से वापसी करते हुए दमदार प्रदर्शन किया। त्रीसा और गायत्री की जोड़ी पहला गेम गंवा बैठी थी, लेकिन इस भारतीय जोड़ी ने घरेलू परिस्थिति का फायदा उठाया और भारत के लिए पदक पक्का किया। त्रीसा और गायत्री ने 2022 और 2023 में ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक भी जीता था और पिछले साल की शुरुआत में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही थीं।

चोट के कारण परेशान रहीं त्रीसा

इस साल एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप और उबर कप की तैयारियां करते वक्त त्रीसा के टखने में चोट लग गई थी। अभ्यास करते वक्त वह अपने पार्टनर के पैर पर चढ़ गई जिससे उनका टखना मुढ़ गया था। इसके बाद उनकी एमआरआई हुई जिससे पता चला कि उनकी चोट गंभीर है। रिहैब के बाद त्रीसा और गायत्री ने इंडोनेशिया ओपन से वापसी की और फिर फिलिपिंस इंटरनेशनल चैलेंज में हिस्सा लेने से पहले यूएस ओपन में शिरकत की थी।

शिवसेना ने सुप्रीम कोर्ट में शिंदे गुट पर लगाया दल-बदल का फायदा उठाने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दलील दी कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट लगातार दल-बदल का लाभ उठा रहा है।

उद्धव ठाकरे गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग ने मुख्य रूप से विधायी बहुमत के परीक्षण के आधार पर शिवसेना का नाम और चुनाव चिन्ह शिंदे गुट को आवंटित किया था।

सुनवाई के दौरान कामत ने कहा कि इस मामले में समय पर सुनवाई न होने के कारण शिंदे गुट को पहले ही दल-बदल के परिणामस्वरूप लाभ मिल चुका है और वे आज भी इसका फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि दल-बदल विरोधी कानून के तहत एक बार अयोग्य घोषित होने के बाद सदस्य अपनी सदस्यता खो देते हैं। पीठ के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि अयोग्यता, दल-बदल की कार्रवाई का कानूनी नतीजा है और कोर्ट उस तारीख का ऐलान कर सकता है जब से सदस्य अयोग्य हुए, भले ही इसके बाद कोई ठोस राहत प्रभावी रूप से न दी जा सके।

उन्होंने यह भी हवाला दिया कि असाधारण परिस्थितियों में, जहां अध्यक्ष फैसला करने में विफल रहते हैं, सुप्रीम कोर्ट स्वयं दल-बदल का निर्धारण कर सकता है। उद्धव ठाकरे गुट ने अपनी दलीलें पूरी कर ली हैं, और अब शिंदे गुट इस मामले में दो सितंबर को अपनी अंतिम दलीलें पेश करेगा।

उत्तराखंड में 18 प्रोजेक्ट में 84 प्रतिशत काम पूरा, दिसंबर तक 15 हजार से अधिक परिवारों को मिलेगी पक्की छत

देहरादून, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत उत्तराखंड में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के अपने पक्के घर का सपना जल्द साकार होने जा रहा है।प्रदेश में योजना के तहत 18 परियोजनाओं में 15,496 आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें 12,948 यानी करीब 84 प्रतिशत मकानों का निर्माण पूरा हो चुका है। सरकार का लक्ष्य दिसंबर तक 15 हजार से अधिक परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने का है।

आवास विभाग ने लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 30 सितंबर की समय सीमा तय की है। कार्यदायी संस्थाओं को सभी लंबित आवासीय परियोजनाओं का निर्माण निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। अब तक 1,271 मकानों की चाबियां लाभार्थियों को सौंपी जा चुकी हैं।

हरिद्वार के 503 लाभार्थी शामिल

इनमें रुड़की के 768 और हरिद्वार के 503 लाभार्थी शामिल हैं। योजना के तहत सबसे अधिक 10,200 आवास ऊधमसिंह नगर जिले में बनाए जा रहे हैं। रुद्रपुर हाउसिंग स्कीम के 1,872 आवास तैयार हो चुके हैं। भवानीपुर (जसपुर) में 1,264, उकरौली-1 (सितारगंज) में 1,168, उकरौली-2 में 864, कनकपुर (काशीपुर) में 1,256, मटकोटा (रुद्रपुर) में 928, श्यामनगर (गदरपुर) में 928, महुवाखेड़ागंज में 824, मानपुर (काशीपुर) में 512 और गंगापुर गोसाल में 584 आवास बनाए जा रहे हैं।

झब्बरपुर में 448, अन्नेखी में 1,152, बेल्दी में 1,088, शिकारपुर में 768 और इंद्रलोक आवासीय योजना में 528 आवास शामिल हैं। नैनीताल के उम्मेदनगर (रामनगर) में सभी 528 आवास बन चुके हैं। देहरादून की धौलास हाउसिंग स्कीम में 240 में से 180 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का लक्ष्यः सचिव आवास आर राजेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का लक्ष्य हर पात्र परिवार को अपना घर उपलब्ध कराना है। योजना में राज्य सरकार की हिस्सेदारी भी 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार रुपये की जा रही है। सरकार के अनुसार इससे पात्र परिवारों को आवास निर्माण में अतिरिक्त आर्थिक सहायता मिलेगी और उनके सम्मान, सुरक्षा तथा बेहतर भविष्य की मजबूत नींव तैयार होगी।

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद में रफ्तार का कहर, एस्टन मार्टिन कार की टक्कर से महिला की मौत

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। हैदराबाद में एक तेज रफ्तार एस्टन मार्टिन कार की टक्कर से एक 26 वर्षीय महिला की मौत हो गई। आरोप है कि कार राज्यसभा सांसद लिंगामनेनी रमेश के बेटे लिंगामनेनी संजुश (21) चला रहे थे। पुलिस ने उन पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज कर लिया है। घटना 16 अगस्त को माधापुर इलाके में इनऑर्बिट मॉल के पास हुई। पीड़िता भारती मुखी लाइफस्टाइल स्टोर में सेल्सवुमन के रूप में काम करती थीं। दोपहर करीब 3 बजे वह और उनकी सहकर्मी पूजा अशोक अलोने लंच के लिए आईटीसी कोहेनुर इलाके गई थीं। वापस लौटते समय जब भारती सड़क पार कर रही थीं, तब एस्टन मार्टिन कार ने उन्हें टक्कर मार दी।पुलिस के मुताबिक, कार तेज गति और लापरवाही से चलाई जा रही थी।

दिल्ली से दबोचा गया सिलीगुड़ी का संदिग्ध पाक जासूस

सिलीगुड़ी, एजेंसी। बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने पाकिस्तानी जासूस होने के संदेह में सिलीगुड़ी के एक युवक को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपित युवक का नाम प्रदीप्त बोस है। उसे दिल्ली के बंगाली पट्टी इलाके से गिरफ्तार किया गया है। उसे गुरुवार को दिल्ली से कूचबिहार जिले के दिनहाटा लाया गया। इससे पहले एसटीएफ ने आइएसआइ एजेंट होने के संदेह में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से तीन को दिनहाटा से पकड़ा गया था। इन्हीं से पूछताछ के बाद प्रदीप्त का नाम सामने आया। एसटीएफ की टीम उसको पकड़ने के लिए दिल्ली रवाना हो गई थी।

महराष्ट्र में मराठी न बोलने वाले डेढ़ लाख ड्राइवरों ने सीखी मराठी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने बताया कि गुरुवार को राज्यभर में हुई चेकिंग के पहले दिन कमर्शियल पैसेंजर गाड़ियों के 1,268 ड्राइवरों मुख्य रूप से टो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों को मराठी की पर्याप्त जानकारी न होने के कारण नोटिस जारी किए गए।

उन्होंने कहा कि ये नोटिस राज्यभर के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) द्वारा जारी किए गए थे। इन ड्राइवरों को राज्य की मुख्य भाषा की जरूरी जानकारी हासिल करने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। ऐसा न करने पर उनके बैज तीन महीने के लिए सस्पेंड कर दिए जाएंगे।

सरनाइक ने कहा कि गुरुवार शाम तक कुल 8,217 ड्राइवरों की जांच की गई, जिनमें मुंबई मेट्रोपालिटन रीजन के 3,995 ड्राइवर शामिल थे। 604 ड्राइवरों को मराठी की जरूरी जानकारी नहीं थी।

बहन दिव्या की हत्या के बाद प्रज्ञा मिश्रा की भावुक पोस्ट, बोलीं- हमें सब पता था

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के भीड़ भाड़ वाले गोमतीनगर के हुसड़िया चौराहे पर गुरुवार दोपहर पति-पत्नी के विवाद ने सबको हिलाकर रख दिया है। इस विवाद में स्टेट बैंक की जानकीपुरम शाखा में लेखाकार के पद पर तैनात मानस बाजपेई ने पहले निजी बैंक की रिलेशनशिप मैनेजर पत्नी दिव्या मिश्रा की मिठाई वाला चौराहे के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद ई-रिक्शा से हुसड़िया स्थित घर पहुंचा और बहन तुलिका बाजपेई को गोली मार दी। फिर मानस ने खुद को भी गोली मार ली। तीनों की मौत हो गई। इस बीच उसने मोबाइल पर स्टेटस लगाया कि ' टूडे आइ किल माइ वाइफ, एज सी चीटेड आन मी, नाव हाइ हेव किल माइ सेल्फ एंड माइ सिस्टर.... हर सिस्टर प्रज्ञा एंड भरत नोज एवरीथिंक (हमने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है, वह मुझे धोखा दे रही थी, अब मैं खुद व अपनी बहन को मारने जा रहा हूं, प्रजा व भरत को पूरी जानकारी है।) दिव्या की बहन प्रज्ञा है और उसके जीजा भरत हैं। इसे पोस्ट ने सनसनी मचा दी।

इस बीच प्रज्ञा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से फुटेज पोस्ट कर लिखा कि हमें सब पता है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि %आज दिव्या का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया सुबह 9-10 बजे का वक्त दिया गया हैज्मम्मी को अब भी बताने की हिम्मत नहीं जुटा पाई..दिव्या की हालत क्रिटिकल है ये झूठ बताकर बगल में सुला दिया है..पहली बार लग रहा है कि सच कहना कितना मुश्किल होता हैज्वो पोस्टमॉर्मट हाउस के फ्रीजर में है..ये सच मैं नहीं कह पाई...

बैंक के सामने हत्या के समय का एक सीसीटीवी मिला है इसमें बैंक कर्मचारियों की भीड़ भाग रही है..और हत्यारा हत्या कर रहा है..बैंक में काम करने वाले हत्यारे के पास तीन-तीन रिवॉल्वर कहां से आए..किसने उस तक ये रिवॉल्वर पहुंचाईं..किसने उसे इतना जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित किया...हत्यारा कार नहीं चला पाता था. तो कार से आने जाने वाली थ्योरी कहां से आई..वो ऑटो से हत्या करने आया था..ऑटो से ही भागा तो कोई दूसरा इन्वॉल्व जरूर है..ऑटो वाला कौन था..कोई तो होगा जिसे सबके मर जाने के बाद फायदा हो रहा होगा पुलिस को खोजना चाहिए..

हत्यारे ने मेरा नाम स्टेटस में लिखा है कि मुझे सब पता था..हां मुझे पता था कि हत्यारा मेरी बहन के साथ क्रूरता करता था..इसलिए

वो उससे अलग होना चाहती थीजब्लिंकिट से मंगाए गए टमाटर में अगर कोई टमाटर खराब निकल जाता था तो वो उसे ये कहकर पीटता था कि तूने कैसे ब्लिंकिट किया कि टमाटर खराब निकला..बकौल मेरी बहन..हत्यारे और उसकी बहन ने मिलकर अपनी माता जी को इतना पीटा था उसकी अपनी बीमार मां का निधन हो गया था...दिव्या सिर्फ हत्यारे से अलग होना चाहती थी..मेरी बहन ने मुझे बताया था कि फैमिली कोर्ट में काउंसलर के साथ भी हत्यारे की झड़प हुई थीज्मेरी बहन ने बताया था कि शादी की सुहागरात पर हत्यारे ने घर के खर्चों की एक लिस्ट बनाई थी और आधा खर्च उठाने की शर्त रखी थीजजिसे मेरी बहन ने सहर्ष स्वीकार किया थाजदिव्या ने पिछले एक साल से अपने हिस्से का खर्च उठाना बंद कर दिया था..साइको हत्यारे की नजर में ये चीटिंग हो सकती हैज्मेरी बहन ने मुझे बताया कि उसका पति साइको थाज्लेकिन इतना बड़ा इसका अंदाजा नहीं था.. मुझे वो चीजें पता थीं जो मेरी बहन ने मुझे बतायाज्इतना सब होने के बाद भी वो तीज का व्रत रखने वाली थीज्हाथ में हत्यारे मानस का टैटू नहीं हटवाया था..भीतर ही भीतर वो चाहती थी सब ठीक हो जाए..साइको सुधर जाए.. पत्रकारों में मैं सबसे छोटी हूं अभी बैठी हूं तो देख रही हूं कि कुछ हमपेशा मेरी बहन की हत्या में राजनीति खोज रहे हैंज 9 वर्षों में मैंने ऐसी पत्रकारिता की है..कि जिसकी आलोचना भी करती हूं उसके सामने खड़े होकर आंख में आंख डालकर बात कर सकती हूंज्नजरें नीची करने वाली पत्रकारिता मैंने कभी नहीं कीज्इसलिए मतभेद रखिए...मतों का अलग-अलग होना जरूरी है..मनभेद मत रखिएज्आप मुझसे स्नेह करते हों.. या घृणा प्रज्ञा मिश्रा ने अपने होशो हवास में कोई अनैतिक कृत्य ना कभी किया है ना करेगी.. हत्यारे ने पहले भी दिव्या का पीछा किया था..स्ट्रेस की वजह से कुछ दिन पहले उसका एक्सीडेंट हुआ था..उसका हाथ और पैर टूट गया था। ..डेढ़ दो महीने बाद उसने ऑफिस जाना शुरू किया थाज्वो अब भी लंगड़ाकर ही चलती थी..आज जब घर से निकली थी तो लंगड़ा रही थी..दिव्या ने कितनी प्रताड़ना झेली है उसे जानने वाला हर कोई जानता हैज्आंखों में आंसू हैंज्वक्त ये बस बातें करने का नहीं है..लेकिन आप सबको बताना जरूरी है।

4 साल से टोरंटो में खड़ा है रूस का एंटोनोव एएन-124 विमान, कनाडाई कोर्ट ने खारिज की रूसी एयरलाइन की याचिका

ओटावा, एजेंसी। यूक्रेन युद्ध के दौरान कनाडा ने रूस के लिए अपने एयरस्पेस बंद कर दिए थे। जिसके चलते पिछले चार सालों से एक रूसी कार्गो विमान कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो के पियरसन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खड़ा है। यह विमान न तो उड़ सकता है और न ही वापस रूस लौट सकता है। क्योंकि कनाडाई फेडरल कोर्ट ने रूसी ऑपरेटर वोल्गा-डनेपर एयरलाइंस की रोक हटाने की याचिका को खारिज कर दिया है। अब कनाडा सरकार ने इस विशाल विमान को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

विमान पर एयरपोर्ट फीस के रूप में रूस की वोल्गा-डनेपर एयरलाइंस 1 मिलियन डॉलर से अधिक का बकाया भी जमा कर दिया है। ऐसे में अब वोल्गा-डनेपर एयरलाइंस अपना विमान वापस मांग रही है या 100 मिलियन डॉलर का मुआवजा की मांग कर रही है।

कैसे फंसा विमान?

रूसी कार्गो विमान दुनिया के सबसे बड़े मालवाहक विमानों में से एक है। यह 27 फरवरी, 2022 को चीन से माल लेकर टोरंटो में उतरा। यह विमान कोविड-19 रैपिड टेस्ट किट्स की एक बड़ी खेप कनाडा लेकर आया था। इसी दौरान रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। जिसके बाद अलग-अलग देशों ने रूस और यूक्रेन पर अलग-अलग प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए।

इसी दौरान कनाडा की तत्कालीन ट्रांसपोर्ट मंत्री ओमर अलघाबरा ने घोषणा की कि रूस के किसी भी विमान को अब कनाडाई हवाई क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी क्योंकि रूस ने यूक्रेन पर सैन्य हमला शुरू कर दिया था। जिसके चलते चीन से कनाडा आए इस विमान को टोरंटो एयरपोर्ट पर ही रोक दिया गया और तब से अब तक ये विमान यहीं खड़ा है।

क्यों उड़ान नहीं भर सकता यह विमान?

यूक्रेन युद्ध के दौरान कनाडा सरकार एक नोटिस टू एयरमेन लागू किया। इस नोटिस के अनुसार, किसी भी रूसी रजिस्टर्ड, स्वामित्व वाले, या रूसी संस्था से जुड़े विमान को कनाडाई क्षेत्र में उड़ान की नहीं दी जाती है।

गांव-गांव पहुंचेगा हाई-स्पीड इंटरनेट, एलन मस्क ने कहा- स्टारलिंक से बदलेगी भारत की कनेक्टिविटी

वॉशिंगटन , एजेंसी। टेक दिग्गज और एलन मस्क की

कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। स्श्वङ्कष्ठ्रङ्ग के फाउंडर एलन मस्क ने भारत के उन इलाकों खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां इंटरनेट की सुविधा कम है या नहीं है वहां स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस पहुंचाने की बात कही है। मस्क ने बुधवार (स्थानीय समय) को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, स्टारलिंक भारत में खासकर ग्रामीण इलाकों में उन लोगों की मदद करेगा जिन्हें अब तक इंटरनेट की सुविधा नहीं मिली है।

वे एक्स अकाउंट डोजडिज़ाइनर की एक पोस्ट का जवाब दे रहे थे जिसमें दूर-दराज के गांवों को जोड़ने के लिए भारत में स्टारलिंक सर्विस शुरू करने की वकालत की गई थी। डोजडिज़ाइनर ने कहा, मई 2026 तक भारत के लिस्टेड गांवों में से 11,256 गांवों में 4त्र कवरेज नहीं था। पोस्ट में कहा गया मार्च 2026 में भारत में 1.093 बिलियन इंटरनेट सब्सक्रिप्शन थे लेकिन इनमें से सिर्फ 440.87 मिलियन ग्रामीण इलाकों से थे। शहरी भारत में प्रति 100 लोगों पर 126.80 सब्सक्रिप्शन के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में यह संख्या 48.31 थी।

मस्क की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब खबरें हैं कि स्टारलिंक ने भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विस देने के लिए फिर से आवेदन किया है। इससे पहले इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर ने स्टारलिंक के त्रद्गठ्ठ 2 सैटेलाइट नेटवर्क के आवेदन को खारिज कर दिया था। सेंटर का कहना था कि इसके कुछ फीचर्स और इस्तेमाल की जाने वाली रेडियो फ्रीक्वेंसी भारत की ज़रूरतों के हिसाब से नहीं थीं।

न्यूयॉर्क कैपिटल-टाइम्स स्क्वायर उड़ाने की थी साजिशः यूएस ने नाकाम किया आईएसआईएस का हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों ने अल्बानी स्थित न्यूयॉर्क कैपिटल पर कथित बम हमले की साजिश को नाकाम करते हुए 35 वर्षीय जेसिका बोवी को गिरफ्तार किया है। संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, वह आईएसआईएस के प्रति समर्थन जता चुकी थी, हमले के लिए सरकारी इमारतों की रेकी कर चुकी थी और विस्फोटक को भोजन पहुंचाने की सेवा के जरिए अंदर पहुंचाने की योजना बना रही थी। अधिकारियों ने बताया कि उसे एक निष्क्रिय विस्फोटक और नकली बंदूक दिए जाने के बाद न्यूयॉर्क कैपिटल के पास गिरफ्तार किया गया। आतंकी संगठन को मदद देने की कोशिश का आरोप

बोवी को गुरुवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद विदेशी आतंकवादी संगठन को मदद पहुंचाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे न्यूयॉर्क की राजधानी अल्बानी की संघीय अदालत में पेश किया गया, जहां एक संघीय मजिस्ट्रेट ने उसे हिरासत में भेज दिया। उसके खिलाफ दायर शिकायत में संघीय जांच ब्यूरो ने कहा है कि करीब पांच साल पहले इस्लाम धर्म अपनाने के बाद बोवी ने कुनिया यानी सम्मानसूचक इस्लामी नाम आयशा सैफ अपना लिया था। सामाजिक माध्यमों पर उसने 2001 में अल-कायदा के आतंकवादियों द्वारा किए गए 9/11 हमलों के समर्थन में पोस्ट किए थे।

संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, बोवी ने कई अन्य अमेरिका विरोधी टिप्पणियां भी की थीं और आतंकवादी संगठनों के प्रति समर्थन जताया था। एक संघीय जांच ब्यूरो के मुखबिर ने उससे संपर्क किया। अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बातचीत के दौरान बोवी ने आतंकवादी हमला करने में रुचि दिखाई। उसने कथित तौर पर मुखबिर से कहा, काफिरों का दिमाग उड़ा देना खूबसूरत है।

आईएसआईएस प्रमुख के प्रति निष्ठा की शपथ का दावा

शिकायत के मुताबिक, अपनी प्रतिबद्धता साबित

करने के लिए बोवी ने विश्वासियों के कमांडर और मुसलमानों के खलीफा, मुजाहिद शेख अबू हाफा अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति पारंपरिक इस्लामी निष्ठा की शपथ यानी बयाह पूरी कर ली है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वह इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन का प्रमुख है। संघीय जांच ब्यूरो की शिकायत के अनुसार, बोवी ने अल्बानी में कई इमारतों की रेकी की। इनमें गवर्नर का कार्यालय भी शामिल था। बाद में उसने न्यूयॉर्क कैपिटल को निशाना बनाने का फैसला किया, जहां राज्य की विधायिका का कामकाज होता है। मुखबिर ने उसकी मुलाकात दो अन्य मुखबिरों से कराई। इन दोनों ने बोवी के समर्थक होने का दिखावा किया और उसकी योजना में मदद करने की पेशकश की।

जितना संभव हो सके उतना नुकसान पहुंचाने की योजना

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बोवी ने दोनों से कहा कि वह इमारत को जितना संभव हो सके उतना नष्ट करना और बैठक के दौरान राज्य के सीनेटरों को मारना चाहती है। उसने कहा कि जिस जोखिम का वह सामना कर रही थी, उसके बदले वह केवल एक या दो लोगों को मारना नहीं चाहती, बल्कि इससे कहीं अधिक बड़ा नुकसान करना चाहती है। संघीय जांच ब्यूरो के विशेष एजेंट क्रेग ट्रेमारोली ने पत्रकारों से कहा कि बोवी सिर्फ सांसदों को मारना नहीं चाहती थी, बल्कि वह हमारी सरकार के विनाश की मंशा रखती थी। अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बोवी ने हमले के बाद भाग निकलने और देश से बाहर जाने के लिए विमान पकड़ने की इच्छा जताई थी, हालांकि उसे खुद भी यकीन नहीं था कि वह ऐसा कर पाएगी। उसने धमकी दी थी कि वह वापस लौटकर और हमले करेगी। इनमें नए साल की पूर्व संध्या पर टाइम्स स्क्वायर में हमला भी शामिल था। शिकायत के अनुसार, वह व्हाइट हाउस को भी निशाना बनाना चाहती थी, लेकिन उसका मानना था कि वहां हमला करना अधिक मुश्किल होगा। हमले की कथित योजना के तहत बोवी ने कहा था कि विस्फोटक को खाने की डिलीवरी के सामान के रूप में अंदर पहुंचाया जाएगा। इसके लिए उसने एक भोजन पहुंचाने वाली सेवा से थैला भी हासिल किया था। संघीय जांच ब्यूरो के मुताबिक, जब उसने वह सामग्री खरीद ली, जिसे मुखबिरों ने बम बनाने के लिए जरूरी बताया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,